हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 8, अंकः 151, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 1 दिसम्बर, 2023 दिन शुक्रवार गाजीपुर/वाराणसी

जाति और मजहब के नाम पर देश को बांटने वाले विकास के विरोधी

विकसित भारत संकल्प यात्रा में बोले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

लखनऊ। विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साढ़े 9 वर्षों में अपने महत्वपूर्ण निर्णयों, दूरदर्शी सोच एवं योजनाओं से देश भर में जो माहौल बनाया है, वह किसी भारतीय से छिपा नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस संकल्प में केंद्र और राज्य सरकार की योजनाएं काफी सहायक बनी हैं, जिसका भव्य रूप आज हम सभी को देखने को मिल रहा है। विकसित भारत संकल्प यात्रा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आने वाले कुछ वर्षों में विकसित भारत की संकल्पना को स्थापित करेगी। इसमें हम सब का भी योगदान जरूरी है। इसी उद्देश्य से 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस पर विकसित भारत संकल्प यात्रा का शुभारंभ किया गया। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विकसित भारत संकल्प यात्रा के आगमन पर गुरुवार को निशातगंज स्थित वाल्मीकि नगर में कहीं। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये देश के विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों से संवाद किया। इससे पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को चेक, प्रमाण पत्र, आवास की चाबी एवं आयुष्मान कार्ड वितरित कर सीधा संवाद भी किया।

2014 से पहले चेहरा देखकर बनाई जाती थीं योजनाएं- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि देश 1947 में आजाद हुआ था। उसके बाद कई सरकारें बनीं। इन्होंने काम भी किया होगा और देश का पैसा भी खर्च किया होगा लेकिन दुनिया में वर्ष 2014 से पहले भारत की छवि एवं यहां के लोगों के बारे में क्या धारणा थी, लेकिन दुनिया में आज क्या छवि है, यह हम सब देख रहे हैं। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन को दर्शाता है। वर्ष 2014 से पहले देश में चेहरा देखकर योजनाएं बनाई जाती थीं। उसमें भी जमकर बंदरबांट का खेल होता था। उनके एजेंडे में गरीब, सामान्य नागरिक, महिलाएं और नौजवान शामिल नहीं होते थे। आज देश में गरीबों और जरूरतमंदों को प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वच्छ भारत मिशन, गरीबों के घर में निशुल्क शौचालय, जनधन अकाउंट योजना, आयुष्मान भारत योजना, पीएम सम्मान निधि और पीएम स्वनिधि जैसी तमाम लोककल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। यह योजनाएं पहले क्यों नहीं चलायी गई, जबकि देश भी वही है और सरकार के आय के स्त्रोत भी वही हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा साढ़े 9 वर्षों में देश में 12 करोड़ परिवारों को फ्री शौचालय, 4 करोड़ परिवारों को आवास, आयुष्मान भारत के तहत 50 करोड़ लोगों को स्वास्थ्य बीमा की सुविधा दी गयी। इसमें अकेले उत्तर प्रदेश में 55 लाख से अधिक परिवारों को आवास, 3 करोड़ परिवारों को शौचालय, 10 करोड़ लोगों का आयुष्मान भारत कार्ड का लाभ दिया गया। इसके अलावा मुख्यमंत्री राहत कोष और विधायक निधि के जरिये विधायक अपने-अपने क्षेत्र के लोगों को इलाज के लिए पैसे उपब्लध करा रहे हैं। कोरोना काल से देश में निरंतर 80 करोड़ लोगों को फ्री में राशन की सुविधा दी जा रही है।

विकास के एजेंडे को पीछे धकेलने वालों से रहें सावधान- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सरकार आपके बारे में सोच रही है तो आपकी भी जिम्मेदारी बनती है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पंच प्रण के संकल्प को पूरा करने में अपना भरपूर सहयोग दें। उन्होंने कहा कि कुछ लोग देश का विकास नहीं चाहते हैं। वह परिवारवाद, जातिवाद, मत और मजहब के आधार पर समाज को बांटने का कुत्सित प्रयास कर विकास के एजेंडे को पीछे धकेलना चाहते हैं।

सुरंग में दम घुटा मगर गोरक्षनगरी के प्रवीण ने नहीं हारी हिम्मत, सीएम योगी ने दी बधाई

गोरखपुर। उत्तरकाशी स्थित सुरंग में फंसे 41 मजदूरों को निकालने का रेस्क्यू मेरे जीवन का सबसे कठिन व खतरनाक पल था। ऑपरेशन के दौरान हमें हर दिन एक-दो घंटे ही आराम मिलता था। 45 मीटर से अधिक दूरी तक पाइप में रेंगते हुए पहुंचे। एक समय ऐसा भी आया कि अंदर दम घुटने से हमारी सांसें फूलने लगीं। लगा कि दम निकल जाएगा, लेकिन हिम्मत नहीं हारी। मजदूर बाहर सुरक्षित निकले तो सभी की आंखों में खुशी के आंसू थे। यकीन मानिए, लोगों का जीवन बचाने वाले दल में होने की खुशी ऐसी थी कि बयां नहीं कर सकता। सुरंग में फंसे 41 मजदूरों को 17 दिन बाद सुरक्षित बाहर निकालने वाली रेस्क्यू टीम की अगुवाई करने वाले प्रवीण यादव गोरखपुर के निवासी हैं। उनके मुताबिक, इस अभियान के दौरान कई उतार-चढ़ाव आए। कई बार उम्मीदें पस्त होती दिखीं, लेकिन जान बचाने का हौसला रखने वालों ने उम्मीदें नहीं छोड़ीं। सभी के सुरक्षित बाहर निकलने के बाद प्रवीण और उनकी टीम को चारों तरफ से बधाई मिल रही है। उनके घर व ससुराल पहुंचकर भी लोग बधाई दे रहे हैं। प्रवीण यादव ट्रेंचलेस इंजीनियरिंग के भूमिगत सुरंग विशेषज्ञ हैं। वह गोरखपुर के रघुवाडीह गांव के रहने वाले हैं, जबकि उनकी ससुराल मोहद्दीपुर के बिछिया में है।

97 तेजस विमान और 150 प्रचंड हेलीकॉप्टर्स की खरीद को मंजूरी

नई दिल्ली। रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) ने भारतीय वायु सेना के एसयू-30 लड़ाकू विमान उन्नयन कार्यक्रम को मंजूरी दे दी है। आधिकारिक सूत्रों ने इस बात की जानकारी दी। डीएसी ने 97 अतिरिक्त तेजस एमके1ए और 156 प्रचंड लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टरों की आवश्यकता को स्वीकार कर लिया। जट की कुल लागत 1.10 लाख करोड़ रुपये है। आधिकारिक सूत्र ने बताया कि रक्षा अधिग्रहण परिषद ने भारतीय वायु सेना के लिए 97 तेजस हल्के लड़ाकू विमानों के अतिरिक्त बैच की खरीद को मंजूरी दे दी। सूत्रों के मुताबिक रक्षा अधिग्रहण परिषद ने लगभग 150 प्रचंड हल्के लड़ाकू हेलीकॉप्टरों की खरीद को भी मंजूरी दी है। इसके साथ ही यह भी कहा गया है कि रक्षा अधिग्रहण परिषद ने भारतीय वायु सेना के सुखोई-30 लड़ाकू विमान उन्नयन कार्यक्रम को मंजूरी दी। यदि ऐसा होता है, तो यह भारत के इतिहास में स्वदेशी निमार्ताओं को मिलने वाली सबसे बड़ी ऑर्डर बुक होगी। हालाँकि, अब जो प्रदान किया गया है, वह आवश्यकता की स्वीकृति है और उसके बाद निमार्ताओं के साथ अनुबंध वार्ता होगी। इसमें समय लगेगा, लेकिन यह अवधि विदेशी निमार्ताओं के शामिल होने की तुलना में बहुत कम हो सकती है। एक बार अंतिम कीमत पर बातचीत हो जाने के बाद, अंतिम

हस्ताक्षर सुरक्षा पर कैबिनेट समिति द्वारा किया जाएगा। सेना में अंतिम रूप से शामिल होने में कम से कम 10 साल लग सकते हैं। तेजस एमके-1ए हल्का लड़ाकू विमान महत्वपूर्ण परिचालन क्षमताओं वाला एक स्वदेशी रूप से डिजाइन और निर्मित चौथी पीढ़ी का लड़ाकू विमान है जिसमें एक सक्रिय इलेक्ट्रॉनिक-स्कैन किए गए एरे रडार, एक इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर सूट शामिल है, और यह हवा से हवा में ईंधन भरने में सक्षम है। इसे हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड द्वारा विकसित किया गया है। प्रचंड लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टरों का पहला बैच पिछले साल वायुसेना और सेना में शामिल किया गया था। एचएएल द्वारा विकसित 5.8 टन वजनी जुड़वां इंजन वाले हेलीकॉप्टर की सेवा सीमा लगभग 21,000 फीट है और इसे मुख्य रूप से सियाचिन और लद्दाख और अरुणाचल प्रदेश के ऊंचे इलाकों सहित ऊंचाई वाले क्षेत्रों में तैनाती के लिए डिजाइन किया गया है।

आपको योजनाओं का फायदा मिला, अब मुझे आशीर्वाद दोगे ना : पीएम मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' के लाभार्थियों से वर्चुअली बातचीत की। पीएम ने जन औषधि केंद्रों की संख्या 10,000 से बढ़ाकर 25,000 करने के लिए भी एक कार्यक्रम की शुरूआत की। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री ने महिला किसान ड्रोन केंद्र का भी शुभारंभ किया। पीएम मोदी ने इस बीच अरुणाचल के एक लाभार्थी से बात की तो उन्होंने पीएम और सरकार की काफी तारीफ की। उन्होंने कहा कि मुझे घर बनाने में सरकार ने बहुत मदद की। ये बात सुनकर पीएम मोदी ने खुशी जताई और कहा कि जब आपको लाभ हुआ है तो मुझे भी अब आशीर्वाद देना होगा। इससे पहले भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि इस यात्रा में हम उन सभी लाभार्थियों को शामिल करेंगे और उन्हें सूचित करेंगे, जो उनके उत्थान और कल्याण के लिए मोदी जी द्वारा प्रदान की गई सुविधाओं से अनजान हैं। पीएम मोदी ने आगे कहा कि जब महिलाओं द्वारा ड्रोन चलाने के लिए प्रशिक्षण देने की शुरूआत की गई तो इस योजना को लेकर बहुत से लोगों ने संदेह जताए थे। पीएम ने रमन अम्मा जी से बात करते हुए कहा कि इन जैसी महिलाओं ने साबित कर दिया कि ड्रोन कृषि में तकनीक के दायरे से आगे बढ़कर महिला सशक्तिकरण का भी एक प्रतीक बनकर उभरेगा। उन्होंने कहा कि ये सभी पूरे देश के लिए एक प्रेरणा हैं। विकसित भारत की इस संकल्प यात्रा में आप जैसी महिलाओं की भागीदारी बहुत ही अहम है। पीएम मोदी ने कहा कि अच्छी दवाई और सस्ती दवाई, ये बहुत बड़ी सेवा है। उन्होंने कहा कि जितने लोग मुझे सुन रहे हैं, उनसे मेरा आग्रह है कि जनऔषधि केंद्र के बारे में लोगों को बताइए। पीएम ने कहा कि दवाइयों पर जो खर्च पहले 12-13 हजार का होता था, वह जनऔषधि केंद्र की वजह से सिर्फ 2-3 हजार हो रहा है यानी 10 हजार रुपये आपकी जेब में बच रहे हैं।

4 दिसंबर से शुरू हो रहा संसद का शीतकालीन सत्र, सरकार ने सूचीबद्ध किए 18 विधेयक

नई दिल्ली। संसद का शीतकालीन सत्र अगले सप्ताह से शुरू हो रहा है। सरकार की ओर से सत्र के दौरान 18 विधेयकों को सूचीबद्ध किया है, जिनमें जम्मू-कश्मीर और पुडुचेरी में महिला आरक्षण अधिनियम के प्रावधानों को बढ़ाने के लिए दो और आपराधिक कानूनों को बदलने के लिए तीन विधेयक शामिल हैं। सत्र 4 दिसंबर को शुरू होगा और 22 दिसंबर को समाप्त होगा। लोकसभा सचिवालय द्वारा जारी बुलेटिन के अनुसार, सरकार कश्मीरी प्रवासियों, पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के विस्थापितों और अनुसूचित जनजातियों को प्रतिनिधित्व प्रदान करने के लिए जम्मू-कश्मीर विधानसभा की सदस्यों की संख्या 107 से बढ़ाकर 114 करने के लिए एक विधेयक लाने की भी योजना बना रही है। जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक, 2023 जम्मू और कश्मीर विधानसभा में महिलाओं के लिए एक तिहाई सीटें आरक्षित करने का प्रावधान करता है। इसके अतिरिक्त, पुडुचेरी विधानसभा में महिलाओं के लिए समान आरक्षण प्रावधानों का प्रस्ताव करते हुए केंद्र शासित प्रदेश सरकार (संशोधन) विधेयक, 2023 पेश किया जाएगा। सत्र के लिए विधायी दस्तावेज में सात नए विधेयक शामिल हैं, जिनमें दो महिला कोटा विधेयक भी शामिल हैं, जिन्हें पेश किया जाना है। सरकार के एजेंडे में 33 लंबित विधेयकों के बैकलॉग को संबोधित करना भी शामिल है, जिनमें से 12 विचार और पारित होने के लिए सूचीबद्ध हैं। लंबित कानूनों में तीन आपराधिक कानून संशोधन विधेयक भी शामिल हैं जिन्हें पहले ही लोकसभा में पेश किया जा चुका है और बाद में आगे की जांच के लिए स्थायी समिति को भेजा गया है। इन विधेयकों पर आगामी सत्र में दोनों सदनों में विस्तृत परीक्षण और बहस होने की उम्मीद है। ये हैं भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य। मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त (नियुक्ति, सेवा की शर्तें और कार्यालय की अवधि) विधेयक, 2023, जिसे पहले राज्यसभा में पेश किया गया था, शीतकालीन सत्र के दौरान विचार और पारित होने के लिए निर्धारित है।

बसपा पदाधिकारियों के साथ बैठक : मायावती बोलीं- लोकसभा चुनाव अकेले दम पर लड़ने का फैसला अटल

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कहा कि लोकसभा आमचुनाव अकेले अपने बलबूते पर लड़ने का उनका फैसला अटल है। चुनाव में किसी एक पार्टी का वर्चस्व नहीं रहेगा और मुकाबला बहुकोणीय होगा। जनता भी इसके लिए अपना मन बना चुकी है। बसपा सुप्रीमो बृहस्पतिवार को यूपी और उत्तराखंड के पार्टी पदाधिकारियों और जिला अध्यक्षों के साथ चुनाव की तैयारियों की समीक्षा कर रही थीं। पार्टी प्रदेश मुख्यालय में आयोजित विशेष बैठक में पार्टी के कार्यक्रमों, उसकी तैयारियों, कैडर बैठकों तथा उम्मीदवारों के चयन आदि की समीक्षा भी हुई। उन्होंने कहा कि केन्द्र व यूपी सरकार की जनविरोधी नीतियों एवं कार्यप्रणाली आदि के कारण तेजी से बदल रहे हालात में किसी एक पार्टी का वर्चस्व नहीं होकर बहुकोणीय संघर्ष का रास्ता चुनने को लोग आतुर लग रहे हैं। ऐसे में लोकसभा का अगला आमचुनाव दिलचस्प, संघर्षपूर्ण और व्यापक जनहित व देशहित में साबित होने की प्रबल संभावना है जिसमें बसपा की अहम भूमिका रहेगी। थोड़े 'अच्छे दिन' को तरसते यूपी के लगभग 25 करोड़ लोगों के जीवन में छाई गरीबी, बेरोजगारी, पिछड़ेपन व पलायन आदि के दुःख-दर्द भरा जीवन का क्रम भाजपा के शासनकाल में भी लगातार जारी है। बीते वर्षों में यह हालात बेहतर होने के बजाय बिगड़े हैं। इससे पहले उन्होंने पिछली बैठक में दिये गये दिशा-निर्देशों पर जमीनी स्तर पर होने वाले अमल की जिला व मण्डलवार समीक्षा रिपोर्ट ली। साथ ही कमियों को दूर करके आगे बढ़ने के लिये नये दिशा-निर्देश दिये। पार्टी संगठन तथा सदस्यता आदि की जिम्मेदारी की सख्त हिदायत देते आगामी संसदीय चुनाव के लिए बेहतर कैडर व्यवस्था के आधार पर युवा मिशनरी लोग भी तैयार करने का अपना निर्देश दोहराया। उन्होंने कहा कि पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव के बाद अब लोकसभा के लिये फिर से यहां माहौल काफी गरमाने लगा है तथा सरगर्मियां शुरू हो गयी हैं।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से हुई आजम खां व अब्दुल्ला की पेशी

रामपुर। जौहर यूनिवर्सिटी से नगर पालिका की सफाई मशीन बरामद होने के मामले में सपा नेता आजम खां और उनके बेटे अब्दुल्ला आजम खां कोर्ट में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश हुए। अब इस मामले की सुनवाई 13 दिसंबर को होगी। सपा नेता आजम खां और उनके बेटे अब्दुल्ला आजम इन दिनों दो जन्म प्रमाण पत्र के मामले में सीतापुर और हरदोई की जेल में सजा काट रहे हैं। दोनों ही नगर पालिका की सफाई मशीन जौहर यूनिवर्सिटी के मामले में भी नामजद हैं। यह मामला इन दिनों कोर्ट में विचाराधीन है। इस मामले में जहां एक ओर दोनों की ओर से जमानत अर्जी दाखिल की गई है, वहीं दूसरी ओर यह केस अब ट्रायल पर भी आ गया है। बुधवार को इस मामले की सुनवाई एमपीएमएलए मजिस्ट्रेट ट्रायल कोर्ट में हुई,जहां दोनों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जोड़ा गया। इस दौरान आजम खां सीतापुर जेल से जबकि अब्दुल्ला हरदोई जेल से जुड़े। वरिष्ठ अभियोजन अधिकारी अमरनाथ तिवारी ने बताया कि अब इस मामले की सुनवाई 13 दिसंबर को होगी ।जमानत पर सुनवाई टलीन्यायिक अधिकारी के न होने की वजह से सपा नेता आजम खां और अब्दुल्ला आजम की जमानत अर्जी पर सुनवाई नहीं हो सकी। अब जमानत अर्जी पर सुनवाई एक दिसंबर को होगी। केमरी थाने में दर्ज आचार संहिता के उल्लंघन के मामले में पूर्व सांसद जयाप्रदा कोर्ट नहीं पहुंची। उनके अधिवक्ता ने हाजिरी माफी प्रार्थना पत्र दिया। इस मामले की सुनवाई पांच दिसंबर को होगी। केमरी थाने में वर्ष 2019 में लोकसभा चुनाव के दौरान पूर्व सांसद जयाप्रदा के खिलाफ आचार संहिता के उल्लंघन का मामला दर्ज किया गया था। यह मामला अब कोर्ट में विचाराधीन है। बुधवार को इस मामले की सुनवाई होनी थी,लेकिन पूर्व सांसद जयाप्रदा कोर्ट नहीं पहुंची, जिस पर उनके अधिवक्ता संदीप सक्सेना ने हाजिरी माफी के लिए प्रार्थना पत्र दिया,जिसे कोर्ट ने स्वीकार कर लिया। अब इस मामले की सुनवाई पांच दिसंबर को होगी।

'यह चिंताजनक है', भारतीय पर पन्नूं की हत्या की साजिश रचने के आरोपों पर विदेश मंत्रालय ने कही बड़ी बात

नई दिल्ली। अमेरिका द्वारा कथित तौर पर पन्नूं की हत्या की साजिश रचने के आरोप में भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता के खिलाफ कोर्ट में मामला दर्ज करने पर भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि अमेरिका में दर्ज हुए मामले में भारतीय अधिकारी की कथित संलिप्तता का मामला बेहद चिंताजनक है। बागची ने कहा कि यह हमारी सरकारी नीति के विपरीत है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संगठित अपराध, तस्करी, हथियारों की तस्करी और कट्टरपंथ का गठजोड़ बेहद गंभीर मसला है। यही वजह है कि उच्च स्तरीय जांच समिति बनाई गई है। बागची ने कहा कि अमेरिका के साथ द्विपक्षीय सुरक्षा समझौते पर चर्चा के दौरान अमेरिका की तरफ से कुछ जानकारी साझा की गई थी, जिसमें संगठित अपराध, आतंकियों और कट्टरपंथियों के बीच गठजोड़ की जानकारी दी गई थी। हम ऐसी सूचनाओं को बेहद गंभीरता से लेते हैं और इसीलिए एक उच्च स्तरीय समिति गठित कर मामले की जांच की जा रही है। जांच में सामने आई जानकारी के आधार पर ही आगे की कार्रवाई की जाएगी। बागची ने कहा कि अमेरिका में दर्ज मामले में भारतीय अधिकारी का जिक्र होना चिंताजनक है। अरिंदम बागची ने कहा कि 'जहां तक कनाडा की बात है, हमने पहले भी कहा है कि कनाडा में भारत विरोधी कट्टरपंथियों को पनाह दी जा

रही है और यह अहम मुद्दा है। कनाडा में हमारे राजनयिक को निशाना बनाया जा रहा है। हम चाहते हैं कि कनाडा की सरकार विएना कन्वेंशन की शर्तों का पालन करे। हमने देखा है कि कनाडा के राजनयिक हमारे अंदरुनी मामलों में भी दखल दे रहे हैं, जो बिल्कुल भी स्वीकार्य नहीं है।' वहीं विदेश सचिव विनय क्वात्रा ने बताया कि पीएम मोदी संयुक्त अरब अमीरात की अध्यक्षता में आयोजित हो रहे कॉप28 सम्मेलन में शामिल होंगे। पीएम मोदी उच्च स्तरीय कार्यक्रम 'ट्रांसफोर्मिंग क्लाइमेट फाइनेंस' शिरकत करेंगे। विदेश सचिव ने बताया कि कॉप28 सम्मेलन के दौरान भारत और स्वीडन मिलकर एक इवेंट LeadIT 2.0 का आयोजन करेंगे। यह एनर्जी ट्रांजिशन ग्रुप है। भारत और स्वीडन ने साल 2019 में संयुक्त रूप से इस इवेंट की शुरूआत यूएन-क्लाइमेट एक्शन समिट के दौरान हुई थी। जीरो कार्बन उत्सर्जन के लिए इसकी शुरूआत हुई है। क्वात्रा ने बताया कि पीएम मोदी एक दिसंबर को भारत लौट आएंगे। यूएई में पीएम मोदी वर्ल्ड क्लाइमेट एक्शन समिट के दौरान संबोधित भी करेंगे। पीएम मोदी भारत और यूएई द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित कार्यक्रम में भी भाग लेंगे। बता दें कि पीएम मोदी 30 नवंबर से लेकर 1 दिसंबर तक संयुक्त अरब अमीरात में आयोजित होने वाले कॉप28 सम्मेलन में शिरकत करेंगे।

मतदान केंद्र पर भिड़े बीजेपी-बीआरएस कार्यकर्ता रेवंत रेड्डी के भाई को बूथ जाने से रोका

हैदराबाद। तेलंगाना में विधानसभा चुनाव के लिए मतदान जारी है। बीआरएस कार्यकताओं का आरोप है कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष रेवंत रेड्डी के भाई कोंडल रेड्डी कामारेड्डी इलाके में विभिन्न बूथों का दौरा कर रहे हैं, जबकि वह उन बूथों के मतदाता भी नहीं हैं। बीआरएस ने इसकी शिकायत चुनाव आयोग से करने की बात कही है। वहीं कोंडल रेड्डी का कहना है कि बीआरएस कार्यकताओं ने उन पर हमले की कोशिश की। कोंडल रेड्डी ने भी पुलिस से शिकायत की है। कोंडल रेड्डी ने बताया कि 'मैं एक सामान्य एजेंट हूं और मैं बूथ गया था लेकिन बीआरएस कार्यकताओं ने मुझे रोका और मुझ पर हमले का प्रयास किया गया। उनके (बीआरएस) वाहन पिछले 2-3 घंटे से मेरा पीछा कर रहे हैं और मुझे रोकने की कोशिश कर रहे हैं। कोंडल रेड्डी ने बताया कि उन्होंने इसकी शिकायत एसपी से की है।' वहीं बीआरएस कार्यकताओं का कहना है कि 'कोंडल रेड्डी फर्जी पास के साथ घूम रहे हैं और रिटर्निंग

अफसर से बात कर रहे हैं। उनके साथ 20 अन्य लोग हैं और वह विभिन्न पोलिंग बूथों पर जा चुके हैं लेकिन पुलिस उन्हें कुछ नहीं कह रही। वह गुंडागर्दी कर रहे हैं। उनके कुछ लोगों को पुलिस ने हिरासत में लिया लेकिन 10 मिनट बाद ही उन्हें छोड़ दिया गया। हम इसकी शिकायत चुनाव आयोग से करेंगे।' वहीं तेलंगाना की जनगांव विधानसभा सीट पर भाजपा और बीआरएस कार्यकताओं के बीच झड़प हो गई। हालांकि पुलिस ने किसी तरह हालात को नियंत्रित कर लिया। घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें दिख रहा है कि एक व्यक्ति दूसरे व्यक्ति को थप्पड़ मारते दिख रहा है। साथ ही उसने व्यक्ति का कॉलर भी पकड़ लिया लेकिन मौके पर मौजूद एक पुलिसकर्मी ने हालात को किसी तरह से नियंत्रित किया।

संपादकीय

लिफ्ट के जरिए लोगों की आवाजाही को सुरक्षित बनाने की जरूत

बहुमंजिला इमारतों में लिफ्ट को एक अनिवार्य सुविधा के रूप में देखा जाता है। ऐसी इमारतों में घरों की खरीद-बिक्री के समय सबसे पहले यही देखा जाता है कि आवाजाही के लिए लिफ्ट की सुविधा है या नहीं। घर की खरीद-बिक्री में लोगों को आकर्षित करने के लिए विज्ञापनों में आधुनिक लिफ्ट को एक विशेष पहलू के रूप में पेश किया जाता है। मगर पिछले कुछ समय से ऐसी घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं, जो ऊंची इमारतों की रिहाइश के सपने में एक अतिरिक्त भय की स्थितियां पैदा कर रही हैं। खासतौर पर दिल्ली सहित राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में ऐसे कई हादसे हुए, जिनमें लिफ्ट के टूटने या बंद होने की वजह से या तो लोगों की जान चली गई या फिर उन्हें गंभीर जोखिम का सामना करना पड़ा। गौरतलब है कि मंगलवार को पश्चिमी ग्रेटर नोएडा के थाना बिसरख कोतवाली इलाके में स्थित एक आवासीय सोसाइटी में लगी दो लिफ्ट अचानक से बीच में ही रुक गई। उनमें आठ स्कूली बच्चों सहित बारह लोग मौजूद थे, जो लिफ्ट में ही फंस गए। जाहिर है कि ऐसी स्थिति में कोई बड़ी अनहोनी भी हो सकती है, लेकिन गनीमत है कि करीब पैंतीस मिनट की जद्दोजहद के बाद सोसाइटी के लोगों ने उन सबको किसी तरह बाहर निकाला। विचित्र यह है कि लिफ्ट में फंसे लोगों ने इंटरकाम और अन्य तकनीक के जरिए मदद के लिए संपर्क करने की भी कोशिश की, लेकिन कामयाबी नहीं मिली। स्वाभाविक ही अब समूची सोसाइटी के लोग वहां लगी लिफ्ट के इस्तेमाल को लेकर एक डर से गुजर रहे होंगे। संभव है कि इस हादसे को महज एक तकनीकी बाधा के तौर पर देखा जाए, लेकिन यह ध्यान रखने की जरूरत है कि कोई तकनीक जीवन को जिस तरह आसान और सुविधाजनक बनाता है, उसी में बहुत छोटी लापरवाही, चूक या मामूली खराबी की वजह से लोगों की जान भी चली जाती है। इस तरह की यह कोई अकेली या पहली घटना नहीं है, जिसमें लिफ्ट की खराबी की वजह से लोगों और बच्चों की जिंदगी खतरे में पड़ी। करीब दो महीने पहले ग्रेटर नोएडा में ही एक बहुमंजिला इमारत की लिफ्ट गिर गई थी, जिसमें नौ लोग मारे गए थे। तब भी कारण के रूप में संचालन से लेकर रखरखाव में लापरवाही ही सामने आई थी। विडंबना यह है कि इस तरह के हादसे बार-बार सामने आने के बावजूद बहुमंजिला इमारतों के प्रबंधनों को यह सुनिश्चित करने की जरूरत नहीं लग रही है कि लिफ्ट के जरिए लोगों की आवाजाही को सुरक्षित बनाई जाए। तकनीकी खराबी को दुरुस्त करने के साथ-साथ सिर्फ निर्धारित और नियमित जांच से ही लिफ्ट हादसे के जोखिम से लगभग पार पाया जा सकता है। फिर लिफ्ट के संचालन को लेकर सब कुछ कई बार वहां रहने वाले लोगों के भरोसे ही छोड़ दिया जाता है। सामान, वजन, लिफ्ट के इस्तेमाल को लेकर सामान्य जानकारी के अभाव की वजह से भी मुश्किल खड़ी हो जा सकती है। इसके अलावा, आपात स्थिति में सुरक्षा इंतजामों और सुरक्षा गार्डों सहित वहां रहने वाले लोगों के प्रशिक्षण को लेकर भी उदासीनता बरती जाती है। आमतौर पर जब तक कोई हादसा नहीं होता, तब तक ऊंची इमारतों का रखरखाव विभाग नींद में खोया रहता है। उत्तर प्रदेश सरकार ने लिफ्ट से होने वाले हादसों को रोकने के मकसद से एक सख्त कानून लाने की बात कही है, मगर सबसे ज्यादा जरूरी लिफ्ट की गुणवत्ता, रखरखाव और उसके संचालन में हर स्तर पर सावधानी सुनिश्चित करने की है।

करने को कमाल !

बैठकों का दौर है ।
करने को कमाल ।।
बढ़ गई है हलचल ।
पैदा भी सवाल ।।
प्रतियोगिता चल रही ।
ना निकला है नाम ।।
बन रही ना सहमति ।
किसका अच्छा काम ।।
पल पल है बयान पर ।
हम ही हैं स्वीकार ।।
जाएगी सरकार ये ।
चल रहा विचार ।।
पर भविष्य के गर्भ में है ।
किसका पलड़ा भारी ।।
लेकिन खूब ठाट से ।
चल रही तैयारी ।।

–कृष्णेन्द्र राय

पश्चिम भी स्वीकार रहा है कि सुख-दुःख वास्तव में भौतिक संसाधनों पर निर्भर नहीं करते

शिवेश प्रताप

रामचरितमानस एक ओर राम का जीवन चरित्र व मनुष्य जाति के अनुभवों का उत्कट निचोड़ है तो दूसरी ओर यह 'नाना पुराण निगमागम सम्मतं यद्' होकर सनातन धर्म के सभी मानक ग्रंथों के अर्क स्वरूप भी है, जिसे मानस के अंत में 'छहों शास्त्र सब ग्रन्थन को रस' कह कर दोबारा पुष्ट कर दिया गया है। मनुष्य से पुरुषोत्तम बनकर यानि मृत्यु से अमरत्व की ओर बढ़ने की यात्रा के पथ प्रदर्शक श्रीराम हैं। अपने भीतर छिपी संभावना और सुख-शांति की अभीप्सा को पूरा कर सकने की आकांक्षा के बीच, रामचरितमानस में राम इस मार्ग का संकेत हैं कि मनुष्य के स्वरूप को चरितार्थ करने और उससे ऊपर उठने और अपने भीतर निहित संभावनाओं को साकार करने का कोई लघुमार्ग (शॉर्टकट) नहीं हैं।

पारिवारिक, सामाजिक और लौकिक जीवन के कर्तव्य परायणता में राम ने अपने आचरण और व्यवहार से जो मानक स्थापित किए, उन मानकों में यह संभावना हमेशा निहित रही कि व्यक्ति का व्यवहार, परिस्थिति के अनुसार भले बदलता रहे, लेकिन उसका अंतरंग स्थिर रहे। मानव उन्हीं मूल्यों का प्रतिनिधित्व करे जो शाश्वत हो, जो मनुष्य और समाज के लिए हमेशा उपयोगी और ऊंचा उठाने वाले हों। उदाहरण के लिए परिवार को ही लें, राम में परिवार के अनुशासन, सबके प्रति विश्वास, एक-दूसरे के सुखों और इच्छाओं का निर्वाह और उनके लिए त्याग की भावना का महत्व रहा है। इन मूल्यों का निर्वाह रामचरित के हर प्रसंग में होता दिखाई देता है। क्षण भर में राजमुकुट धारण कर राजा राम बनने वाले बनवासी राम बनने हेतु बल्कल वस्त्र पहन लेते हैं और पिता के वचनों एवं माता कैकेयी के प्राप्त वरदान हेतु वन जाने हेतु निकल जाते हैं। व्यक्तिगत जीवन में राम ने एक ओर मयार्दाओं की प्रतिष्ठा की तो दूसरी ओर उन्होंने जहां जरूरी समझा, वहां मान्यताओं में दखल भी दिया। शूर्पणखा का अंग-भंग, अहिल्या को पुनर्जीवन और प्रतिष्ठा, एक पत्नीव्रत, बाली उद्धार, शबरी उद्धार, विभीषण को लंका का राज दे देना आदि कई प्रसंग हैं, जिनमें वह परंपरा से हटकर काम करते हैं। यह सब करते हुए वह धर्म-मयार्दा की स्थापना ही कर रहे होते हैं क्योंकि मयार्दा की स्थापना ही धर्म की शाश्वतता को बनाये रखती है। यदि यज्ञाग्नि भी मयार्दा का उल्लंघन करे तो उसे जल के द्वारा नियंत्रित करने का विधान धर्म का ही है। यदि इन कामों को पारिवारिक और सांस्थानिक रचनाओं के भरोसे छोड़ा जाता तो संभवतः पंचायतें, न्यायालय, दंडाधिकारी और समितियों को उन नतीजों पर पहुंचने में वर्षों लग जाते और न्याय की प्रक्रिया संपन्न होते- होते वह अर्थहीन व अनुपयोगी हो जाते।

इन दिनों परिवार का ढांचा बदल रहा है, संयुक्त परिवार टूट रहे हैं। कई जगह तो नौकरी के कारण पति-पत्नी और बच्चों के लिए भी अलग तरह से सोचना और व्यवस्था बनानी पड़ रही है। ऐसे में जब कि ज्ञान परम्परा का एक पीढ़ी से दूसरी में प्रवाह बाधित हो गया है तो राम का चरित्र, मूल्य, व्यवहार और आदर्शों की यशोगाथा को समेटे श्री रामचरितमानस/ रामायण जीवन का संविधान बन सकता है। आज के बड़े-बड़े फैमिली सलाहकार अपनी सलाह में परिवारों में यही अंतिम सत्य बताते हैं कि परिवार वह इकाई है जहाँ आप तर्कों और जय-पराजय से समाधान नहीं पा सकते अपितु त्याग के द्वारा कर्तव्य पालन करके ही सुख शांति प्राप्त

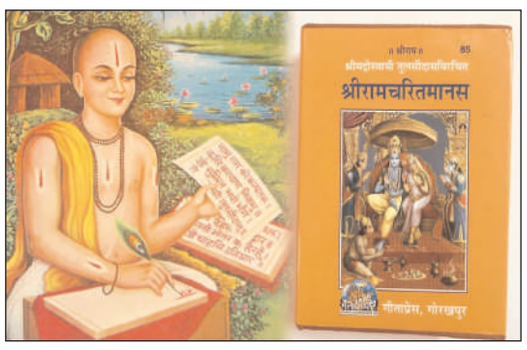

करेंगे। यह मान्यता भारत में त्रेतायुग में ही प्रभु राम के जीवन से स्थापित हो चुकी थी। राम परिवार के आदर्श-स्नेह, सहयोग, सद्भाव और विश्वास को आधार बनाकर आपसी संबंधों, कर्तव्यों और दायित्वों को समझा और निबाहा जा सकता है। जब राम, लक्ष्मण और सीता वनवास संपन्न कर अयोध्याजी वापस आते हैं तो माता कौशल्या ने मिलते ही सबसे पहले लक्ष्मण से आकुल होकर पूछा कि मुझे दिखाओ तुम्हें शक्ति कहाँ लगी थी, पुत्र तुम्हें कितनी वेदना से गुजरना पड़ा ! लक्ष्मण जी ने इसका उत्तर दिया, 'वेदना राघवेन्द्रस्य केवलं व्रणिनो वयम' (वाल्मीकि रामायण) अर्थात हमें तो केवल घाव हुआ था, वेदना तो बड़े भाई राम को हुई थी। बस यही राम का सार है की सभी एक- दूसरे के भाव, प्रेम, हर्ष और विषाद में एकरस हो जाएँ। राम जी के छोटे भाई भरत जी का चरित्र तो ऐसा है की कहीं-कहीं उनकी श्रद्धा, समर्पण और मयार्दा रूपी हिमालय के आगे रामजी लघु प्रतीत होते हैं। भाई की चरण पादुका से राज चलाना और स्वयं नंदीग्राम में भूमि पर सोना और पर्णकुटी में रहना। राम जी अपने भाई भरत को राजधर्म की सीख देते हुए कहते हैं की, 'मुखिआ मुखु सो चाहिए' यानि मुखिया मुख के समान होना चाहिए, जो स्वयं के पोषण या सुख में अकेला है, परन्तु विवेक पूर्वक सब अंगों का पालन-पोषण करता है। राम और भरत का चरित्र भरत-मिलाप प्रसंग में एक दूसरे के सामने ऐसे अडिग हैं की तुलसीदास जी को लिखना पड़ता है 'धीर धुरंधर धीरजु त्यागा' यानि भरत जी के असीम त्याग और मयार्दा के समक्ष धैर्य की धुरी धारण करने वाले श्रीराम को भी अपना धीरज प्रेमाश्रुओं के सामने तोड़ देना पड़ता है। अयोध्या के एक राजकुमार श्री राम द्वारा सुदूर वन में हनुमान को आभार व्यक्त करने के क्रम में कहा जाता है- मय्येव जीर्णतां यातु यत्त्वयोपकृतं हरे। नरः प्रत्युपकारार्थी विपत्तिमनुकाङ्क्षति॥ (हे कपिकुलनन्दन।) आपने जो मेरे साथ उपकार किया है वह मेरे में ही जीर्ण हो जाय (मुझमें पच जाय), बाहर अभिव्यक्ति का कोई अवसर ही न आवे, क्योंकि प्रत्युपकार करने वाला व्यक्ति अपने उपकारी के लिये विपत्ति की कामना करता है, जिससे उसे अपने प्रत्युपकार के लिए उचित अवसर मिले (वा. रामायण)।

भगवान राम के समय में सनातन संस्कृति के वैचारिक मानदंडों पर विचार करें और उस काल खंड में संसार की अन्य संस्कृतियों के विकास से तुलना करें तो सहज ही आपको यह अनुभव होगा कि राम और अयोध्या के समाज का उत्कृष्ट सामाजिक एवं पारिवारिक मूल्य कितना ऊँचा था और संसार भर में क्यों प्रासंगिक हुआ।

सुख-दुःख की अनुभूति

आज पश्चिमी मनोविज्ञान इस स्थिति में पहुंचा जहाँ दबे स्वर में स्वीकारा जा रहा कि सुख-दुःख वास्तव में भौतिक संसाधनों पर निर्भर नहीं करते। सुख-दुःख मनुष्य की अनुभूति के ही परिणाम हैं, उसकी मान्यता, कल्पना एवं अनुभूति विशेष के ही रूप में सुख-दुख का स्वरूप बनता है। जैसा मनुष्य का भावना स्तर होगा उसी के रूप में सुख-दुःख की अनुभूति होगी। एक ओर जहाँ पश्चिमी संसार सुख को परिभाषित करने में भौतिक संसाधनों के अंतहीन दौड़ में लगा है वहीं सनातन धर्म में सुख-दुःख का विमर्श एक साथ त्रेतायुग से होता आया है। हम मानते हैं कि सुख और दुःख दो भिन्न अवस्थाएं होते हुए भी एक-दूसरे के पूरक हैं।

सीरिया को शांति और स्थिरता की आवश्यकता है न कि आयातित संघर्ष की

मनीष राय

लगभग छह सप्ताह के युद्ध के बाद इजराइल और हमास एक अस्थायी युद्धविराम पर सहमत हुए हैं जो कुछ समय के लिए लड़ाई रोक देगा और बंदियों और कैदियों की अदला-बदली का रास्ता बनाएगा। लेकिन इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने जोर देकर कहा है कि युद्धविराम एक अस्थायी व्यवस्था है और इसके समाप्त होने के बाद युद्ध जारी रहेगा। इसलिए, इस बात की बहुत अधिक संभावना है कि यह संघर्ष सैन्य टकराव के अगले चरण में प्रवेश करेगा और निकटतम पड़ोसी देशों, विशेषकर सीरिया में फैल सकता है। गाजा में संघर्ष शुरू होने के बाद से अमेरिका ने सीरिया में उन स्थानों पर कई दौर के हवाई हमले किए हैं जिनके बारे में उसका कहना है कि वे ईरानी समर्थित मिलिशिया समूहों से जुड़े हुए हैं। अमेरिका का कहना है कि ये ईरान की छद्म सेनाओं द्वारा सीरिया और पड़ोसी इराक में अमेरिकी सेना पर किए गए कई हमलों के प्रतिशोध में हैं। इस बीच, इजराइल ने सीरिया से रॉकेट और मोर्टार हमलों के जवाब में सीरियाई क्षेत्र के अंदर कई हमले किए हैं। इजराइल ने सीरिया के दो मुख्य अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों, दमिश्क और अलेप्पो पर भी हवाई हमले किए हैं, जिससे दोनों कुछ समय के लिए अक्रियाशील हो गए हैं। सीरिया को पहले से ही कुछ हद तक इस संघर्ष में घसीटा जा चुका है। इस बात की बहुत अधिक संभावना है कि गाजा में अपने सहयोगियों की पूर्ण हार की स्थिति में ईरान सीरिया को इजराइल के खिलाफ दूसरे मोर्चे के रूप में इस्तेमाल कर सकता है।

ईरान सीरिया के राष्ट्रपति बशर अल-असद के सबसे शक्तिशाली समर्थकों में से एक है। इसने पहले सीरियाई विद्रोहियों के खिलाफ डॉ. असद की रक्षा में मदद करने के लिए युद्ध में हस्तक्षेप किया और बाद में जिहादियों के खिलाफ सीरियाई सरकारी बलों की मदद की। ईरान ने सीरिया के युद्ध की अराजकता का फायदा उठाकर वहां एक बड़ा सैन्य बुनियादी ढांचा तैयार किया है। इसने हजारों लड़ाकों के साथ बड़े शिया मिलिशिया का निर्माण और प्रशिक्षण किया है और अपने इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स (आईआरजीसी) के सलाहकारों को सीरियाई सैन्य ठिकानों पर भेजा है। सीरियाई सरकार की सहायता के नाम पर ईरानियों ने सीरिया को दक्षिणी लेबनान की तरह एक मजबूत मोर्चा बनाने की रणनीति अपनाई। ताकि इजराइल के साथ संघर्ष की स्थिति में इसका इस्तेमाल रक्षा और हमले, दोनों उद्देश्यों के लिए किया जा सके। ईरान ने सहयोगी शिया लड़ाकों को गोलान हाइट्स की ओर तैनात किया है

और हिज्बुल्लाह को अधिक सटीक हथियारों की बेहतर आपूर्ति के लिए निर्देशित रॉकेट और रॉकेट उत्पादन को सीरिया में स्थानांतरित कर दिया। ईरान ने वायु रक्षा प्रणालियाँ भी स्थापित की हैं जो इजराइल के काफी अंदर तक मार कर सकती हैं। इसके अलावा, सीरिया में ईरानी प्रभाव पिछले दो वर्षों में ही बढ़ा है क्योंकि रूस, जोकि सीरियाई राष्ट्रपति का अन्य मुख्य सहयोगी, यूक्रेन में अपने युद्ध में व्यस्त है, इसलिए ईरान बहुत प्रमुख स्थान ले रहा है। स्वतंत्र थिंक-टैंक जुसूर फॉर स्टडीज के शोध के अनुसार, 2023 के मध्य तक सीरिया में ईरान के 570 सैन्य अड्डे या प्रतिष्ठान थे।

संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने असद शासन को हमास-इजराइल युद्ध में हस्तक्षेप न करने या सीरियाई धरती से इजराइल पर हमलों ना करने की सलाह दी है। साथ ही, सीरियाई शासन को अच्छी तरह से एहसास है कि उनके पास इजराइल का मुकाबला करने के लिए सैन्य ताकत की कमी है और उनसे निपटने के लिए उनकी अपनी कई समस्याएं हैं। इसके अलावा, हमास और सीरियाई शासन के बीच संबंध मधुर नहीं हैं। 2012 में सीरियाई क्रांति के लिए अपने प्रारंभिक समर्थन पर हमास के राजनीतिक नेतृत्व के सीरिया छोड़ने के बाद दमिश्क ने पिछले साल ही हमास के साथ राजनयिक संबंध फिर से स्थापित किए थे। अभी तक सीरियाई सरकार की पूर्ण युद्ध में शामिल होने की बहुत कम इच्छा है। खासकर ऐसे समय में जब उसकी सेनाएं अपने देश पर भी पूर्ण नियंत्रण स्थापित करने की स्थिति में नहीं हैं। लेकिन संघर्ष जितना लंबा चलेगा और जितना अधिक विभिन्न भू-राजनीतिक शक्तियां एक-दूसरे की लक्ष्मण रेखाओं का परीक्षण करेंगे, संघर्ष के फैलने का जोखिम उतना ही अधिक होगा। इसके अलावा, वास्तव में ईरान समर्थित मिलिशिया सीरियाई शासन से काफी हद तक स्वायत्त रूप से काम करते हैं और सीधे ईरान के आईआरजीसी के कमांडरों से आदेश लेते हैं। सभी व्यावहारिक दृष्टि से, दमिश्क का इन ईरानी समर्थित मिलिशिया पर कोई नियंत्रण नहीं है, लेकिन इजरायली इसे स्वीकार नहीं करेंगे। सीरियाई क्षेत्र से हमला होने की स्थिति में, इजरायली सीरियाई बुनियादी ढांचे और शायद नागरिक केंद्रों पर भी हमला करेंगे। यह सीरिया के लोग ही होंगे जिन्हें इजराइल के साथ किसी भी सैन्य संघर्ष की भारी कीमत चुकानी होगी। सीरियाई गृहयुद्ध, जो अब अपने तेरहवें वर्ष में प्रवेश कर रहा है, ने सीरियाई लोगों और उनकी अर्थव्यवस्था को लगभग अकल्पनीय स्तर की तबाही और नुकसान पहुँचाया है। देश की आधे से अधिक पूर्व-संघर्ष आबादी (लगभग 21 मिलियन) आंतरिक रूप से और शरणार्थियों के रूप में, ज्यादातर पड़ोसी देशों में विस्थापित हो गई है। संघर्ष में पांच लाख से अधिक लोग मारे गए हैं और नागरिक बुनियादी ढांचा बर्बाद हो गया है। सीरियाई लोग पहले ही बहुत कुछ झेल चुके हैं और उन पर आयातित विदेशी संघर्ष थोपना क्रूरता होगी। सीरियाई राज्य का एकमात्र ध्यान देश को स्थायी आर्थिक सुधार की ओर ले जाने पर होना चाहिए। संक्षेप में, सीरिया में आम लोग पहले से ही गृह युद्ध और चल रहे आर्थिक संकट का खामियाजा भुगत रहे हैं। सरकार को आर्थिक सुधार को अपने एजेंडे में सबसे ऊपर रखना चाहिए और किसी भी बाहरी संघर्ष में फंसने से बचने के लिए किसी भी हद तक जाना चाहिए।

राजस्थानी राजनीति के अपरिहार्य चेहरे हैं अशोक गहलोत और वसुंधरा राजे

उमेश चतुर्वेदी

संसदीय लोकतंत्र में सत्ता की कमान जिन्हें मिलती है, उनका सबसे बड़ा आधार राजनीतिक दल हैं। दिलचस्प यह है कि जिस लोकप्रतिनिधित्व कानून के जरिए देश में चुनाव होते हैं, उनमें राजनीतिक दल का जिक्र तो है, लेकिन राजनीतिक दलों की बात संविधान में कहीं नहीं है। संसदीय राजनीति के केंद्र बिंदु बने राजनीतिक दलों के लिए तय है कि उनमें अंदरूनी लोकतंत्र रहे और चुनाव होते रहें। लेकिन देश के तकरीबन सभी दलों में अंदरूनी लोकतंत्र की सिर्फ रस्म निभाई जाती है। अव्वल तो हर दल में अपना-अपना शक्तिशाली केंद्रीय नेतृत्व उभर चुका है। केंद्रीय नेतृत्व की ही मर्जी पर राज्यों के क्षत्रपों का नाम राजनीतिक दल तय करते हैं। केंद्रीय नेतृत्व की आंख से उतरा नहीं कि स्थानीय नेतृत्व किनारा हो जाता है।

लेकिन अपने देश में एक राज्य ऐसा भी है, जहां इस परिपाटी को चुनौती मिल रही है। इस राज्य में प्रमुख रूप से देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी का ही दबदबा है। लेकिन दोनों ही दलों के पास इस राज्य में एक ऐसा स्थानीय नेतृत्व है, जो अपने-अपने दलों के शक्तिशाली केंद्रीय नेतृत्व को परोक्ष रूप से चुनौती दे रहा है। अव्वल तो दूसरा कोई होता तो दोनों ही दल अपने इन नेताओं को किनारे लगा चुके होते। लेकनि इनकी स्थानीय स्तर पर ताकत ऐसी है कि मौजूदा विधानसभा चुनावों में दोनों ही दलों को अपने स्थानीय ताकतवर नेतृत्व को नकार पाना संभव नहीं रहा।

आपके मन में सवाल होगा कि आखिर वह कौन-सा राज्य है, जहां दोनों दलों में ऐसा स्थानीय नेतृत्व है, जिसे अपने केंद्रीय नेतृत्व की परवाह नहीं है। कुछ लोग अनुमान लगा भी रहे हैं। जी हां, आपने ठीक फरमाया, वह राज्य राजस्थान है। और यहां के दोनों दलों के स्थानीय क्षत्रप इतने ताकतवर हैं कि उनके बिना दोनों ही दल अपनी स्थानीय राजनीति की कल्पना नहीं कर सकते। एक तरफ हैं कांग्रेसी मुख्यमंत्री अशोक गहलोत तो दूसरी तरफ हैं भाजपा की नेता और दो बार मुख्यमंत्री रह चुकीं वसुंधरा राजे सिंधिया। दोनों नेताओं की अपने-अपने समर्थक आधार पर पकड़ ही है कि दोनों ही दल अपने इन नेताओं को नकारने की हिम्मत नहीं दिखा सके। अशोक गहलोत से उनके पूर्व अध्यक्ष और कांग्रेस के सुपर आलाकमान राहुल गांधी की नाराजगी की खबरें दिल्ली से लेकर जयपुर तक के सियासी वायुमंडल में फैली हुई हैं। राजस्थान के चुनाव प्रचार में इसका असर दिखा भी। राज्य में चुनाव प्रक्रिया शुरू होने के बाद राहुल गांधी महज चार घंटे के लिए राजस्थान पहुंचे और तीन जनसभाओं को संबोधित किया। राजस्थान में विधानसभा की दो सौ सीटें हैं, लेकिन राहुल गांधी की तीन जनसभाओं के केंद्र में महज डेढ़ दर्जन ही विधानसभा सीटें रहीं।

जिन्हें पता है कि कांग्रेस के सुपर आलाकमान इंदिरा परिवार की क्या ताकत होती है, वे जानते हैं कि अगर गहलोत की ताकत नहीं होती तो अब तक उन्हें आलाकमान घुटनों के बल ला चुका होता। लेकिन आलाकमान ऐसा नहीं कर पा रहा है। याद कीजिए, सचिन पायलट के विद्रोह को। उनके विद्रोह के वक्त कांग्रेस आलाकमान चाहता था कि अशोक इस्तीफा दें। आलाकमान का संदेश लेकर कांग्रेस के दो दूत मल्लिकार्जुन खरगे और अजय माकन जयपुर पहुंचे, लेकिन गहलोत ने ना सिर्फ इससे इनकार कर दिया, बल्कि शांति धारीवाल की अगुआई में विधायकों ने अशोक नहीं तो कोई नहीं जैसा समानांतर बगावत कर दी। अशोक गहलोत नहीं माने और अपने दम पर सचिन पायलट का विद्रोह थामने में कामयाब रहे। उसके बाद कांग्रेस आलाकमान ने अशोक गहलोत को पार्टी का अध्यक्ष बनाने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने मना कर दिया। उनकी जगह पर वे खड़गे अध्यक्ष बनाए गए, जो कभी उनके खिलाफ हुई बगावत को थामने के लिए आलाकमान के दूत बनकर जयपुर पहुंचे थे। कांग्रेस आलाकमान शांति धारीवाल को टिकट नहीं देना चाहता था, लेकिन गहलोत उन्हें टिकट दिलाने में कामयाब रहे। आलाकमान रोक नहीं पाया। जिन्हें सोनिया गांधी की राजनीति पता है, उन्हें पता है कि अपने विरोधियों को वे माफ नहीं करतीं। राजीव गांधी प्रधानमंत्री थे तो उस दौर में एक घोटाले को लेकर संसद में केरल के नेता केपी उन्नीकृष्णन ने सवाल उठाया था। उस दौर में उनके नाम से मिलते-जुलते नाम वाले एक और नेता थे, पी उपेंद्र। पी उपेंद्र बाद में वीपी सरकार में सूचना और प्रसारण मंत्री बने। उपेंद्र तेलुगू देशम के सांसद थे। सोनिया घोटाला उठाने को लेकर केपी उन्नीकृष्णन से खफा थीं, लेकिन वह उपेंद्र और उन्नीकृष्णन में फर्क नहीं कर पाईं। आंध्र के एक दौरे से पति राजीव के साथ लौटते वक्त उन्हें उपेंद्र दिख गए और उन्हें उन्होंने सार्वजनिक रूप से हड़का दिया था। शांति धारीवाल ने बगावत के दिनों में प्रेस से यहां तक कह दिया था कि कौन हैं सोनिया गांधी। माना जा रहा था कि शांति धारीवाल के राजनीति के दिन लद गए, लेकिन अपने इस वफादार को अशोक गहलोत टिकट दिलाने में कामयाब रहे या दूसरे शब्दों में कहें तो टिकट उन्होंने दिया, यह जानते हुए भी उनका सुपर आलाकमान उनसे नाराज है।

अब बात करते हैं वसुंधरा की। राजस्थान में वसुंधरा खुद को बीजेपी की सर्वोच्च नेता मानती रही हैं। वे सिर्फ अटल और आडवाणी के सामने झुकती रही हैं। अन्यथा वे किसी के सामने नहीं झुकतीं। याद कीजिए 16 मई 2014 की तारीख को, जब भाजपा इतिहास बनाने जा रही थी। पहली बार केंद्र में अपने दम पर सरकार बना रही भाजपा की क्षत्रप वसुंधरा नाराज होकर राजस्थान की सभी 25 सीटों से जीते भाजपा सांसदों को लेकर दिल्ली के राजस्थान हाउस चली गई थीं। इसके पहले केंद्रीय नेतृत्व के आदेश के बावजूद उन्होंने नेता प्रतिपक्ष पद से इस्तीफा देने से इंकार कर दिया था। राजस्थान में इस बार माना जा रहा था कि वसुंधरा पहले की तुलना में कमजोर हुई हैं, इसलिए वे अपनी उपेक्षा से बगावत कर सकती हैं। लेकिन वसुंधरा ने खुलकर तेवर नहीं दिखाए। लेकिन पर्दे के पीछे वे सक्रिय रहीं।

राजस्थान में कहा जा रहा है कि भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व को लगा कि अगर वसुंधरा को नहीं साधा गया और वे कुछ ऐसा-वैसा कदम उठा लेंगी तो राजस्थान में उसकी सत्ता की उम्मीदें धूमिल पड़ जाएंगीं। इसलिए उन्हें मनाने की कोशिशें पर्दे के पीछे से चलीं। वसुंधरा ने तेवर नहीं दिखाए। कहा जा रहा है कि पार्टी उन्हें राजस्थान के लिए अपरिहार्य मानने को मजबूर हुई। राजस्थान में तो यहां तक कहा जा रहा है कि पार्टी ने करीब तीस फीसद टिकट उनके ही समर्थकों को दिए हैं। वैसे उनके कई समर्थक बागी बनकर मैदान में ना सिर्फ डटे रहे, बल्कि भाजपा के लिए परेशानी का सबब बनते रहे।

नैक मूल्यांकन में करें उत्कृष्ट प्रदर्शनः डॉ. सुधीर बोबडे

प्रखर जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में गुरुवार को माननीय राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव डॉ. सुधीर एम. बोबडे ने विश्वविद्यालय में नैक तैयारियों का जायजा लिया। कुलपति प्रो. वंदना सिंह के साथ विभागों के भ्रमण किया। प्रो. राजेंद्र सिंह रज्जू भैया भौतिकी अध्ययन एवं शोध संस्थान के आर्यभट्ट सभागार में शिक्षक, प्रशासनिक अधिकारी, कर्मचारी और छात्रों के साथ संवाद किया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के सभी राज्य विश्वविद्यालयों की नैक ग्रेडिंग अच्छी हो इसलिए राजभवन नैक को लेकर सक्रिय और गंभीर है। समय- समय पर विश्वविद्यालयों की तैयारियों के लिए दिशा निर्देश के साथ-साथ उसकी समीक्षा भी की जा रही है। इसी के तहत लखनऊ में नैक मंथन कार्यक्रम भी किया गया जिसके परिणामस्वरूप कई विश्वविद्यालय अ++ की ग्रेडिंग में आ गए। राजभवन उत्तर प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि मुझे आशा है कि आपके अच्छे प्रदर्शन के चलते आपकी ग्रेडिंग उत्कृष्ट आएगी। इसके बाद विश्वविद्यालय के

विद्यार्थियों के साथ संवाद किया और उनकी समस्याएं सुनीं। इस अवसर पर कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने कहा कि हमारे विश्वविद्यालय में हर सुविधा और संसाधन है। इसका प्रस्तुतीकरण भी हम अच्छे ढंग से कर रहे है। हम पूरी तरह से एकजुट होकर अपने विश्वविद्यालय का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने को तैयार हैं। पूर्व कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य ने कहा कि नैक प्रस्तुतीकरण में विश्वविद्यालय के सभी सदस्यों का योगदान रहता है। सबके प्रयास से ही अच्छी ग्रेडिंग तक हम पहुंच सकते हैं। बैठक का संचालन आईक्यूएसी के समन्वयक प्रो. मानस पांडेय और धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव महेंद्र कुमार ने दिया। इसके बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कुलसचिव महेंद्र कुमार, परीक्षा नियंत्रक वीएन सिंह, उप कुलसचिव अमृतलाल, सहायक कुलसचिव दीपक सिंह, अजीत सिंह, प्रो. बीबी तिवारी, प्रो. मानस पांडेय, प्रो. वंदना राय, प्रो. अजय द्विवेदी, प्रो. अजय प्रताप सिंह, प्रो. देवराज सिंह, प्रो. अशोक कुमार श्रीवास्तव, प्रो. अविनाश पाथर्डीकर, प्रो. संदीप सिंह, प्रो.रजनीश भास्कर, प्रो. प्रदीप कुमार, डॉ. मनोज मिश्र, डॉ. प्रमोद कुमार यादव, डॉ राजकुमार, डॉ. मनीष प्रताप सिंह, डॉ. मनीष गुप्ता, डॉ. संतोष कुमार, डॉ जाह्नवी श्रीवास्तव, डॉ. संजीव गंगवार, डॉ. रसिकेश, डॉ. गिरधर मिश्र, डॉ. सुनील कुमार, डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर, डॉ. श्याम कन्हैया, डॉ पुनीत धवन, डॉ. शशिकांत यादव, डॉ. अमित वत्स, कर्मचारी संघ के अध्यक्ष नंदकिशोर सिंह, महामंत्री रमेश यादव, डॉ पीके कौशिक, आदि लोग उपस्थित थे।

ट्रक ने मारा एंबुलेंस को जोरदार टक्कर मरीज सुरक्षित चालक बुरी तरह घायल

प्रखर संत कबीर नगर। राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित डड़वा चौराहे के पास लखनऊ से आ रही एंबुलेंस को एक ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दिया जिससे एंबुलेंस के आगे का हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया एंबुलेंस के चालक मोहम्मद राशिद ने बताया जेरॉक्सी हॉस्पिटल लखनऊ से मरीज को लेकर भोर में 5:00 बजे जैसे ही डड़वा चौराहे के आगे पहुंचा अचानक एक ट्रक ओवरटेक करते हुए एंबुलेंस से टकरा गई पीछे बैठे मरीज उसके परिजन को मामूली सी चोट आई है। ट्रक का इतना जोरदार टक्कर था कि आवाज सुनते ही अगल-बगल के तमाम लोग दौड़ते हुए पहुंचे ड्राइवर को बुरी तरह से घायला अवस्था में गाड़ी में से निकाला और चौराहे पर स्थित भुजैनी स्पर्श हॉस्पिटल में भेज कर इलाज कराया, अगर समय से लोग ना पहुंचते तो ड्राइवर की जान जा सकती थी,एंबुलेंस का चालक राशिद ने सबका शुक्रिया अदा किया गाड़ी के मालिक अनूप पांडे को सूचना दे दिया

समाचार लिखे जाने तक , घटनास्थल पर पुलिस का कोई भी जवान नहीं पहुंचा था, राशिद ने बताया कि मरीज को कोई चोट नहीं लगी है खुद उसे ही सर में गंभीर चोटें आई है।

संक्षिप्त खबरें

प्रसूता की मौत पर उपचार में लापवाही का आरोप लगाते हुए परिजनों ने लगाया जाम

प्रखर जौनपुर। सिकरारा क्षेत्र के पकड़ी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर बुधवार की सुबह प्रसूता की मौत से नाराज परिजन ने उपचार में लापरवाही का आरोप लगाते हुए अस्पताल में हंगामा करने के साथ चौराहा पर शव रखकर हाईवे पर जाम लगा दिया। सीओ सदर के समझाने पर लगभग आधे घंटे बाद आवागमन सामान्य हो सका। कुंवरदा गांव की सविता देवी को प्रसव प्रसव पीड़ा होने पर स्वजन मंगलवार की रात लगभग 11:30 बजे पीएचसी पर ले आए। भोर में करीब साढ़े पांच बजे सविता ने सामान्य प्रसव से पुत्र को जन्म दिया। प्रसव के आधे घंटे बाद सविता की हालत बिगड़ने लगी। स्टाफनर्स के अनुसार प्रसव के दौरान अधिक रक्तस्राव से सविता का रक्तचाप गिरने लगा। स्टाफ नर्स ने तुरंत प्रभारी चिकित्साधिकारी को फोन से जानकारी दी। जब तक चिकित्साधिकारी आते हालत गंभीर देखते हुए स्वजन सविता को उपचार के लिए शहर के एक निजी हास्पिटल ले गए। जहां डाक्टर ने देखते ही मृत घोषित कर दिया। सविता के शव के साथ प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचकर स्वजन हंगामा करने लगे। वह उपचार में लापरवाही का आरोप लगा रहे थे। करीब 10:30 बजे स्वजन ने चौराहा पर शव रखकर जौनपुर. रायबरेली हाईवे पर रास्ता जाम कर दिया। सीओ सदर संत प्रसाद उपाध्याय थानाध्यक्ष बक्शा विवेक तिवारी थानाध्यक्ष सिकरारा राजाराम द्विवेदी मय फोर्स आ गए। सीओ सदर के समझाने बुझाने पर आधे घंटे बाद रास्ता जाम समाप्त हो गया। सविता के छोटे भाई योगेंद्र की तहरीर पर पुलिस मुकदमा दर्ज कर मामले की छानबीन कर रही है।

अवसाद ग्रस्त युवक ने ट्रेन के सामने कूद कर दी जान

प्रखर पिंडरा वाराणसी। फूलपुर थाना क्षेत्र के खालिसपुर रेलवे स्टेशन के सामने एक अवसाद ग्रस्त युवक ने मालगाड़ी ट्रेन के सामने कूद कर जान दे दी। घटना सुबह 11 बजे के लगभग की है। बताते है कि खालिसपुर निवासी जयशंकर यादव के सबसे बड़े पुत्र रविन्द्र यादव 35 वर्ष सुबह 11 बजे बाइक से खालिसपुर स्टेशन पर पहुचा और बाइक खड़ी कर अप लाइन से आ रही मालगाड़ी के सामने कूद गया। ट्रेन के झटके से दूर जा गिरा और सिर फटने से मौके पर ही उसकी मौत हो गई। मृतक चार भाइयो में सबसे बड़ा था और उसे एक लड़का और लड़की है। बताते है कुछ दिन पूर्व एक नाश्ते का दुकान खोला था। दुकान न चलने से वह अवसाद में था और गुरुवार को सुबह ट्रेन के सामने कूद कर जान दे दी। घटना स्थल से घर थोड़ी दूर होने के कारण मौके पर सैकड़ो लोग जुट गए। स्टेशन मास्टर की सूचना पर जीआरपी पुलिस मौके पर पहुँचे और शव को कब्जे में लेकर अंत्यपरीक्षण हेतु भेज दिया।

विकसित भारत का संकल्प, सहयोग से सम्भव : सांसद

प्रखर पिंडरा वाराणसी। क्षेत्रीय सांसद वीपी सरोज ने कहाकि भारत को एक अग्रणी राष्ट्र बनाने में आम आदमी से लेकर उद्यमियों तक के सहयोग की जरूरत है। सभी के सहयोग से विकसित भारत का संकल्प पूरा होगा। उक्त बातें गुरुवार को कटौना में विकसित भारत संकल्प यात्रा को हरी झंडी दिखाने के पूर्व आयोजित चौपाल के दौरान कही। उन्होंने कहाकि सबके विकास से ही यह संकल्प पूरा होगा। कोई भी परिवार न भूखा रहे और न ही बिना छत के हो तभी यह संकल्प पूरा होगा। इसके पूर्व विभिन्न लाभार्थियों व छात्रो को प्रमाण पत्र देने के साथ विभिन्न विभागों द्वारा लगाए स्टॉल के माध्यम से योजनाओं की जानकारी दी गई। इसके पूर्व अन्नप्राशन, गोद भराई, ड्रोन द्वारा नैनो यूरिया का प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीपप्रज्वलन के साथ हुई। अंत मे संकल्प भारत रथ को गजोखर के लिए रवाना किया गया। इस दौरान बीडीओ धर्मेंद्र विश्वकर्मा, बीडीओ छोटेलाल तिवारी, ब्लॉक प्रमुख संरक्षक रविशंकर सिंह, परियोजना निदेशक विनोद राम, एडीओ सहकारिता प्रियंका मिश्रा, केशव यादव, कैलाश यादव, सचिव गोविंद गिरी, अभिषेक राजपूत, मनीष पाठक समेत अनेक जनप्रतिनिधियों के अलावा ग्रामीण उपस्थित रहे।

वेलफेयर क्लब ने किया बाल दिवस पखवारे का समारोहपूर्वक समापन

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। वेलफेयर क्लब के तत्वाधान में देश के प्रथम प्रधानमंत्री स्व० जवाहरलाल नेहरु के जयंती के अवसर पर बाल दिवस खेल पखवारे का भावरकोल विकास खंड के मार्टिंस चिल्ड्रेन एकेडमी में समापन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ विद्यालय के प्रबंधक अवधेश पांडेय ने माँ सरस्वती और नेहरु जी के चित्र पर माल्यार्पण तथा दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम में कुल 5 तरह के खेल टाफी रेस, स्पून-मार्बल रेस, , फ्लैट रेस, मेढक रेस , आटा रेस खेलो का आयोजन किया गया। सभी प्रतिभागियों ने बेहद रूचि के साथ बढ़ चढ़कर खेलों में प्रतिभाग किया। क्लब पीआरओ सूर्य रेख मणि ने बताया कि टॉफी रेस ब्वाय में जिशान प्रथम, शिवांश सिंह द्वितीय तथा आदर्श राय को तीसरा स्थान मिला जबकि गर्ल में भूमिका राय प्रथम, परी कुशवाहा द्वितीय, पायल पांडेय तीसरे स्थान पर रही। स्पून मार्वेल रेस ब्वायज में शिवम यादव प्रथम, सारिक सिद्दकी द्वितीय तथा आलोक कुशवाहा तृतीय स्थान पर रही वही गर्ल में इधृति राय प्रथम, इशिका यादव द्वितीय तथा स्वाति पांडेय, अयात खातून संयुक्त रूप से तृतीय स्थान पर रही। मेढक रेस में ब्वाय में इरफान राइनी प्रथम, संजू यादव द्वितीय तथा रंजीत राय तृतीय स्थान पर रहे गर्ल में राजिया परवीन प्रथम, अलीना खान द्वितीय तथा राज नंदिनी यादव तीसरे स्थान पर रही। इसी प्रकार आटा रेस में आदिल खान व दिव्या यादव को पहला, अभय निषाद व जीशान हाशमी को दूसरा तथा हिमांशु यादव व अब्बास अली को तीसरे स्थान से संतोष करना पड़ा। समस्त विजयी प्रतिभागियों को मुख्य अतिथि सूर्य भान राय एडीओ पंचायत भावारकोल, पवन पांडेय व पिंटू सरोज ग्राम विकास अधिकारी तथा प्रबंधक अवधेश पांडेय ने संयुक्त रूप से मेडल देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन स्कूल के उप प्रधानाचार्य मनोज प्रजापति ने किया। जबकि प्रधानाचार्य विनय राय ने सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर यास्मीन, हिना, नितिन पांडेय, मंजू यादव , मरियम कुमारी, भगवंत यादव, प्रभाकर राय, मृत्युंजय यादव, धीरेन्द्र त्रिपाठी, आशुतोष सिंह, अजय यादव, रामकुमार विश्वकर्मा, नौशाद अहमद, वरुण यादव, रामनाथ कुशवाहा उपस्थित रहे।

विकसित भारत यात्रा अंतर्गत लोक संवाद कार्यक्रम में जिलाधिकारी व सपना सिंह ने दिलाई पञ्चप्रण की शपथ

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। विकसित भारत संकल्प यात्रा के अन्तर्गत लोक संवाद कार्यक्रम विकास खण्ड रेवतीपुर के ग्राम पंचायत अवती में मा0 अध्यक्ष जिला पंचायत सपना सिंह एवं जिलाधिकारी आर्यका अखौरी ने दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारम्भ किया। भारत को विकसित बनाने की दिशा में विकसित भारत संकल्प यात्रा एक महत्वपूर्ण कड़ी है। जिलाधिकारी आर्यका अखौरी ने कार्यक्रम के दौरान अपना सम्बोधन व्यक्त कर उपस्थित लोगो से आग्रह करते हुए कहा कि केन्द/राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओ यथा अयुष्मान कार्ड, आवास, राशन कार्ड, उज्ज्वला योजना, विश्वकर्मा योजना क तहत पंजीकृत कराकर लाभ प्राप्त कर सकते है। उन्होने कहा कि यह एक अच्छा अवसर है प्रशासन एवं शासन से जुड़कर लाभ लेने प्राप्त करने का अतः आप सबकी सहभागिता से ही सफल बनाना है। प्रधानमंत्री जी ने कहा कि भारत देश तभी विकसित बनेगा जब हम सब विकसित हो। अतः आप सभी लोग इस योजनाओ का लाभ ले और इस योजना को सफल बनाये। मा0 अध्यक्ष एवं जिलाधिकारी तथा खण्ड विकास अधिकारी व जनप्रतिनिधिगणों की उपस्थित ग्रामवासियों को पंचप्रण की शपथ दिलाई। इस अवसर पर मा0 प्रधानमंत्री जी का रिकार्ड किया गया वीडियों संदेश एवं विकसित भारत के लिए संकल्प वीडियों का प्रसारण उपस्थित लोगों ने देखा व आत्मसात किया।

प्रधानमंत्री के संसदीय क्षेत्र की स्वास्थ्य व्यवस्था सबसे खराब : आशुतोष सिन्हा एमएलसी

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। उ0प्र0 विधान परिषद के चल रहे शीतकालीन सत्र में सपा एमएलसी आशुतोष सिन्हा ने वाराणसी में फैले मच्छर जनित रोगों व बीमारियों के मुद्दे पर सरकार को घेरा उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संसदीय क्षेत्र की स्वास्थ्य व्यवस्था पूरे प्रदेश में सबसे खराब है और इसका कारण प्रशिक्षित स्वास्थ्य कर्मियों की कमी है। नगरीय मलेरिया यूनिट वाराणसी की स्थापना 1986 में उस समय के नगर के क्षेत्रफल व जनसँख्या के आधार पर पदों की स्वीकृति की गई थी` वर्तमान में नगरीय एरिया व जनसंख्या स्थापना के समय से लगभग 2 गुना हो गई है अब तक कुल डेंगू के 401 व चिकनगुनिआ के 125 मरीज सरकारी पोर्टल पर दिखाए गए हैं जबकि वास्तव में लगभग 2500 मरीज थे, इसी तरह जुलाई से अब तक जनपद में बुखार के 157139 मरीज दिखाए गए है जबकि

यह संख्या कम से कम 5 लाख रही होगी। पूर्व के एरिया के लिए निर्धारित 90 क्षेत्रसेवकों की जगह मात्र 34 अनट्रेंड लोगों को रख कर काम लिया गया और नव शहरी एरिया के लिए कोई भी नया पद नहीं बढ़ाया गया, जिससे ज्यादा लोग बीमार हुए और क्षेत्र सेवक के पद को सरकार नॉन टेक्निकल बता कर भर्ती नहीं कर रही है जबकि ये लोग कीटनाशक दवा का घोल बनाकर पूरे मानक के अनुसार छिड़काव कहाँ करना है कहाँ नहीं, इसके लिए वो ट्रेंड होते हैं फिर सरकार उसको नॉन टेक्निकल क्यों बताती है? चूँकि टेक्निकल पदों पर भर्ती की जा सकती है इसलिए सरकार सभी खाली और नए पदों की आवश्कतानुसार सृजन कर भर्ती करे उन्होंने कहा कि वाराणसी में मच्छरों को मारने के लिए फॉगिंग की कोई व्यवस्था नही है और न ही प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मी हैं। इस सन्दर्भ में उन्होंने मीडिया कर्मियों को बताया कि मैंने सदन में प्रश्न पूछा था कि वाराणसी की मलेरिया इकाई में क्षेत्र सेवकों के कुल स्वीकृत पदों के सापेक्ष कितने पद रिक्त हैं जिसके जवाब में स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक ने उत्तर दिया कि जनपद वाराणसी में कुल 90 स्वीकृत पदों के सापेक्ष 78 पद रिक्त हैं जिसपर आशुतोष सिन्हा ने कहा कि पूरे प्रदेश में स्वास्थ्य विभाग में कार्मिकों के ऐसे ही आँकड़े हैं जिससे स्वास्थ्य व्यवस्था वेंटिलेटर पर पहुंच गई है` आज वाराणसी में 10 लाख से ज्यादा मरीज हैं और सरकार स्वास्थ्य विभाग में प्रशिक्षित कर्मियों की नियुक्ति नही करना चाहती। इस समय विधान परिषद का शीतकालीन सत्र चल रहा है जिसमें आशुतोष सिन्हा जनहित के मुद्दों पर सरकार को लगातार घेर रहे हैं।

मौलाना आजाद इंटर कालेज में जनपद स्तरीय एक दिवसीय विज्ञान प्रदर्शनी का हुआ आयोजन, मुख्य विकास अधिकारी संत कुमार ने फीता काट कर किया उद्घाटन

प्रखर संतकबीरनगर। समग्र शिक्षा अभियान माध्यमिक के तहत जनपदस्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन मौलाना आजाद इंटर कॉलेज खलीलाबाद में बुधवार को किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि मुख्य विकास अधिकारी सन्त कुमार ने माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया। प्रदर्शनी में सीनियर वर्ग में 9 तथा जूनियर वर्ग में 18 विद्यालयों ने प्रतिभाग किया। बच्चों ने विज्ञान से संबंधित जो मॉडल बनाया था, मुख्य विकास अधिकारी ने उसकी गहनता से जानकारी ली। ज़िला विद्यालय निरीक्षक संदीप चौधरी ने अवलोकन के दौरान बच्चों से साथ मिलकर उनका उत्साहवर्धन किया। प्रधानाचार्य यूनुस अख्तर खान ने मुख्य विकास अधिकारी, ज़िला विद्यालय निरीक्षक का स्वागत किया। जूनियर वर्ग में मौलाना आजाद को प्रथम, वेणी माधव बखिरा को द्वितीय तथा राजकीय बालिका खलीलाबाद को तृतीय स्थान तथा सीनियर वर्ग में हीरालाल को प्रथम, मौलाना आजाद को

द्वितीय एवं आदर्श जनता पचपेड़वा को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। मॉडल का मूल्यांकन जितेंद्र कुमार,संतोष कुमार, डॉ० आराधना गोस्वामी ने किया तथा प्रधानाचार्य राजकीय बघौली निशा यादव ने परिणाम की घोषणा की तथा ज़िला समन्वयक समग्र शिक्षा धर्मेंद्र कुमार मिश्र ने विजेताओं को प्रमाण पत्र वितरित किया। अन्त में प्रधानाचार्य यूनुस अख्तर खान ने आये हुए अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन अब्दुल मुद्दस्सिर खां एवं शोएब अहमद सिद्दीकी ने किया। इस अवसर पर डॉ० सबीहा मुम्ताज, वीरेंद्र उपाध्याय, गिरिजानंद यादव, अतिकुल्लाह खां, जय प्रकाश, विजय यादव, मो० उमर सिद्दीकी, कमालुद्दीन, अब्दुल हक खाँ, विवेकानंद यादव, कलीमुल्लाह प्रथम, मोइज अंसारी, काजी साकिब, मो० अकील, नदीम अहमद खाँ, कलीमुल्लाह द्वितीय, मो० ताहिर अंसारी, धर्मेंद्र प्रताप यादव, सदरे आलम, फुजैल अख्तर, रूबीना एवं समस्त कर्मचारी तथा विभिन्न विद्यालयों के शिक्षक गण उपस्थित रहे।

पुलिस की प्रभावी पैरवी से 3 अभियुक्तगण को हुई सजा

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। गुरुवार को मॉनिटरिंग सेल व अभियोजन के प्रभावी पैरवी के फलस्वरुप थाना कोतवाली पर पंजीकृत धारा 363, 366, 376डीए, 506 भादवि व 5जी/6 पाक्सो एक्ट से सम्बन्धित प्रकरण में 03 नफर अभिगण दीपक बिन्द उर्फ गोपी पुत्र विजय बिन्द, सूरज बिन्द पुत्र मोती बिन्द, चन्दन बिन्द पुत्र रामविलास बिन्द समस्त निवासीगण ग्राम मीरनपुर सक्का थाना कोतवाली जनपद गाजीपुर के विरुद्ध लगातार किये गये प्रभावी पैरवी के फलस्वरूप अभिगण को धारा 363 भादवि में अभियुक्तगण दीपक बिन्द उर्फ गोपी एवं सूरज बिन्द को 05 वर्ष का कारावास, तथा 5000 रू0 के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया, अर्थदण्ड न अदा करने पर 01 माह का अतिरिक्त कारावास। धारा 366 भादवि में अभिधगण दीपक बिन्द उर्फ गोपी एवं सूरज बिन्द को 07 वर्ष का कारावास तथा 10,000 रु० अर्थदण्ड, अर्थदण्ड न अदा करने पर 03 माह का अतिरिक्त कारावास।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव सोमवार को वाराणसी आएंगे

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं नेता विरोधी दल (उ.प्र. विधान सभा) अखिलेश यादव चार दिसंबर को वाराणसी दौरे पर रहेंगे` सपा जिलाध्यक्ष सुजित यादव "लक्कड़" एवं पूर्व महानगर अध्यक्ष विष्णु शर्मा ने संयुक्त रूप से बताया कि अखिलेश यादव प्रातः लखनऊ से विशेष वायुयान से चलकर पूर्वाह्न 11:30 बजे लाल बहादुर शास्त्री एअरपोर्ट पहुंचेगे। एअरपोर्ट से सीधे मुर्दहा (आयर) मे नेशनल ईक्वल पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष शशि प्रताप सिंह के कार्यालय का उद्घाटन करेंगे एवं चोलापुर स्थित बिरहा गायक दिनेश कुमार यादव द्वारा आयोजित बिरहा का आयर बाजार मे बारह दिवसीय बिरहा दंगल कार्यक्रम का समापन करेगे उसके बाद 1:45 बजे एअरपोर्ट के बगल मे काजी सराय मे व्यापारीयो द्वारा आयोजित सम्मान समारोह मे उपस्थित होकर 3:15 बजे एअरपोर्ट से विशेष वायुयान से लखनऊ के लिए प्रस्थान करेगे। सपा प्रमुख अखिलेश यादव के निजी सचिव गंगाराम ने आगमन की प्रोटोकाल जारी कर दिया है। कार्यक्रम की तैयारी मे सपा जिलाध्यक्ष सुजित यादव "लक्कड़ "एवं पूर्व महानगर अध्यक्ष विष्णु शर्मा लग गए है।

दी इंस्टिट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया की वाराणसी शाखा द्वारा बीएचयू में एमएसएमई निर्यात पर एक सेमिनार का आयोजन

वाराणसी। दी इंस्टिट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया की वाराणसी शाखा द्वारा 30 नवम्बर गुरुवार को एमएसएमई निर्यात पर एक सेमिनार का आयोजन अटल इन्क्यूबेशन सेंटर, बी.एच.यू में किया गया` कार्यक्रम का शुभारम्भ शाखा अध्यक्ष सी.ए.अनिल कुमार अग्रवाल के स्वागत भाषण द्धारा किया इस कार्यक्रम की अध्यछता प्रोफेशर डॉ. पी.वी.राजीव,(सेंटर इंचार्ज अटल इनक्यूबेशन सेंटर) बी.एच.यू. रहे एवं कार्यक्रम का संचालन डाक्टर श्रुति ने किया इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता वाराणसी से सीए. जी.डी. दुबे एवं प्रोफेशर डॉ आशुतोष मोहन रहे ` इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता सीए. जी.डी. दुबे ने बताया की सरकार की विदेश व्यापार नीति (एफटीपी) निर्यात में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के योगदान को मान्यता देती है` एमएसएमई विनिर्माण उत्पादन में लगभग 45 प्रतिशत, देश के कुल

निर्यात में 40 प्रतिशत से अधिक और देश की जीडीपी में लगभग 8 प्रतिशत का योगदान देता है ` कार्यक्रम के वक्ता डॉ. आशुतोष मोहन ने बताया की विदेश व्यापार नीति ब्याज समानीकरण योजना जैसे विशिष्ट प्रोत्साहनों की पेशकश करके एमएसएमई का समर्थन करती है जिसके तहत सभी निर्यातक जो सभी आईटीसी (एचएस) कोड में एमएसएमई के रूप में रजिस्टर हैं उन्हें प्री और पोस्ट शिपमेंट के लिए रुपया निर्यात क्रेडिट के लिए 3% दर की छूट दी जाती है` कार्यक्रम के अंत में धयन्वाद ज्ञापन शाखा सचिव सीए. नीरज कुमार सिंह ने किया` इस कार्यक्रम में शाखा उपाध्यक्ष सीए.सौरभ कुमार शर्मा, शाखा कोषाध्यक्ष सीए.वैभव मेहरोत्रा, सीए शिशिर उपाध्याय, सीए. रवि सिंह, सीए अप्रमेय गभावला, सीए. अरविंद चौरसिया, सीए शिव केशरी, सीए शान अनवर, सीए ऋषभ खेतान आदि लोगो की उपस्थिति रही।

खाद्य विभाग द्वारा खाद्य नमूनों की जांच उपरान्त 3 वाद पर लगा 2 लाख जुर्माना

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। जनपद गाजीपुर के खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के अन्तर्गत खाद्य पदार्थो के नमूनें संग्रहित कर जॉच हेतु खाद्य विश्लेषक प्रयोगशाला, उ0प्र0, प्रेषित किये गये थे, जॉच के पश्चात खाद्य पदार्थो में मिलावट की पुष्टि खाद्य विश्लेषक द्वारा की गयी थी। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा रिपोर्ट प्राप्त करने के उपरान्त अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0)/न्याय निर्णायक अधिकारी, गाजीपुर के न्यायालय में वाद प्रस्तुत किया गया था, अरुण कुमार सिंह, न्याय निर्णायक अधिकारी (वि0/रा0), गाजीपुर के न्यायालय द्वारा सम्यक विचारोपरान्त 03 वादों पर रू0 200000 (दो लाख रुपए मात्र) के अर्थदण्ड अधिरोपित किया गया। अर्थदण्ड समय से जमा न किये जाने पर आर0 सी0 के माध्यम से वसूली की जायेगी। जिसमें प्रेमचन्द गुप्ता पुत्र मुसाफिर निवासी जमानिया स्टेशन पोस्ट व थाना-जमानिया को अधोमानक खाद्य पदार्थ वैभव सरसोना कडवा एक्टिव एडिबल वेजिटेबल आयल विक्रय करने पर रू0 35,000, अर्थदण्ड अधिरोपित किया गया, सुनील गुप्ता पुत्र सखराज गुप्ता निवासी बभनौली पोस्ट-हंसराजपुर थाना-शादियाबाद जनपद-गाजीपुर को अधोमानक व मिथ्याछाप खाद्य पदार्थ सिंघाडा का आटा विक्रय करने पर रू0 15,000 अर्थदण्ड अधिरोपित किया गया, फर्म-वी0 मार्ट रिटेल लि0 सिंचाई विभाग चौराहा बन्धवा पुल पोस्ट-पीरनगर थाना-कोतवाली गाजीपुर को मिथ्याछाप खाद्य पदार्थ मैगी-2 मिनट नूडल्स की विक्रय करने पर रू0 1,50,000 अर्थदण्ड अधिरोपित किया गया।

संक्षिप्त खबरें

न्यूयार्क मेट्रो में गोलीबारी से दो लोग घायल

न्यूयार्क। न्यूयार्क शहर में एक चलती मेट्रो में एक किशोर और एक व्यक्ति को गोली मार दी गई जिससे वे घायल हो गए, स्थानीय मीडिया ने यह जानकारी दी। यह घटना ब्रुकलिन में मैनहट्टन जाने वाली सी ट्रेन में मंगलवार शाम के भीड़-भाड़ वाले समय पर हुई ,जब मेट्रो की भीड़-भाड़ में कुछ लोगों के बीच झगड़ा हो गया हालांकि इस घटना से दैनिक यात्रियों के बीच कोई घबराहट नहीं देखी गई। गोलीबारी के कारण यात्रियों को लगभग दो घंटे तक असुविधा का सामना करना पड़ा, जबकि पुलिस ने घटनास्थल की जांच की। दोनों पीड़ितों की हालत स्थिर है और उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जबकि बंदूकधारी अब भी फरार है।

द. अफ्रीका : लिफ्ट गिरने से 11 श्रमिकों की मौत

जोहान्सबर्ग। दक्षिण अफ्रीका में प्लैटिनम की एक खदान में एक लिफ्ट अचानक 200 मीटर नीचे गिर गई, जिससे 11 श्रमिकों की मौत हो गई तथा 75 श्रमिक घायल हो गए। खदान संचालक ने यह जानकारी दी। घायलों में 14 की हालत गंभीर है। संचालक के मुताबिक यह घटना सोमवार शाम को उत्तरी शहर रस्टेनबर्ग की एक खदान में हुआ। सभी श्रमिक काम खत्म कर लौट रहे थे। उन्होंने बताया कि घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। खदान संचालक 'इम्पाला प्लैटिनम होल्डिंग्स' के सीईओ निको मुलर ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि यह कंपनी के इतिहास का सबसे काला दिन था। लिफ्ट किस वजह से गिरी इसकी जांच शुरू कर दी गई है।

नेपाल : बस दुर्घटना में दो यात्रियों की मौत

काठमांडो। पश्चिमी नेपाल में बुधवार को एक बस के सड़क से फिसलकर 10 मीटर नीचे खड्ड में गिर जाने से, उसमें सवार दो यात्रियों की मौत हो गई और 32 अन्य घायल घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। घटना तनहुं जिला के ब्यास नगरपालिका में घनसिकुवा में सुबह करीब साढ़े पांच बजे हुई। पुलिस ने बताया, बस धरान से पोखरा की ओर जा रही थी तभी वह सड़क से फिसल गई और सड़क से 10 मीटर नीचे, एक खड्ड में जा गिरी। घटना में दो यात्रियों की मौत हुई है और बस चालक समेत 32 यात्री घायल हुए हैं, जिनका पास के अस्पताल में उपचार किया जा रहा है। घायलों में से नौ की हालत गंभीर बताई जा रही है जिन्हें आगे के उपचार के लिए पोखरा भेजा गया है। दुर्घटना का वास्तविक कारण अभी ज्ञात नहीं है। पर्वतीय क्षेत्र नेपाल में खराब सड़क बुनियादी ढांचा के कारण सड़क दुर्घटनाएं आम हैं।

मैक्सिको : चार पत्रकारों को गोली मारी, घायल

मैक्सिको सिटी। दक्षिणी मेक्सिको के चिलपेंसिंगो शहर में अज्ञात हमलावरों ने चार फोटो पत्रकारों को गोली मार दी जिससे वे घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। प्रशांत तटवर्ती राज्य गुएरेरो के अधिकारियों ने मंगलवार को कहा कि चारों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि उनकी हालत कैसी है। अधिकारियों के मुताबिक, सभी पत्रकार स्थानीय अखबारों या समाचार वेबसाइटों के लिए काम करते हैं। उन्होंने कहा, वे इसे हत्या के प्रयास का मामला मानते हैं।

अमेरिका : भारतीय छात्र पर तीन हत्याओं का आरोप

न्यूयार्क। भारतीय मूल के 23 वर्षीय एक छात्र को न्यूजर्सी कॉन्डोमिनियम के अंदर अपने दादा-दादी और चाचा की कथित तौर पर हत्या करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। साउथ प्लेनफील्ड पुलिस विभाग और मिडलसेक्स काउंटी अभियोजक के कार्यालय ने एक बयान में कहा कि ओम ब्रह्मभट्ट पर दिलीप कुमार ब्रह्मभट्ट (72), बिंदु ब्रह्मभट्ट (72) और यशकुमार ब्रह्मभट्ट (38) को गोली मारने का आरोप है। मिडलसेक्स काउंटी अभियोजक के कार्यालय ने कहा, सोमवार को एक पड़ोसी ने गोली चलने की आवाज सुनी जिसके बाद अधिकारी सुबह करीब नौ बजे मौके पर पहुंचे और तीनों को मृत पाया। एनबीसी न्यूयार्क की खबर में सूत्रों के हवाले से बताया गया कि ओम कुछ महीने पहले ही न्यूजर्सी आया था। पुलिस के अनुसार, गोली चलाने का कारण पता नहीं चला है, लेकिन पड़ोसी ने बताया कि पहली बार पुलिस को यहां नहीं बुलाया गया।

इस्राइल के गोलान हाइट्स से हटने के प्रस्ताव का समर्थन किया भारत ने

■ संयुक्त राष्ट्र (आईएएनएस)।

भारत ने संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के एक प्रस्ताव का समर्थन किया है जिसमें मांग की गई है कि इस्राइल कब्जे वाले गोलान हाइट्स से हट जाए। यह वह क्षेत्र है जिसे यहूदी राष्ट्र ने 1967 के छह दिवसीय युद्ध में सीरिया से कब्जा लिया था। भारत उन 91 देशों में शामिल था, जिन्होंने मंगलवार को उस प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया था, जिसमें क्षेत्र पर इस्राइल के कब्जे को क्षेत्र में न्यायसंगत, व्यापक और स्थायी शांति के लिए एक बाधा घोषित किया गया था। फिलिस्तीन द्वारा समर्थित प्रस्ताव पर संभवतः कुछ समय के लिए अनुपस्थित रहने के बाद, प्रस्ताव के लिए नई दिल्ली के वोट ने इस्राइल से जुड़े संघर्षों में अरब हितों के लिए अपने समर्थन की पुष्टि की।

भारत से उगाही कर कनाडा में निवेश कर रहे खालिस्तानी गैंगस्टर्स

NIA का खुलासा

■ खालिस्तानी सिंडीकेट से कमाए पैसों का निवेश कनाडा में तैयार होने वाली फिल्मों और कनाडा प्रीमियर लीग के आयोजन में किया गया

नई दिल्ली।

खालिस्तानी आतंकी नेटवर्क से जुड़े गैंगस्टर को लेकर एनआईए ने बड़ा खुलासा किया है। एनआईए ने अपनी जांच के बाद चार्जशीट में खुलासा किया है कि खालिस्तानी सिंडीकेट से कमाए पैसों का निवेश कनाडा में तैयार होने वाली फिल्मों और कनाडा प्रीमियर लीग के आयोजन में किया गया है। लॉरेंस बिश्नोई और सतविंदर सिंह उर्फ गोल्डी बराड़ भी खालिस्तानी नेटवर्क से जुड़े हुए है।

जांच में सामने आया था कि दिल्ली एनसीआर, राजस्थान, पंजाब, हरियाणा से बिश्नोई गैग जो पैसे इन गोरखधंधे से कमाता है उसे थाईलैंड में मौजूद मनीष भंडारी नाम के शख्स के पास भेजा जाता है। मनीष भंडारी वो पैसा हवाले के जरिए कनाडा भेजता है। हाल ही में पेश चार्जशीट के मुताबिक साल 2019 से 2021 के बीच 13 बार हवाला के जरिये करोड़ो रुपये थाईलैंड के रास्ते कनाडा भेजे गए।

जांच एजेंसी ने अपनी जांच में पाया था कि लॉरेन्स बिश्नोई ने पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान और अन्य राज्यो में कारोबारियों और शराब ठेकेदारों से उगाही कर करोड़ों रुपये हवाला के जरिए कनाडा में बैठे अपने करीबी गोल्डी बराड़ और सतबीर सिंह उर्फ सैम को भेजे हैं। गोल्डी बराड़ बब्बर खालसा इंटरनेशनल के आतंकी लखबीर सिंह लांडा का बेहद करीबी है। गोल्डी बराड़ ने पंजाब में लांडा के कहने पर गुरुग्रंथ साहिब के बेअदबी करने वाले प्रदीप सिंह की टारगेट किलिंग करवाई थी।

सूत्रों के अनुसार एनआईए ने जांच में पाया कि हवाला के जरिये हिंदुस्तान से कनाडा भेजे गए इन करोड़ों रुपये का इस्तेमाल खालिस्तानी आतंकियों ने हिंदुस्तान के खिलाफ साजिश में किया गया। यानि खालिस्तानी आतंकी क्राइम सिंडिकेट से करोड़ों रुपये की उगाही कर उसका इस्तेमाल टेरर एक्टिविटी में कर रहे है। कनाडा में मौजूद खालिस्तानी आतंकियों का सबसे बड़ा उगाही का जरिया है अवैध शराब का धंधा और एक्सटॉर्शन जैसे उगाही से आए करोड़ों रुपये को कनाडा में बैठे गोल्डी बराड़ और जेल में बंद जग्गू भगवानपुरिया सुरेंद्र सिंह चीकू, राजेश कुमार उर्फ राजू मोटा और दिलीप बिश्नोई की मदद से एग्रीकल्चरल लैड और प्रॉपर्टी में इन्वेस्ट करते है। ये सभी प्रॉपर्टी तमाम खालिस्तानी आतंकी अपने परिवार और रिश्तेदारों के नाम पर खरीदते हैं।

ऐसी ही तमाम प्रॉपर्टी और एग्रीकल्चरल लैड की पहचान के लिए जांच एजेंसी ने बकायदा इश्तहार देकर मदद की अपील की है। इनसे आए प्रॉफिट का एक बड़ा हिस्सा टेरर एक्टिविटी को बढ़ावा देने में किया जाता है। सोशल मीडिया के जरिये ये तमाम आतंकी पंजाब और अन्य राज्यो में अपने गैग के लिए रिक्रूटमेंट का काम करते हैं। एनआईए की चार्जशीट के मुताबिक, गैंगस्टर उगाही के जरिए होने वाले कमाई का बड़ा हिस्सा कनाडा में फिल्में बनाने, महंगी नौकाएं खरीदने और कनाडाई प्रीमियर लीग के आयोजन तथा अन्य कार्यों में निवेश कर रहे हैं।

श्रीलंका के चाय बागान क्षेत्रों में 10 हजार मकान बनाएगा भारत

कोलंबो (भाषा)। श्रीलंका में अपनी आवासीय परियोजना के विस्तार के मद्देनजर भारत यहां के चाय बागान क्षेत्रों में और 10 हजार मकानों का निर्माण करेगा। भारतीय उच्चायोग ने मंगलवार को भारतीय आवासीय परियोजना के चौथे चरण के अंतर्गत श्रीलंका के चाय बागान क्षेत्रों में और 10 हजार मकानों के निर्माण के लिए दो महत्वपूर्ण समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।

इस परियोजना को आकार देने के लिए राष्ट्रीय आवास विकास प्राधिकरण (एनएचडीए) और राज्य इंजीनियरिंग

■ परियोजना के लिए राष्ट्रीय आवास विकास प्राधिकरण और राज्य इंजीनियरिंग निगम ने दो अलग-अलग समझौतों पर हस्ताक्षर किए

निगम (एसईसी) ने दो अलग-अलग समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं, जिनका मकसद जल्द से जल्द 10 हजार मकानों का निर्माण करना है। इन दो समझौतों पर हस्ताक्षार करने वालों में काउंसेलर एवं डेवलपमेंट कॉपरेशन विंग के प्रमुख एल्डोस मैथ्यू पुनोसी, एसईसी के अध्यक्ष रत्नासिरी कालूपहाना और एनएचडीए के महाप्रबंधक कंकणमलगे अजंता जनक शामिल थे।

भारतीय आवासीय परियोजना का चौथा चरण श्रीलंका के 11 जिलों और छह प्रांतों में फैला हुआ है। बयान के मुताबिक, चौथे चरण के तहत 10 हजार मकानों का निर्माण भारतीय आवासीय योजना के अंतर्गत 60 हजार मकानों के निर्माण की भारत सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराता है। उत्तरी और पूर्वी प्रांतों में दो चरणों में 46 हजार मकानों का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है जबकि बागान क्षेत्रों में चार हजार मकानों के निर्माण का तीसरा चरण पूरा होने के करीब है। भारत की श्रीलंका के साथ जन-केंद्रित विकास सहयोग साझेदारी में आवासों पर विशेष ध्यान दिया गया है। भारतीय आवासीय परियोजना के अलावा 2400 मकानों का निर्माण विविध आवासीय परियोजनाओं के अंतर्गत श्रीलंका के 25 जिलों में किया जा रहा है।

शेष बंधकों को भी तत्काल रिहा करे हमास : भारत

■ संयुक्त राष्ट्र (भाषा)।

भारत ने फिलिस्तीन के चरमपंथी समूह हमास की ओर से इस्राइली बंधकों को रिहा किए जाने का स्वागत किया है और शेष बंधकों को बिना शर्ष तत्काल रिहा किए जाने की मांग की। भारत ने कहा, आतंकवाद और बंधक बनाने जैसे कृत्यों को उचित नहीं ठहराया जा सकता।

हमास ने इस्राइल पर सात अक्टूबर को अप्रत्याशित हमला कर करीब 240 लोगों को बंधक बना लिया था, जिसके बाद इस्राइल ने भी जवाबी कार्रवाई करते हुए गाजा पट्टी पर हमला किया। कतर, मिस्र और अमेरिका की मध्यस्थता से इस्राइल और हमास के बीच पिछले सप्ताह युद्ध विराम पर सहमति बनी जिसके बाद दोनों पक्षों में संघर्ष विराम तथा रिहाई का सिलसिला जारी है। हमास ने अब तक इस्राइल और अन्य देशों के 60 से अधिक बंधकों को रिहा किया है, बदले में इस्राइल ने फिलिस्तीन के 150 लोगों को रिहा किया है।

■ इस्राइली बंधकों को रिहा करने का स्वागत किया

संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थाई प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने मंगलवार को कहा, हम आज यहां ऐसे वक्त में इकट्ठा हुए हैं जब इस्राइल और हमास के बीच युद्ध के कारण बड़ी संख्या में लोगों के मारे जाने तथा मानवीय संकट बढ़ने से पश्चिम एशिया में हालात तेजी से बिगड़ रहे हैं। यह स्पष्ट रूप से अस्वीकार्य है और हमने आम नागरिकों के मारे जाने की कड़ी निंदा की है।

कंबोज ने 'पश्चिम एशिया में हालात तथा फिलिस्तीन का सवाल' विषय पर संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक में कहा कि इस मानवीय संकट से निपटने में सभी पक्षकारों को पूरी जिम्मेदारी दिखाने की सबसे ज्यादा जरूरत है। उन्होंने कहा, हम इस बात से अवगत हैं कि फिलहाल का आक्रोश सात अक्टूबर को इस्राइल पर हुए आतंकी हमले से शुरू हुआ। ये हमले स्तब्ध कर देने वाले थे और हमें इनकी स्पष्ट रूप से निंदा करनी चाहिए। आतंकवाद तथा बंधक बनाए जाने को किसी भी तरह से उचित नहीं ठहराया जा सकता।

कंबोज ने कहा, भारत बंधकों की रिहाई की खबर का स्वागत करता है और शेष बंधकों की बिना शर्त तथा तत्काल रिहाई की भी मांग करता है। उन्होंने कहा, भारत का आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने का रुख है। हमारा यह भी मानना है कि अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानूनों का पालन करना सार्वभौमिक दायित्व है।

हमास-इस्राइल ने युद्धविराम के 5वें दिन रिहा किए बंधक

■ दीर अल-बलाह (एपी)।

फिलिस्तीन के चरमपंथी संगठन हमास और इस्राइल के बीच युद्धविराम के पांचवें दिन मंगलवार को हमास ने 12 बंधकों को रिहा कर दिया वहीं इस्राइल ने उसकी जेलों में अब तक बंद रहे 30 फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा किया।

इस्राइल ने कहा, हमास द्वारा रिहा किए गए उसके 10 नागरिक और थाईलैंड के दो नागरिक इस्राइल लौट आए। इसके बाद इस्राइल ने फिलिस्तीन के कैदियों को रिहा कर दिया। बुधवार रात दोनों ओर से अंतिम चरण में बंधकों और कैदियों के रिहा किए जाने के बाद युद्धविराम की समय सीमा समाप्त हो जाएगी। एक राजनयिक ने बताया, अमेरिका की खुफिया एजेंसी सीआईए के निदेशक विलियम बर्न्स और डेविड बार्निया युद्धविराम का वक्त बढ़ाने और अधिक बंधकों की रिहाई पर चर्चा करने के लिए कतर में हैं। इस युद्धविराम में कतर ने अहम मध्यस्थ की भूमिका निभाई है। एक अमेरिकी अधिकारी ने भी बर्न्स के कतर में होने की पुष्टि।

अमेरिकी विदेशमंत्री एंटनी ब्लिंकन की इस सप्ताह इस क्षेत्र की यात्रा करने की संभावना है। इस्राइल ने हमास को पूरी तरह से समाप्त करने के लिए 'पूरी ताकत' से युद्ध पुनः शुरू करने की बात कही है। उसने कहा है कि प्रत्येक अतिरिक्त 10 बंधकों की रिहाई के लिए युद्धविराम की अवधि को एक दिन आगे बढाया जा सकता है, लेकिन उसने युद्धविराम समाप्त होने के बाद हमले शुरू करने की बात कही है, माना जा रहा है कि हमास बंधकों की रिहाई के बदले बड़ी मांगें रख सकता है। हमास और अन्य चरमपंथियों ने 7 अक्टूबर को दक्षिणी इस्राइल में हमला करके 240 लोगों को बंधक बना लिया था जिनमें से 160 अब भी उसके कब्जे हैं शेष को युद्धविराम के दौरान रिहा किया गया है। इस्राइल की सेना ने कहा कि हमास ने जिन बंधकों को रिहा किया है उनमें नौ महिलाएं और 17 वर्षीय एक किशोर शामिल है और उन्हें अस्पताल ले जाया गया है।

नेपाल में भीषण ठंड शीतलहर से छह लोगों की मौत

■ काठमांडो (भाषा)।

नेपाल के भूकंप प्रभावित करनाली प्रांत में भीषण ठंड के मौसम के चलते छह लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी।

स्थानीय अधिकारियों के अनुसार तीन नवम्बर को आए भूकंप के कारण मकानों के पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो जाने के चलते कई परिवारों को अस्थायी तंबुओं में रहना पड़ रहा है। नवजात शिशुओं, जच्चा, गंभीर बीमारी से ग्रसित मरीजों और बुजुर्गों के ठंड की चपेट में आने की आशंका सबसे अधिक है। पुलिस के मुताबिक मंगलवार को प्रांत के पश्चिमी रुकुम जिले में छह लोगों की मौत हुई। इनमें से आठबिस्कोट नगर पालिका में पांच लोगों की वहीं सनोभेरी ग्रामीण नगर पालिका में एक व्यक्ति की मौत हुई।

मरने वालों में अधिकतर 60 से 80 वर्ष की उम्र के बुजुर्ग लोग शामिल थे। सभी छह व्यक्तियों ने अस्थाई तंबू में शरण ली थी क्योंकि इस महीने की शुरुआत में जिले में आए विनाशकारी भूकंप के कारण उनके घर रहने लायक नहीं रह गए थे।

सिख चरमपंथी को मारने की जांच के लिए भारत ने गठित किया पैनल

■ नई दिल्ली (भाषा)।

भारत ने अमेरिकी धरती पर एक सिख चरमपंथी को मारने की साजिश से संबंधित आरोपों की जांच के लिए एक उच्च स्तरीय जांच समिति का गठन किया है।

'फाइनेंशियल टाइम्स' में अज्ञात सूत्रों का हवाला देते हुए पिछले हफ्ते आई खबर में कहा गया था कि अमेरिकी अधिकारियों ने गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश को विफल कर दिया, और इस साजिश में शामिल होने की चिंताओं को लेकर भारत सरकार को एक चेतावनी जारी की।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने बुधवार को कहा कि भारत ने मामले के सभी प्रासंगिक पहलुओं पर गौर करने के लिए 18 नवंबर को एक उच्च स्तरीय जांच समिति का गठन किया है। पन्नू एक सिख चरमपंथी है जिसके पास अमेरिका और कनाडा की नागरिकता है। भारतीय जांच एजेंसियों को आतंकवाद के विभिन्न आरोपों में उसकी तलाश है।

बागची ने कहा, 'हम पहले ही कह चुके हैं कि द्विपक्षीय सुरक्षा सहयोग पर अमेरिका के साथ चर्चा के दौरान, अमेरिकी पक्ष ने संगठित अपराधियों, बंदूक चलाने वालों, आतंकवादियों और अन्य लोगों के बीच सांठगांठ से संबंधित कुछ जानकारी साझा की थी।' वह इस मामले पर मीडिया के एक सवाल का जवाब दे रहे थे।

उन्होंने कहा, 'हमने यह भी संकेत दिया था कि भारत ऐसी सूचनाओं को गंभीरता से लेता है क्योंकि वे हमारे राष्ट्रीय सुरक्षा हितों पर भी प्रभाव डालती हैं और संबंधित विभाग पहले से ही इस मुद्दे की जांच कर रहे हैं।' विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा, 'इस संदर्भ में यह सूचित किया जाता है कि 18 नवंबर को भारत सरकार ने मामले के सभी प्रासंगिक पहलुओं पर गौर करने के लिए एक उच्च स्तरीय जांच समिति का गठन किया है।' बागची ने कहा कि भारत समिति के निष्कर्षों के आधार पर आवश्यक कार्रवाई करेगा।

'फाइनेंशियल टाइम्स' की खबर के कुछ सप्ताह पहले, कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने जून में वैंकूवर उपनगर में खालिस्तानी अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंटों की 'संभावित' संलिप्तता के आरोप लगाए थे। ट्रूडो के आरोपों को भारत ने सिरे से खारिज कर दिया था। हालांकि इस घटनाक्रम के बाद दोनों देशों के रिश्तों में तनाव आ गया।

खबर के बाद, बागची ने 22 नवंबर को कहा था कि अमेरिकी पक्ष ने संगठित अपराधियों, बंदूक चलाने वालों, आतंकवादियों और अन्य लोगों के बीच सांठगांठ से संबंधित कुछ सूचना साझा की है। उन्होंने कहा कि सूचना दोनों देशों के लिए 'चिंता का कारण' है और उन्होंने आवश्यक कार्रवाई करने का निर्णय लिया है।

अमेरिका दिसम्बर से शुरू करेगा कार्य वीजा नवीनीकरण कार्यक्रम

■ वाशिंगटन (भाषा)।

अमेरिका दिसंबर में एच-1बी वीजा की कुछ श्रेणियों के नवीनीकरण के लिए एक प्रायोगिक कार्यक्रम शुरू करने जा रहा है जिसमें खासतौर पर बड़ी संख्या में भारतीय प्रौद्योगिकी पेशेवरों को लाभ होगा।

■ कार्यक्रम से बड़ी संख्या में भारतीय पौद्योगिकी पेशेवरों को होगा लाभ

एच-1बी वीजा एक गैर-आव्रजक वीजा है जो अमेरिकी कंपनियों को खास पेशों में विदेशी कर्मचारियों को नियुक्त करने की इजाजत देता है। प्रौद्योगिकी कंपनियां प्रति वर्ष भारत और चीन जैसे देशों से हजारों की संख्या में कर्मचारी भर्ती करती हैं। प्रायोगिक कार्यक्रम में केवल 20,000 उम्मीदवारों को शामिल किया जाएगा और इसकी घोषणा उस वक्त की गई थी जब जून में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अमेरिका की यात्रा की थी।

वीजा सेवाओं के लिए उप सहायक विदेश मंत्री जूली स्टफ्ट ने एक साक्षात्कार में कहा , 'भारत में मांग (अमेरिकी वीजा) अब भी बहुत ज्यादा है। हम नहीं चाहते की प्रतीक्षा अवधि छह, आठ और 12 महीने हो...।' उन्होंने कहा, 'हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि यात्रियों को जितना जल्दी हो सके साक्षात्कार का वक्त मिले। हम एक ओर इसे घरेलू वीजा नवीनीकरण कार्यक्रम के माध्यम से कर रहे हैं जो काफी हद तक भारत पर केंद्रित है।' दिसंबर से तीन महीने की अवधि में विदेश मंत्रालय उन विदेशी नागरिकों को 20,000 वीजा जारी करेगा जो पहले से ही देश में हैं।

उन्होंने कहा, 'हम पहले समूह में 20,000 वीजा जारी करेंगे। इसमें बहुतायत अमेरिका में रह रहे भारतीय नागरिकों की होगी और आगे हम इसका विस्तार करेंगे।' स्टफ्ट ने कहा, 'चूंकि भारतीय अमेरिका में दक्ष पेशेवरों का सबसे बड़ा समूह है इसलिए हमें उम्मीद है कि इससे भारत को फायदा होगा और लोगों को वीजा नवीनीकरण के लिए वापस भारत अथवा अन्य कहीं जाने और साक्षात्कार देने की जरूरत नहीं होगी।'

मजदूरों का बाहर आना अच्छी बात : जयराम रमेश

■ भविष्य की सभी परियोजनाओं का ऑडिट जरूरी

नई दिल्ली। उत्तराखंड की सिलक्यारा सुरंग से मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकाले जाने के बाद बुधवार को कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि ऐसी सभी परियोजनाओं का ऑडिट कराया जाना चाहिए जिनका क्रियान्वयन जारी है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह भी कहा कि हिमालयी क्षेत्र में भविष्य की सभी परियोजनाओं को रोक कर, उन्हें पेशेवर पारिस्थितिकी जांच के अंतर्गत लाना चाहिए।

उन्होंने आगे कहा, 'इस क्षेत्र में सिविल निर्माण और अन्य परियोजनाओं की योजना, डिजाइन और कार्यान्वयन के मामले में पर्यावरण मूल्यांकन प्रक्रिया की विफलता भी सामने आई है। उदाहरण के लिए, चार धाम परियोजना में जिसमें सुरंग एक हिस्सा ढह गया था। निर्माण कार्यों को इस तरह से आवंटित किया गया ताकि पर्यावरणीय प्रभाव मूल्यांकन से पूरी तरह बचा जा सके! सुरंग पर व्यापक रूप से स्वीकृत सुरक्षा सुविधाएं नहीं होने पर रिपोर्ट्स आई है। सिलक्यारा सुरंग में करीब 17 दिन तक फंसे रहे सभी 41 श्रमिकों को कई एजेंसियों के संयुक्त बचाव अभियान के तहत मंगलवार को सकुशल बाहर निकाल लिया गया। इसे लेकर रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, 'सिलक्यारा सुरंग से बचाए गए श्रमिकों को सलाम करते हुए और पूरी बचाव टीम की सराहना करते हुए हमें सुरंग के ढहने से उठे कुछ बड़े सवालों पर भी विचार करना चाहिए।

इस घटना ने पश्चिमी हिमालयी पारिस्थितिकी तंत्र की संवेदनशीलता और जटिलता को पूरी स्पष्टता के साथ हमारे सामने ला दिया है।

मानव श्रम मशीनों पर भारी पड़ा

■ लंदन (भाषा)।

उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में सिलक्यारा सुरंग में फंसे 41 श्रमिकों को बचाने के एक अविश्वसनीय और जोखिमभरे सफल अभियान के बारे में विश्व मीडिया ने कहा, मानव श्रम मशीनों पर भारी पड़ा है।

सिलक्यारा सुरंग में लगभग 17 दिन तक फंसे रहे सभी 41 श्रमिकों को विभिन्न एजेंसियों के संयुक्त बचाव अभियान के तहत मंगलवार की शाम सकुशल बाहर निकाल लिया गया। 'द गार्जियन' ने लिखा, अंततः यह मशीनों पर मानव श्रम की जीत थी क्योंकि मशीनों के जरिये इस अभियान में सफलता नहीं मिलने पर 'रैट होल माइनिंग' विशेषज्ञ हाथों से खुदाई करके 12 मीटर मलबे को हटाने में कामयाब रहे।

ब्रिटिश समाचारपत्र ने खबर में कहा कि 400 घंटे से अधिक समय बाद सिलक्यारा-बड़कोट सुरंग से श्रमिकों को स्ट्रेचर के जरिये निकाला गया और इस दौरान बचाव अभियान में कई बाधाएं आई लेकिन बचावकर्मियों ने हिम्मत नहीं हारी और सफलतापूर्वक इस अभियान को पूरा किया। बीबीसी ने बचाव अभियान पर नियमित रूप से अद्यतन जानकारी दी। बीबीसी की खबर में कहा गया, सुरंग से पहले व्यक्ति के बाहर आने की खबर आते ही सुरंग के बाहर जश्न मनाया जाने लगा। इसमें कहा गया कि एक जबरदस्त बचाव

■ सुरंग बचाव अभियान पर वैश्विक मीडिया ने कहा

अभियान में कई बाधाओं को पार करते हुए उन्हें सुरंग से बाहर निकाला गया।

'द टेलीग्राफ' ने अपनी खबर में कहा कि सैन्य इंजीनियरों और खनिकों ने इस मिशन को पूरा करने के लिए मलबे में 'रैट होल ड्रिल' किया।

चारधाम यात्रा मार्ग पर निर्माणाधीन साढे चार किलोमीटर लंबी सिलक्यारा-बड़कोट सुरंग का एक हिस्सा 12 नवंबर को ढह जाने से उसमें 41 श्रमिक फंस गये थे और श्रमिकों को निकालने के लिए युद्धस्तर पर अभियान चलाया गया। मलबे के रास्ते छह इंच का पाइप डालकर उन्हें भोजन, दवाएं और अन्य आवश्यक चीजें भेजी गईं। 'फ्रांस 24' की खबर के अनुसार, 'रैट होल माइनिंग' विशेषज्ञों ने चट्टानों, बजरी और धातु की बाधाओं को दूर करते हुए हाथों से खुदाई कर अभियान को सफल बनाने में मदद की।

'न्यूयार्क टाइम्स' ने अपनी खबर में कहा कि अतिरिक्त मलबा गिरने से शुरुआती 'ड्रिलिंग' प्रयासों में बाधा आई। इसमें कहा गया कि 13वें दिन बचाव प्रयासों में उस समय बाधाओं का सामना करना पड़ा जब अमेरिका निर्मित ऑगर मशीन 'ड्रिलिंग' के दौरान टूट गई।

श्रमिकों ने इसे निकालने की कोशिश की और कुछ और विकल्पों पर विचार किया जिनमें एक योजना पहाड़ के ऊपरी हिस्से से लंबवत 'ड्रिलिंग' शुरू करना था। इसमें कहा गया है कि बचाव अभियान को अपने अंतिम घंटों में भी बाधाओं का सामना करना पड़ा था। मशीन के हिस्सों को हैदराबाद से प्लाज्मा कटर मंगाकर अलग किया गया और उसके बाद सोमवार को 'रैट होल माइनिंग' तकनीक की मदद से हाथ से 'ड्रिलिंग' शुरू की गई जिसके बाद मंगलवार को मलबे में पाइप को आरपार करने में सफलता मिल गई।

सुरंग श्रमिक बचाव अभियान भारत की अद्भुत उपलब्धि : ऑस्ट्रेलिया

कैनबरा (भाषा)। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने उत्तराखंड की सिलक्यारा सुरंग में लगभग 17 दिन तक फंसे सभी 41 श्रमिकों को सुरक्षित ढंग से निकाले जाने के अभियान को भारत की एक अद्भुत उपलब्धि बताया।

अल्बनीज ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में यह भी लिखा कि उन्हें गर्व है कि ऑस्ट्रेलियाई सुरंग विशेषज्ञ प्रोफेसर अर्नोल्ड डिक्स ने बचावकार्यों में जमीनी स्तर पर अपनी भूमिका निभाई। अल्बनीज ने लिखा, भारतीय अधिकारियों की अद्भुत उपलब्धि। गर्व है कि ऑस्ट्रेलियाई प्रोफेसर अर्नोल्ड डिक्स ने जमीनी स्तर पर अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अंतरराष्ट्रीय सुरंग विशेषज्ञ डिक्स जिनेवा स्थित 'इंटरनेशनल टनलिंग एंड अंडरग्राउंड स्पेस एसोसिएशन' के प्रमुख हैं।

भारत में ऑस्ट्रेलिया के उच्चायुक्त फिलिप ग्रीन ने भी सुरंग से सभी 41 श्रमिकों को बचाने संबंधी अभियान की सराहना करते हुए इसे 'एक बड़ी उपलब्धि' बताया। उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट किया, यह एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। उत्तराखंड में सुरंग में फंसे सभी 41 श्रमिकों को सफलतापूर्वक निकालने के लिए भारतीय अधिकारियों को बधाई। ऑस्ट्रेलिया के प्रोफेसर अर्नोल्ड डिक्स की विशेष तौर पर सराहना की जाती है जिन्होंने जमीनी स्तर पर महत्वपूर्ण तकनीकी सहायता प्रदान की। चारधाम यात्रा मार्ग पर निर्माणाधीन सिलक्यारा-बड़कोट सुरंग का एक हिस्सा 12 नवम्बर को ढह जाने से उसमें 41 श्रमिक फंस गए थे और युद्धस्तर पर बचाव अभियान चलाकर इन्हें सुरक्षित ढंग से बाहर निकाला गया।

विकसित भारत-2047
के लिए नीति आयोग की तैयारी शुरू

■ 3000 अरब डालर की इकोनामी के लिए बना रहा दृष्टि पत्र

नई दिल्ली (भाषा)।

नीति आयोग के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) बीवीआर सुब्रमण्यम ने बुधवार को कहा कि भारत को वर्ष 2047 तक करीब 3,000 अरब डालर की विकसित अर्थव्यवस्था बनाने के लिए दृष्टि-पत्र तैयार किया जा रहा है।

'विजन इंडिया2047' दस्तावेज के मसौदे में उन संस्थागत एवं संरचनात्मक बदलावों एवं सुधारों की रूपरेखा रखी जाएगी, जिनकी देश को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के लिए जरूरत है। सुब्रमण्यम ने उद्योग मंडल फिक्की के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, 'भारत को एक विकसित अर्थव्यवस्था बनाने के लिए एक 'विजन प्लान' तैयार किया जा रहा है। प्रधानमंत्री जनवरी में इस दस्तावेज जारी करेंगे।'

नीति आयोग को 2023 में 'विकसित भारत2047' के लक्ष्य के लिए 10 क्षेत्रीय विषयगत दृष्टिकोणों को मिलाकर एक संयुक्त दृष्टि-पत्र तैयार करने का कार्य सौंपा गया था। इसके साथ ही सुब्रमण्यम ने कहा कि सरकार कॉलेज में पढ़ने वाले युवाओं की नामांकन दर को 27 प्रतिशत से बढ़कर 50-60 प्रतिशत तक ले जाना चाहती है। उन्होंने कहा, 'इससे कॉलेज जाने वाले लोगों की संख्या चार करोड़ से बढ़कर आठ-नौ करोड़ हो जाएगी। इसके लिए हमें मौजूदा हजारों नए विश्वविद्यालयों की जरूरत होगी।'

सुब्रमण्यम ने इस बात को रेखांकित किया कि राज्य वित्तीय तनाव का सामना कर रहे है लिहाजा नए विश्वविद्यालय खोलने के लिए धन निजी क्षेत्र से लाना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि बोस्टन और सैन फ्रांसिस्को जैसे शहर बनाने की जरूरत है जहां शोध एवं विकास और नवाचार किया जा सके।

भारत में लगभग आधी आबादी की औसत उम्र 29 वर्ष से कम होने पर जोर देते हुए नीति आयोग के सीईओ ने कहा, ''हमारे पास भारत की जनांकिकी क्षमता का लाभ उठाने के लिए 25 वर्ष का समय है।' उन्होंने कहा कि भारत दुनिया में सबसे बड़ा कार्यबल प्रदाता बनने जा रहा है क्योंकि हर साल 13 लाख भारतीय छात्र अपनी उच्च शिक्षा पूरी करने के लिए भारत से बाहर जाते है।

निर्गम मूल्य से 87.5 फीसद ऊपर सूचीबद्ध हुए इरेडा के शेयर

नई दिल्ली (भाषा)।

सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास लिमिटेड (इरेडा) के शेयर बुधवार को निर्गम मूल्य 32 रुपये से 87.5 प्रतिशत उछाल के साथ बाजार में सूचीबद्ध हुए। बीएसई और एनएसई दोनों पर इरेडा के शेयर निर्गम मूल्य से 56.25 प्रतिशत चढ़कर 50 रुपये पर सूचीबद्ध हुए।

कारोबार के दौरान यह बीएसई पर 87.46 प्रतिशत की बढ़त के साथ 59.99 रुपये पर पहुंच गया। वहीं एनएसई पर शेयर 87.5 प्रतिशत की बढ़त के साथ 60 रुपये पर बंद हुआ। इसके साथ इस ऊर्जा कंपनी का बाजार मूल्यांकन 16,123.90 करोड़ रुपये हो गया। कारोबार के दौरान बीएसई पर कंपनी के 381.55 लाख शेयरों और एनएसई पर 57.98 करोड़ से अधिक शेयरों का कारोबार हुआ।

इरेडा के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को गत बृहस्पतिवार को 38.80 गुना अभिदान मिला था। आईपीओ के लिए मूल्य दायरा 30-32 रुपये प्रति शेयर तय किया गया था। भारतीय जीवन बीमा निगम के पिछले साल मई में आईपीओ लाने के बाद यह किसी सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम का पहला सार्वजनिक निर्गम होगा। इरेडा नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के तहत एक ''मिनीरत्न'' कंपनी है।

बीएसई का नया रिकार्ड
■ पहली बार 4000 अरब डालर पर पहुंचा बाजार पूंजीकरण

नई दिल्ली (भाषा)।

बीएसई पर सूचीबद्ध सभी कंपनियों का बाजार पूंजीकरण पहली बार बुधवार को 4000 अरब डालर के रिकार्ड स्तर पर पहुंच गया। बीएसई का 30 शेयर वाला सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 305.44 अंक चढ़कर 66,479.64 पर रहा।

बाजार के सकारात्मक रुख के दम पर बीएसई-सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण सुबह के कारोबार में 3,33,26,881.49 करोड़ रुपये तक पहुंच गया, जो बाद में 83.31 की विनिमय दर पर चार हजार अरब अमेरिकी डालर में तब्दील हो गया।

सेंसेक्स इस साल अभी तक 5,540.52 अंक यानी 9.10 प्रतिशत बढ़ चुका है। सूचकांक पर सूचीबद्ध सभी कंपनियों का बाजार पूंजीकरण करीब 50.81 लाख करोड़ रुपये बढ़ा है। बीएसई का 30 शेयर वाला सूचकांक इस साल 15 सितम्बर को 67,927.23 के अपने सर्वकालिक शिखर पर पहुंच गया था। अन्य बाजारों में अमेरिका, चीन, जापान और हांगकांग ऐसे बाजार हैं जिनका बाजार पंजीकरण 4000 अरब डालर से अधिक है।

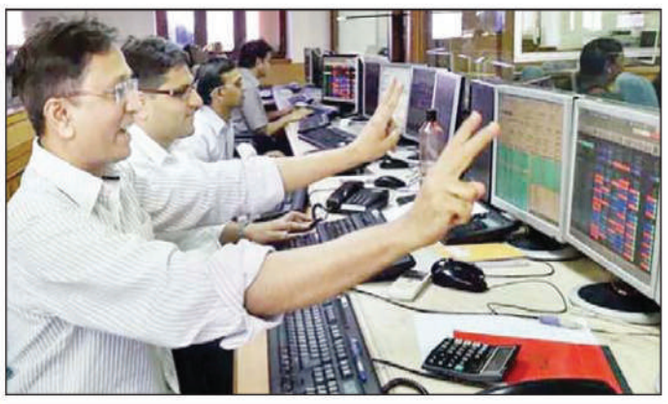

बीएसई पर सभी सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 24 मई 2021 को 3000 अरब अमेरिकी डालर के आंकड़े को छू गया था। 28 मई 2007 को यह 1000 अरब डालर के पार पहुंचा था। उसे 1000 अरब डालर से 1500 अरब डालर का सफर तय करने में 2,566 दिन यानी सात साल से अधिक समय लगा।

छह जून 2014 को उसने 1500 अरब डालर का आंकड़ा छुआ। फिर 1130 दिन बाद 10 जुलाई 2017 को बाजार पूंजीकरण 2000 अरब डालर के स्तर पर पहुंचा। बाजार पूंजीकरण 1,255 दिन बाद 16 दिसम्बर 2020 को 2500 अरब डालर के स्तर पर पहुंचा था।

बीएसई का एमकैप नए शिखर पर पहुंचने के बाद बाजार में आज खूब खुशी का माहौल देखा गया।

बाजार पूंजीकरण का सफर

28-05-2007	1000 अरब डालर
06-06-2014	1500 अरब डालर
10-07-2017	2000 अरब डालर
16-12-2020	2500 अरब डालर
24-05-2021	3000 अरब डालर
29-11-2023	4000 अरब डालर

बीएसई में बंटी मिठाई

बीएसई को मिली इस नई उपलब्धि पर बुधवार को शेयर बाजार में उल्लास का महौल था शेयर ट्रेडर्स ने आपस में गले मिलकर मिठाईयां बांटकर अपनी खुशी का इजहार किया।

727 अंक चढ़ा सेंसेक्स

मुंबई (भाषा)। एचडीएफसी बैंक जैसे दिग्गज शेयरों में खरीदारी के साथ विदेशी कोषों की आवक जारी रहने से बुधवार को प्रमुख शेयर सूचकांक सेंसेक्स ने 727 अंकों की छलांग लगाई जबकि निफ्टी 20,000 अंक के ऊपर बंद हुआ। बुधवार का दिन भारतीय इक्विटी के लिए इस लिहाज से भी खास रहा कि बीएसई पर सूचीबद्ध सभी कंपनियों का संयुक्त बाजार पूंजीकरण पहली बार 4,000 अरब अमेरिकी डालर के स्तर पर पहुंच गया। बीएसई का 30 शेयरों वाला सूचकांक सेंसेक्स 727.71 अंक यानी 1.10 प्रतिशत चढ़कर 66,901.91 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 772.08 अंक तक उछलकर 66,946.28 अंक पर पहुंच गया था। नेशनल स्टाक एक्सचेंज (एनएसई) का सूचकांक निफ्टी भी 206.90 अंक यानी 1.04 प्रतिशत चढ़कर 20,096.60 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में एक्सिस बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा, विप्रो, टाटा मोटर्स, एचडीएफसी बैंक, टेक महिंद्रा, आईसीआईसीआई बैंक, जेएसडब्ल्यू स्टील, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, इंफोसिस, एचसीएल टेक्नोलॉजीज और भारती एयरटेल में उल्लेखनीय बढ़त दर्ज की गई। दूसरी ओर नेस्ले, टाइटन, बजाज फिनसर्व और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयरों में गिरावट रही।

संक्षिप्त खबरें

ओटिस की ऑनलाइन बुकिंग

नई दिल्ली। ग्राहक अब ओटिस इंडिया के ई-कामर्स पोर्टल से डिजिटली कनेक्टेड जेन3 नोवा एलिवेटर को आनलाइन खरीद सकते हैं। गौरतलब है कि ओटिस वर्ल्डवाइड कारपोरेशन एलिवेटर और एस्केलेटर के निर्माण, इंस्टालेशन और सर्विस के क्षेत्र में दुनिया की मशहूर कंपनी है। 2021 में प्रारंभिक तौर पर एलिवेटर्स की जेन प्राइम रेंज के साथ लान्च किया गया पोर्टल onlinebooking.otis.com पर उपलब्?ध है। उपभोक्ताओं ने इसकी सुविधा और पारदर्शिता को देखते हुए इसे काफी तेजी से अपनाया है। अब जेन 3 नोवा रेज सीधी बिक्री के लिए पोर्टल पर उपलब्ध है।

प्लेटिनम लव बैण्ड्स लांच

नई दिल्ली। सर्दियों और छुट्टियों के इस सीज़न पीजीआई ने प्लेटिनम लव बैण्ड्स का नया कलेक्शन पेश किया है। यह कलेक्शन शादियों के लिए डिज़ाइन किया गया है। त्योहारों एवं सर्दियों के रोमांस के इस सीज़न ये बैण्ड उनके दुर्लभ प्यार की अभिव्यक्ति करेंगे। यह लव बण्ड 95 फीसद शुद्ध और दुर्लभ प्लेटिनम से बने हैं। कंपनी ने कहा कि रिश्तों का जश्न मनाने के लिए प्लेटिनम लव बैण्ड्स बेहतर विकल्प हैं। पीजीआई इंडिया की ओर से प्लेटिनम डेज़ ऑफ लव, प्लेटिनम लव बैण्ड्स का शानदार सलेक्शन प्रमुख ज्वैलरी रीटेल स्टोर्स पर उपलब्ध है।

जोखिम प्रबंधन सुविधा

मुंबई। व्यापार की गुणवत्ता को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित करने के साथ, एडलवाइस टोकियो लाइफ ने धोखाधड़ी वाली प्रथाओं का सक्रिय रूप से पता लगाने और उन्हें रोकने के लिए पूरे संगठन में जोखिम-सचेत संस्कृति को चलाने सहित अभिनव जोखिम प्रबंधन प्रथाओं की शुरुआत की है। सुभ्रजीत मुखोपाध्याय, कार्यकारी निदेशक, एडेलवाइस टोकियो लाइफ इंश्योरेंस ने कहा, 'धोखेबाज़ी की घटनाएं व्यापार के साथ-साथ ग्राहक के लिए भी हानिकारक होती हैं। इनका व्यापक प्रभाव उत्पाद मूल्यनिर्धारण, बोनस भुगतान, दावा निपटान आदि पर पड़ता है, हम धोखाधड़ी रोकने को प्रतिबद्ध हैं।

बच्चों के लिए पीडब्ल्यू के कोर्स

नई दिल्ली। भारत की अग्रणी एडटेक यूनिकॉर्न, फिजिक्स वाला (पीडब्ल्यू), अपनी स्कूल पार्टनरशिप शाखा, पीडब्ल्यू एकेडमी के माध्यम से नर्सरी से 8वीं कक्षा तक एक व्यापक कोर्स शुरू करने के लिए तैयार है। इसका उद्देश्य कम उम्र से ही छात्रों के समग्र विकास को बढ़ावा देना है। इस पहल को ध्यान में रखते हुए, पीडब्ल्यू का लक्ष्य अगले शैक्षणिक वर्ष में 2,000 स्कूलों में इस कैरिकुलम को लागू करने का है। इसके अलावा, पाठ्यक्रम को दो निःशुल्क अपस्किलिंग प्लेटफार्मों के साथ संयोजित किया जाएगा। पाठ्यक्रम को तीन शृंखलाओं में स्कूलों में लागू किया जाएगा।(एजेंसियां)

नए शिखर 63500 पर पहुंचा सोना

नई दिल्ली (भाषा)।

मजबूत वैश्विक रुझानों के बीच राष्ट्रीय राजधानी में बुधवार को सोने की कीमत 750 रुपये बढ़कर 63,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के रिकार्ड स्तर पर पहुंच गई। एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने यह जानकारी दी।

पिछले कारोबारी सत्र के अंत में सोने की कीमत 62,750 रुपये प्रति 10 ग्राम रही थी। चांदी की कीमत भी 800 रुपये बढ़कर 79,000 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। एचडीएफसी सिक्योरिटीज में वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) सौमिल गांधी ने कहा, 'विदेशी बाजारों में तेजी के रुख के बीच बुधवार को सोने की कीमतें 750 रुपये की तेजी के साथ 63,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गई।'

वैश्विक बाजारों में सोना और चांदी दोनों में मजबूती रही। सोना तेजी के साथ 2,041 डालर प्रति औंस तथा चांदी मजबूती के साथ 24.95 डालर प्रति औंस हो गई। कमोडिटी एक्सचेंज कॉमेक्स में सोने की हाजिर कीमत 2,041 डालर प्रति औंस पहुंच गई, जो पिछले बंद भाव से 27 डॉलर अधिक है।

गांधी ने कहा कि डालर में नरमी के अलावा फेडरल रिजर्व के एक अधिकारी के बयानों से ऐसे संकेत मिले कि अमेरिकी केंद्रीय बैंक अगले साल ब्याज दरें कम करना शुरू करेगा। इससे कारोबारी धारणा को बल मिला और कॉमेक्स में सोना मई के बाद से अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गया।

गोल्डी सोलर ने उत्तराखंड सुरंग से बचाए गए 41 मजदूरों की छत पर सौर ऊर्जा प्रणाली लगाने की पेशकश की

नई दिल्ली (भाषा)। गुजरात स्थित गोल्डी सोलर ने उत्तराखंड में सिलक्यारा सुरंग से निकाले गए 41 मजदूरों के घरों की छत पर सौर ऊर्जा प्रणाली स्थापित करने की पेशकश की है। सिलक्यारा सुरंग में करीब 17 दिन तक फंसे रहे सभी 41 मजदूरों को विभिन्न एजेंसियों के संयुक्त बचाव अभियान के तहत मंगलवार को सकुशल बाहर निकाल लिया गया। 12 नवम्बर को भूस्खलन के कारण सिलक्यारा सुरंग का एक हिस्सा ढह जाने के बाद मजदूर उसमें फंस गए थे। सिलक्यारा सुरंग केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी चार धाम परियोजना का हिस्सा है।

गोल्डी सोलर की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, 'देश उत्तरकाशी में फंसे हमारे बहादुर श्रमिकों की सुरक्षित वापसी का जश्न मना रहा है। हम भी प्रभावित परिवारों और लोगों का साथ देंगे। गोल्डी सोलर सभी 41 मजदूरों के घरों की छत पर सौर ऊर्जा प्रणाली स्थापित करेगा।' गोल्डी सोलर के संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक ईश्वर ढोलकिया ने कहा कि यह पहल इन परिवारों को स्थायी ऊर्जा तक पहुंच तथा उज्जवल भविष्य की आशा के साथ सशक्त बनाने की दिशा में एक कदम है।

मलाबार गोल्ड ने अपना 335वां ग्लोबल स्टोर लॉन्च किया

नई दिल्ली (वि)।

मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स ने इतिहास बनाने जा रही है। उसका प्रथम भारतीय ज्वेलरी रिटेल स्टोर कनाडा में खुलने के लिए तैयार है। यह उसका देश विदेश में 335वां स्टोर होगा। इस समय विश्व के छठे सबसे बड़े ज्वेलरी रिटेलर का दर्जा प्राप्त मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स के ग्लोबल ऑपरेशन मैप पर कनाडा 12वां देश और नॉर्थ अमेरिका में दूसरा देश बन गया है। मलाबार ग्रुप के चेयरमैन, एमपी अहमद द्वारा वर्चुअली इस स्टोर का उद्घाटन किया गया। ओंटारियो की एसोसिएट बिजनेस मिनिस्टर, मिस नीना टंगड़ी द्वारा शामलाल अहमद, मैनेजिंग डायरेक्टर इंटरनेशनल ऑपरेशंस, मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स, आमिर सीएमसी, डायरेक्टर फाइनेंस एंड एडमिनिस्ट्रेशन, जोसेफ ईपन, रीजनल हेड-नॉर्थ अमेरिका और अन्य मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स की मैनेजमेंट टीम के सदस्यों तथा ग्राहकों की उपस्थिति में रिबन कटिंग समारोह किया गया। मलाबार गोल्ड का यह ग्रेटर टोरंटो एरिया के अंदर मिसिसॉगा में हार्टलैड टाउन सेंटर पर कनाडा का सबसे बड़ा ज्वेलरी स्टोर है।

डिजिटल पेमेंट की वृद्धि कायम रखने के लिए

साइबर सुरक्षा, ग्राहक संरक्षण और किफायती लागत पर दें ध्यान

मुंबई (भाषा)।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कहा कि कोविड महामारी के कारण डिजिटल भुगतान को मिली रफ्तार को कायम रखने के लिए साइबर सुरक्षा, ग्राहक संरक्षण और किफायती लागत पर ध्यान देना जरूरी है।

रिजर्व बैंक ने 'भारत में नकद बनाम डिजिटल भुगतान लेनदेन' पर जारी एक अध्ययन पत्र में कहा कि अपने पास रखने के लिए नकदी की अहमियत बने रहने के बावजूद नकद लेनदेन में गिरावट आ रही है और भुगतान के डिजिटल तरीकों का उपयोग तेजी से हो रहा है। वैश्विक रुझानों के अनुरूप भारत में भी कोविड महामारी के कारण मुद्रा की मांग अस्थायी रूप से बढ़ी थी। इसके पीछे मुख्य वजह एहतियाती तौर पर कुछ नकदी अपने पास रखने की जरूरत थी।

इस अध्ययन पत्र के मुताबिक, महामारी के समय डिजिटल भुगतान को मिली रफ्तार को बनाए रखने के लिए भुगतान के किफायती तरीकों और मांग (उपभोक्ता) एवं आपूर्ति पक्ष (व्यापारियों और मध्यस्थों) से प्रासंगिक स्वीकृति का बुनियादी ढांचा तय करने वाले प्रयासों की जरूरत है। इसके अलावा स्मार्टफोन और इंटरनेट संपर्क जैसे समर्थनकारी घटकों तक सबकी पहुंच को सुनिश्चित करना भी जरूरी है। आरबीआई के आर्थिक और नीति अनुसंधान विभाग (डीईपीआर) से जुड़े साक्षी अवस्थी, रेखा मिश्रा और शरत ढल ने यह अध्ययन पत्र तैयार किया है। इसमें कहा गया है कि वित्तीय समावेश और वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा देने के साथ ही साइबर सुरक्षा एवं ग्राहक संरक्षण पर भी ध्यान देना होगा।

रिजर्व बैंक की रिपोर्ट

इसके मुताबिक, डिजिटल भुगतान को लेकर रुझान बढ़ने के बावजूद नकदी में लेनदेन और बचत करने के लिए लोगों की मजबूत प्रवृत्ति के कारण नकदी की अहमियत बनी हुई है। इसके अलावा नकदी सभी तरह के भुगतानों के लिए वास्तविक आधार के रूप में कार्य करती है।

इसमें कहा गया है, 'डिजिटलीकरण की सफलता सिर्फ नकदी की जगह लेने से अधिक है, इसका आर्थिक वृद्धि, वित्तीय बाजारों के विकास, परिवारों की वित्तीय सेहत और प्रभावी प्रशासन पर व्यापक प्रभाव पड़ता है।'

श्रमिकों के लिए विशिष्ट पहचान पत्र होंगे अनिवार्य

नई दिल्ली (भाषा)।

केंद्र सरकार प्रवासी श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित करने के लिए देश भर में सभी भवन तथा निर्माण मजदूरों के लिए एक विशिष्ट पहचान पत्र को अनिवार्य बनाएगी।

यह पहचान-पत्र श्रमिक के आधार से जुड़ा होगा और ई-श्रम डेटाबेस में भी इसे संबद्ध किया जाएगा। श्रम सचिव आरती आहूजा ने बुधवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि इन सुधारों पर अगले सप्ताह विस्तृत जानकारी जारी की जा सकती है।

उन्होंने यहां अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) के सहयोग से अखिल भारतीय नियोक्ता संगठन (एआईओई) और उद्योग मंडल फिक्की द्वारा आयोजित 'द माइग्रेशन कॉन्क्लेव' को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की।

आहूजा ने ठेकेदारों द्वारा अपंजीकृत मजदूरों से काम कराने के मामले बढ़ने से पैदा हो रही चुनौतियों से निपटने के तरीके पर बात की। उन्होंने कहा कि चार श्रम संहिताओं के लिए ठेकेदारों को अंतरराज्यीय प्रवासी कामगार अधिनियम के प्रावधानों के अनुरूप इन श्रमिकों को व्यापक लाभ प्रदान करना होगा। इनमें न्यूनतम मजदूरी, व्यावसायिक सुरक्षा तथा शौचालय व कार्यस्थल पर 'क्रेच' जैसी बुनियादी सुविधाओं तक पहुंच शामिल है। आहूजा ने कहा कि मंत्रालय इन स्थानों पर पर्याप्त आश्रय, स्वच्छता तथा अधिकारों के बारे में जागरूकता सुनिश्चित करने वाले उपायों को लागू करने की भी योजना बना रहा है।

इस मौके पर अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन के उप निदेशक सातोशी सासाकी ने वर्तमान और भविष्य के श्रम बाजार में मजदूरों के प्रवास के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने प्रवासी मजदूरों के समक्ष पेश होने वाले अवसरों तथा चुनौतियों पर भी बात की।

35 फीसद रहेगी शापिंग माल सेक्टर की ग्रोथ

कोलकाता (भाषा)। देश में शापिंग माल सेक्टर अगले तीन से चार वर्षों में 35 प्रतिशत बढ़ सकता है। साख निर्धारित करने वाली एजेंसी क्रिसिल रेटिंग ने शुक्रवार को यह बात कही। एजेंसी की ओर से बुधवार को जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, पिछले वित्त वर्ष में खुदरा बिक्री में मजबूत सुधार से माल के क्षेत्र में वृद्धि को बढ़ावा मिला है। खुदरा क्षेत्र में तीन से 3.5 करोड़ वर्ग फुट की वृद्धि होने की संभावना है, जो मौजूदा क्षेत्र का एक तिहाई है। विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में मांग के लचीलेपन के कारण खुदरा सुधार बरकरार रहने की उम्मीद है।

रिपोर्ट में कहा गया कि मॉल और नई परिसंपत्तियों में निवेशकों की निरंतर रुचि से क्षेत्र वृद्धि को बढ़ावा मिलेगी। क्रिसिल रेटिंग्स के निदेशक आनंद कुलकर्णी ने रिपोर्ट में कहा कि माल में अगले तीन से चार वर्षों में 20,000 करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, 'इतनी बड़ी संख्या में बढ़ोतरी के दो कारण है। सबसे पहले नई आपूर्ति पर काम फिर से शुरू करना जो वैश्विक महामारी के दौरान रुक गई थी। दूसरा माल में मजबूत खुदरा बिक्री और उसके बाद माल मालिकों का मजबूत परिचालन प्रदर्शन।' रिपोर्ट में कहा गया कि चालू वित्त वर्ष 2023-24 में मॉल मालिकों का राजस्व वैश्विक महामारी से पहले के स्तर से करीब 125 प्रतिशत अधिक होने का अनुमान है।

ओडिशा में दो कोयला खदानें स्थापित करने की कोशिश में है जीएमडीसी

नई दिल्ली (भाषा)।

सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी गुजरात खिनज विकास निगम (जीएमडीसी) ने बुधवार को कहा कि वह ओडिशा में दो कोयला खदान स्थापित करने की संभावनाएं तलाश रही है। जीएमडीसी अग्रणी खनन कंपनियों में से एक है और इसकी देश में पांच लिग्नाइट खदान है।

कंपनी की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, ओडिशा के भुवनेश्वर में निदेशक मंडल की बैठक में 'ओडिशा में दो नई कोयला खदानें स्थापित करने की योजना, मौजूदा तथा नए खंड में अन्य अवसरों तथा क्षमताओं के अलावा रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण कोयले पर चर्चा की गई।'

LIC ने शुरू की जीवन उत्सव पालिसी

नई दिल्ली (भाषा)।

बीमा क्षेत्र की दिग्गज कंपनी जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने बुधवार को अपनी नई सेवा जीवन उत्सव पेश की। इसमें सुनिश्चित रिटर्न का वादा किया गया है। एलआईसी ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि यह एक 'नॉन-लिंक्ड', गैर-भागीदारी, व्यक्तिगत बचत, संपूर्ण जीवन बीमा योजना है।

एलआईसी के चेयरमैन सिद्धार्थ मोहंती ने हाल ही में दिए एक साक्षात्कार में नई सेवा की कुछ विशेषताएं साझा करते हुए कहा था कि यह सुनिश्चित रिटर्न प्रदान करेगी और इसके पूर्ण होने के बाद बाद पालिसीधारक को जीवन भर बीमा राशि का 10 प्रतिशत मिलेगा। मोहंती ने कहा था कि नया उत्पाद बाजार में हलचल मचाने के लिए तैयार है। हर कोई जानना चाहता है कि वह कितना भुगतान कर रहा है और 20-25 वर्षों के बाद उसे कितना प्रतिफल मिलेगा।

इसके अलावा ऋण सुविधा व समयपूर्व निकासी भी नई सेवा की विशेषताओं में शामिल है।

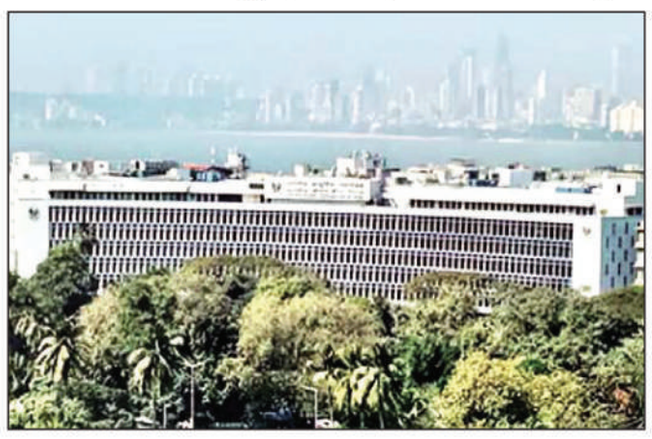

लोक साहित्य

डा सत्यभामा आड़िल

आंचलिक संस्कृति में खल्टाही बोली का प्रभाव

छत्तीसगढ़ में यह बोली बालाघाट जिले के पूर्वी भाग, कौडिया, सेलेटेकडी, भीमलाट तथा रायगढ़ जिले के कुछ भागों में बोली जाती है। खल्टाही की व्युत्पत्ति खल्वातिक से हुई है, जो खलारी नामक स्थान का ही मूल संस्कृत नाम है। यद्यपि खल्टाही का अर्थ नीचे जाने के लिए उपयोग में लाया जाता है। इस बोली खल्टाही में वह के लिए 'ओ' का प्रयोग किया जाता है और कभी 'वो' का। इसी प्रकार वही के विकारी रूप के लिए 'वे' का प्रयोग भी किया जाता है। अधिकरण उपसर्ग के लिए इसमें 'मां' और 'में' दोनों का प्रयोग होता है। वर्तमान कालिक कृदंत बनाने के लिए छत्तीसगढ़ी के 'त' प्रत्यय के स्थान पर 'थ' का प्रयोग होता है यथा 'खाथे' खाता है 'करथे हौ' करता हूं 'रथस' रहता है। इसी प्रकार 'करे हौ' किया है के स्थान पर खलताही में 'करे होवो गा' और 'रहीस' रहा के स्थान पर 'रहिसे' का व्यवहार होता है।

पुस्तक समीक्षा

कलाकार संग मुहाचाही

कृति के नाव	कलाकार संग मुंहाचाही
कृतिकार	हेमलाल साहू 'निर्मोही'
समीक्षक	आशु प्रकाशन रायपुर
प्रकाशक	डा. मुक्ति बैस
कीमत	सौ रूपए

लोक कला को जीवन भर आत्मसात करते खड़े साज नाचा के कलाकार हेमलाल साहू निर्मोही ने अपने अंचल के कलाकारों को अपनी इस पुस्तक 'कलाकार संग मुहाचाही' के माध्यम से जन समक्ष लाया है। आपके निवास वाले क्षेत्र में कई कलाकार ऐसे हुए जो अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर छत्तीसगढ़ की लोक कला को बिखरने में कोई कमी नहीं की। पद्मश्री पूनाराम निषाद और जनाब शेर अली जैसे कलाकारों के साथ अपनी प्रतिभा का परिचय देने वाले 20 कलाकारों को आपने चिंहित कर उनके व्यक्तित्व और कृतित्व को अच्छे ढंग से यहां प्रस्तुत किया है। पाठकों तथा कलाप्रेमियों के लिए यह पुस्तक उपयोगी व महत्वपूर्ण साबित होगी।

कलचुरियों ने अनुमानतः दो-तीन पीढ़ियों तक राज्य किया। किंतु बाद में स्वर्णपुर के सोमवंशी राजा ने कलचुरी की इस शाखा को मार भगाया। बालहर्ष संतानहीन था। अतः छोटा भाई केयूरवर्ष (युवराज प्रथम) गद्दी पर बैठा। त्रिपुरी नरेश द्वितीय कोक्कल देव ई. 990 से 1014 के बीच पुनः दक्षिण कोसल को जीतकर तुम्मान में राजधानी स्थापित की। द्वितीय कोक्कल का पुत्र गांगेय देव गद्दी पर बैठा। महाप्रतापी एवं अत्यंत महत्वाकांक्षी होने के कारण अल्पावधि में ही इसने अपने वंश की कीर्ति को पुनः स्थापित किए।

इतिहास के पन्नों में कोसल राज का प्रथम शासक

ऐतिहासिक

डा. पुष्पा तिवारी

कोसल राज में कलचुरी वंश का संस्थापक तथा प्रथम ऐतिहासिक शासन कोक्कल प्रथम ई. 840 से 890 तक गद्दी पर बैठा। वह बड़ा ही महत्वाकांक्षी राजा था। कोक्कल ने चंदेल वंश की राजकुमारी से विवाह किए तथा अपनी पुत्री महादेवी का विवाह दक्षिण के राष्ट्रकूट नृपति द्वितीय कृष्णराज से कर राष्ट्र कूटों व चंदेलों से अच्छे संबंध स्थापित किए। कोक्कल ने भोज, वल्लराज, चित्रकूट के गुहिलराज हर्ष तथा सरयू पारी के कलचुरी राजाओं को मदद पहुंचाई तथा उत्तर और दक्षिण में अपना वर्चस्व स्थापित किया। तत्पश्चात द्वितीय शंकरगढ़ तथा उसका पुत्र बालहर्ष ने कोसल की विजय यात्रा की तथा सोमवंशी राजा को पराजित कर उसने पाली छीन लिया। इसकी राजधानी तुम्माण आज भी एक गांव है। कलचुरियों ने अनुमानतः दो-तीन पीढ़ियों तक राज्य किया। किंतु बाद में स्वर्णपुर के सोमवंशी राजा ने कलचुरी की इस शाखा को मार भगाया। बालहर्ष संतानहीन था। अतः छोटा भाई केयूरवर्ष (युवराज प्रथम) गद्दी पर बैठा। त्रिपुरी नरेश द्वितीय कोक्कल देव ई. 990 से 1014 के बीच पुनः दक्षिण कोसल को जीतकर तुम्मान में राजधानी स्थापित की। द्वितीय कोक्कल का पुत्र गांगेय देव गद्दी पर बैठा। महाप्रतापी एवं अत्यंत महत्वाकांक्षी होने के कारण अल्पावधि में ही इसने अपने वंश की कीर्ति को पुनः स्थापित किए। आरंभ में गांगेय देव ने चंदेल वंशी राजा विद्याधर की प्रभुता स्वीकार की, किंतु धीरे-धीरे अपनी स्थिति इतनी सुदृढ़ कर ली, कि वह स्वतंत्र राजा की हैसियत से अपना राज्य स्थापित करने में सफल हो गया।

अनेक तथ्यों को संजोए गढ़िया पहाड़

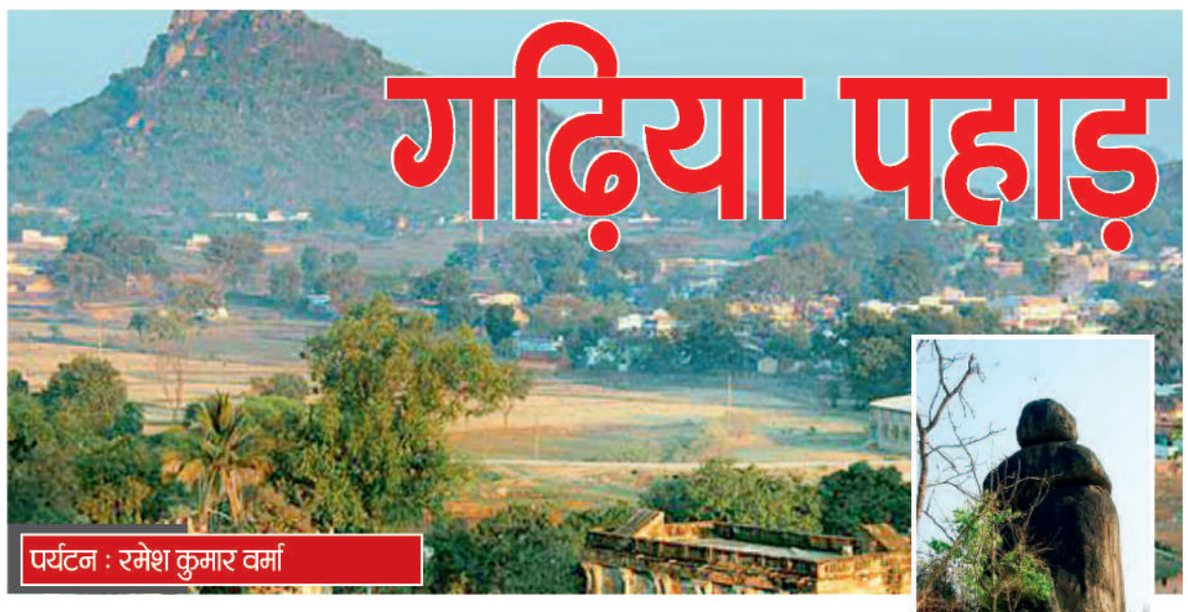

पर्यटन : रमेश कुमार वर्मा

छत्तीसगढ़ में बस्तर अंचल के कांकेर जिले स्थित गढ़िया पहाड़ में संकरा खोह मार्ग में स्थित गुफा को 'छूरी पगार गुफा' कहते है। इस गुफा के अंदर लगभग 500 लोगों को सुरक्षित रहने की व्यवस्था है। बताया जाता है कि सोम कंडरा और प्रारम्भिक चंद्रवंशी राजा शिव के भक्त थे, इसलिए उन्होंने यहां की पहाड़ी पर एक शिव मंदिर का भी निर्माण करवाया था। ई. 1345 से कंडरा राजा धर्मदेव का अभिषेक महोत्सव गढ़िया पहाड़ पर मनाया जाता था, किन्तु वर्ष 1385 में राजा छत्रदेव की मृत्यु के पश्चात यह परम्परा टूट गई। 617 वर्ष बाद 2002 से पुनः गढ़िया महोत्सव के नाम से नवरात्रि उत्सव की शुरूआत हुई। इस गुफा में प्रवेश करने के बाद छुरी आकार के पत्थर ऊपर की तरफ दिखते हैं। देखने पर गिरते हुए प्रतीत होते हैं। इस गुफा का उपयोग राजा युद्ध के समय अपने सैनिकों के साथ छिपने के लिए करते थे। हरी-भरी वादियों के बीच यहां पहुंचने के लिए रास्ता सुगम होने के कारण वर्ष भर पर्यटक पहुंचते रहते हैं।

आंचलिक कला में वैदिक युग का प्रभाव

कला जगत : डा. अर्चना पाठक

संगीत के क्रमिक विकास में वैदिक युग का संगीत अधिकांश रूप में यज्ञों के अंगीभूत था। सामवेद में गेय छंद है। सामान्यतः उस समय तीन स्वर ही प्रमुख माने जाते थे। क्रमशः उदात्त, अनुदात्त और स्वरित के रूप में इनका अति महत्वपूर्ण वर्गीकरण हुआ था। स्वर सदा स्थान विशेष के अनुसार मंद, मध्य और उच्च रूप में रूपायित होते रहे हैं। याज्ञवल्क्य और पाणिनि के अनुसार परवर्ती काल में उपरोक्त तीन आदि स्वरों से ही षडजादि सात स्वर उत्पन्न हुए हैं। इस युग में वेद मंत्र रचे गए, इन मंत्रों के निर्माण में संपूर्ण वायुमंडल संगीतमय रहता था। अतः मंत्र रचयिता को संगीत का पूरा ज्ञान होता था। वैदिक काल में साम तथा सामेत्तर दो धाराओं में संगीत का प्रचलन था। छत्तीसगढ़ के वनप्रांतों में अनेक ऋषियों ने अपना आश्रम स्थापित किया था और उन पुण्य स्थलों पर लगातार यज्ञ की अग्नि प्रज्जवलित रहती थी। इसी क्रम में छत्तीसगढ़ के वन प्रांतों में भी उस समय लगातार साम तथा सामेतर संगीत की ध्वनि गुंजायमान रहती थी।

गांव की कहानी : डा प्रकाश

अंग्रेज शासन काल से नाम हुआ गांव का ठेकवाडीह

बालोद जिले के गुरुर विकासखंड से 3 किलो मीटर उत्तर दिशा में गांव ठेकवाडीह स्थित है। करीब सौ वर्षों तक यहां मराठों ने शासन किया। छत्तीसगढ़ी में ठेकवा और ठेकला का अर्थ एक ही होता है। यह पैसा जमा करने के लिए मिट्टी का एक पात्र होता है। जिस तरह लोटा से लोटवा शब्द बना, वैसे ही ठेका से ठेकवा शब्द बन गया है। मराठा काल में टकौली वसूल करने का ठेका लिया जाता था। इस गांव का मुखिया मालगुजार था, जिसे भूमिपति या अधिपति भी कहा जाता था। वह किसानों से धन के रूप में राजस्व वसूल कर चौरासी पति के पास पहुंचाता था। इसी विशेष कार्य के कारण गांव का नाम ठेकवा पड़ा। मराठों ने गांव का नाम ठेकवाड़ी दिया था। बाद में छत्तीसगढ़ी में इसे ठेकवा के साथ डीह जोड़कर ठेकवाडीह कहा गया। यह गांव कला-संस्कृति और साहित्य से समृद्ध है। नाचा गम्मत के कई कलाकारों ने गांव का नाम रोशन किया है, साथ ही धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन वर्ष भर इस गांव में होते ही रहते हैं।

सुरता

प्रो.अश्विनी केशरवानी

पांडेयजी का साहित्यिक योगदान उल्लेखनीय रहा

पुरुषोत्तम प्रसाद पांडेय मालगुजारी कार्यों से समय निकालकर विद्योपार्जन, साहित्य साधना और भ्रमण आदि किया करते थे। अनंत लेखावली का संपादन आपने पौष सुदी 4 संवत 1964 को किया था। उनकी दो पुस्तके क्रमशः 'लाल गुलाब' कहानी संग्रह और 'आनंद का टोकना' निबंध संग्रह प्रमुख हैं। आपके घर में अपनी दादी के नाम पर निर्मित पार्वती पुस्तकालय था, जहां अनेक धार्मिक और साहित्यिक पुस्तकें संग्रहित थीं। यही पुस्तकालय आगे चलकर पांडे परिवार का प्रेरणा स्रोत बना।

भारतेंदु युग के समय के साहित्यकारों में पंडित पुरुषोत्तम प्रसाद पांडेय का भी उल्लेखनीय योगदान रहा है। पुरुषोत्तम प्रसाद पांडेय मालगुजारी कार्यों से समय निकालकर विद्योपार्जन, साहित्य साधना और भ्रमण आदि किया करते थे। उन्होंने स्वाध्याय से हिंदी, संस्कृत, बंगला, उड़िया और उर्दू भाषा सीखी। वह अपने भ्राता पंडित अनंत राम पांडेय के आमंत्रण पर रायगढ़ जाया करते थे और वहां के प्रसिद्ध गणेश उत्सव में पधारे साहित्यिक विद्वानों और कलाकारों से मुलाकात किया करते थे। वह अपनी मनसा अनुरूप गद्य-पद्य रचनाओं को संग्रहित कर 'अनंत लेखावली' शीर्षक से संपादित कर नटवर प्रेस रायगढ़ से प्रकाशित कराए। पांडेय जी इस पुस्तक में लिखते हैं-श्री श्री महाराज रायगढ़ाधीश राजा भूपदेवसिंह बहादुर फ्यूडेटरी के द्वितीय पुत्र युवराज चक्रधर सिंह नान्हे महाराज के शुभ जन्मदिन के उपलक्ष्य में चक्रधर पुस्तक माला के प्रथम कुसुम के रूप में मुद्रित और प्रकाशित। अनंत लेखावली का संपादन आपने पौष सुदी 4 संवत 1964 को किया था। उनकी दो पुस्तके क्रमशः 'लाल गुलाब' कहानी संग्रह और 'आनंद का टोकना' निबंध संग्रह प्रमुख हैं। आपके घर में अपनी दादी के नाम पर निर्मित पार्वती पुस्तकालय था, जहां अनेक धार्मिक और साहित्यिक पुस्तकें संग्रहित थीं। यही पुस्तकालय आगे चलकर पांडे परिवार का प्रेरणा स्रोत बना। इस परिवार के अधिकाश लोग रायगढ़ में रहने लगे। आपके सभी भाई उच्च कोटि के साहित्यकार हुए। आज भी पांडेय कुल के लोगों में साहित्यिक प्रतिभा दृष्टव्य है। पांडे परिवार के साहित्यिक अवदान को विस्मृति नहीं किया जा सकता।

पैंक्रियाटिक कैंसर

शुरुआत में ही पहचान जरूरी

डा. अजय यादव, सर्जन (गैस्ट्रो)
सहारा हॉस्पिटल

हर वर्ष नवम्बर माह को पैंक्रियाटिक कैंसर यानि अग्नाशय कैंसर के जागरूकता माह के रूप में मनाया जाता है, इसकी शुरुआत वर्ष 2000 में की गई थी। पैंक्रियाटिक कैंसर जागरूकता माह का उद्देश्य पैंक्रियाटिक कैंसर के शुरुआती लक्षणों और निवारण के सुझावों को जन-जन तक पहुंचाना है, ताकि दुनियाभर में कैंसर पीड़ितों की बढ़ती संख्या को नियंत्रित किया जा सके। इस वर्ष की थीम 'हैलो पैंक्रियाज़' है।

गंभीर बीमारी है पैंक्रियाटिक कैंसर- पैंक्रियाटिक कैंसर एक गंभीर बीमारी है जो तब होती है जब अग्न्याशय की कोशिकाएं असामान्य रूप से बढ़ने लगती हैं । पैंक्रियास यानि अग्न्याशय शरीर का वह अंग है, जो पाचन में मदद करता है और ब्लड शुगर लेवल को नियंत्रित करता है । पैंक्रियाटिक कैंसर की वजह से अग्न्याशय की कोशिकाएं ठीक से काम करना बंद कर देती है और कैंसर कोशिकाएं अनियंत्रित रूप से बढ़ने लगती है ।

शुरुआती चरण में पहचान कठिन- सहारा हॉस्पिटल के गैस्ट्रो सर्जन डॉक्टर अजय यादव ने बताया कि शुरुआती चरण में पैंक्रियाटिक कैंसर की पहचान करना काफी कठिन होता है, जिसके कारण इस कैंसर से होने वाली मृत्यु की दर ज्यादा है। इसका इलाज, सर्जरी, कीमोथेरेपी और रेडिएशन थेरेपी द्वारा किया जाता है। पैंक्रियाटिक कैंसर के सबसे आम लक्षण हैं-पीलिया, मतली, उल्टी, दस्त, एनीमिया, सूजन, पेट में दर्द, भूख की कमी, ब्लोटिंग, थकान और वजन कम होना है. यह बीमारी विभिन्न रिस्क फैक्टर के कारण होती है ।

पैंक्रियाटिक कैंसर में होने वाली समस्याएं- पीलिया, मतली, उल्टी, दस्त, एनीमिया, सूजन, पेट में दर्द, भूख की कमी, ब्लोटिंग, थकान और वजन कम होना है। यह बीमारी विभिन्न रिस्क फैक्टर के कारण होती है ।

पैंक्रियाटिक कैंसर के लक्षण

शुरुआत में पैंक्रियाटिक कैंसर में किसी तरह के लक्षण देखने को नहीं मिलते हैं और जो समस्याएं होती हैं उन्हें छोटी मोटी दिक्कत मानकर उपेक्षा कर दी जाती है। यही कारण है कि इसकी सही पहचान करने में या फिर इसका पता लगाने में काफी मुश्किल होती है। हालांकि हमारे एक्सपर्ट ने कुछ लक्षण बताए हैं जो निम्निलिखित हैं:

- आंखों के सफेद भाग का या फिर त्वचा का पीला हो जाना, खुजली होना, पेशाब और मल का ज्यादा पीला होना आदि ।
- भूख न लगना और वजन कम हो जाने के साथ-साथ थकान हो जाना ।
- कभी-कभी बुखार हो जाना और कांपने लगना भीं देखने को मिलते है।

कुछ लक्षण पाचन को भी प्रभावित कर सकते है जैसेः जी मिचलाना, डायरिया होना या फिर कब्ज होना या स्टूल के रंग में बदलाव आना, पेट के ऊपरी भाग में दर्द होना और कमर में दर्द जो खाते समय या लेटने के समय और ज्यादा बढ़ जाता है लेकिन आगे की तरफ झुकने से राहत मिलती है ।

- अपच के कुछ लक्षण जैसे पेट फूला हुआ महसूस होना। अगर इरिटेबल बॉवेल सिंड्रोम है तो उसके लक्षण इस समय और ज्यादा खराब हो जाएंगे।

अगर किसी तरह के लक्षणों में बदलाव देखने को मिलता है तो डॉक्टर को जरूर दिखा लें। अगर लक्षण ठीक होने की बजाए और खराब हो जाएं तब डॉक्टर को तुरंत दिखा लें।

पैंक्रियाटिक कैंसर के कारण

- लीवर में ज़ख्म का बनना
- शरीर में एनिमिया या खून की कमी होना
- शराब का अत्यधिक सेवन करना
- डायबिटीज़ या मधुमेह
- पेट में इंफेक्शन होना
- मोटापा
- धूम्रपान, तंबाकू का सेवन करना
- अधिक वसा युक्त चीज़ों का सेवन
- अग्न्याशय में एलर्जी या जलन
- पेट, लीवर और अग्न्याशय से सम्बंधित वंशानुगत बीमारी होना

पैंक्रियाटिक कैंसर का इलाज

अग्न्याशय कैंसर के निदान के लिए डॉक्टर्स निम्नलिखित मेडिकल तकनीकों का सहारा ले सकते हैं-

1. सर्जरी या ऑपरेशन - जब जाँच में पैंक्रियाटिक कैंसर स्पष्ट हो जाता है तब सर्जरी या ऑपरेशन के द्वारा इस कैंसर से निजात की व्यवस्था की जाती है। सर्जरी या ऑपरेशन के द्वारा अग्न्याशय के उस हिस्से को हटाया जाता है जहाँ पर कैंसर की कोशिकाएँ जन्म ले चुकी होती है। इस प्रकार कैंसर कोशिकाओं को अग्न्याशय से काटकर अलग किया जाता है। इससे यह कैंसर शरीर के अन्य भाग में नही फैलता।

2. कीमोथैरेपी के द्वारा- कैंसर के निदान में कीमोथेरेपी का बहुत बड़ा स्थान है। कीमोथेरेपी एक ऐसा उपचार है जिसमें डॉक्टर्स विशेष प्रकार की दवाओं को खाने की सलाह देते है। इसके अलावा डॉक्टर्स कीमोथेरेपी के द्वारा इन दवाओं को इंजेक्शन या अन्य तरीक़ों से शरीर में पहुँचाने की कोशिश करते है ताकि शरीर में पनप रही कैंसर कोशिकाओं को मारा जा सके। कीमोथेरेपी के कुछ हानिकारक पहलू भी है जैसे कि कीमोथेरेपी के उपचार से गुज़रने वाला मरीज़ थकान महसूस करता है, उसके बाल झड़ने लगते है, मुँह में खट्टापन महसूस होता है आदि।

3. अन्य उपचार- कैंसर के उपचार या निदान में कई अन्य तकनीक भी इस्तेमाल की जाती है। कई बार डॉक्टर्स क्रायोसर्जरी, माइक्रोवेव थर्मोथैरेपी, रेडियोफ्रीक्वेंसी एब्लाशन इत्यादि के द्वारा ट्यूमर संबंधी कोशिकाओं को नष्ट कर देते है। इससे कैंसर की कोशिकाओं के बढ़ने का ख़तरा कम होता है। पैंक्रियाटिक कैंसर एक ख़तरनाक बीमारी है जिसका समय पर इलाज होना ज़रूरी है। हमारे आस पास अभी भी ऐसे बहुत से लोग है जो इन बीमारियों के प्रति जागरूक नहीं है। इसका असली कारण यह होता है कि उन्हें इन बीमारियों से संबंधित किसी भी प्रकार की कोई जानकारी नहीं उपलब्ध हो पाती है।

पैंक्रियाटिक कैंसर की जाँच के लिए डॉक्टर्स निम्नलिखित टेस्ट का सहारा ले सकते हैं-

1. बायोप्सी- इस टेस्ट के द्वारा डॉक्टर्स अग्न्याशय में कैंसर या कैंसर उत्पन्न करने वाली कोशिकाओं का निरीक्षण करते है।

2. सीटी स्कैन- सीटी स्कैन के द्वारा पैंक्रियाटिक कैंसर का पता लगाया जाता है। सीटी/ स्कैन का एक लाभ यह भी है कि ये पैंक्रियाटिक कैंसर के साथ साथ यदि आस पास किसी और अंग को कोई इन्फेक्शन या कैंसर हुआ हो तो यह भी जाँच में पता लग जाता है।

3. ब्लड टेस्ट - ब्लड टेस्ट के द्वारा अग्न्याशय, लीवर या अन्य अंगों से संबंधित बीमारियों की जाँच की जा सकती है। डॉक्टर खून में बिलीरूबिन नामक हार्मोन की जाँच करते है। बिलीरूबिन वह हार्मोन है जो लीवर के द्वारा उत्पादित किया जाता है। डॉक्टर्स इस हार्मोन के द्वारा लीवर और लीवर की स्थिति का पता लगाते है। इसके साथ ही इस टेस्ट के द्वारा अग्न्याशय के एंजाइम और हॉर्मोन्स की स्थिति का भी पता लगाया जा सकता है। यदि अग्न्याशय किसी भी प्रकार का कोई एंजाइम या हार्मोन अधिक मात्रा में उत्पादित करने लगता है तो ऐसे में यह स्थिति चिंताजनक हो सकती है।

4. अल्ट्रासाउंड- अल्ट्रासाउंड के द्वारा यह देखा जाता है कि अग्न्याशय का आकार किस हद तक बढ़ रहा है। जब अग्न्याशय में कैंसर सेल्स या कैंसर कोशिकाओं की मात्रा बढ़ने लगती है तो ऐसे में अग्न्याशय का आकार भी बढ़ जाता है।

5. स्के द्वारा- इस टेस्ट के द्वारा डॉक्टर अग्न्याशय की निलयों और बाइल जूस की सही इमेज़ या प्रस्तुति पा सकते है।

हिन्दुओं की शक्ति किसी को डराने के लिए नहीं

मिलिंद परांडे

बैंकॉक (वार्ता)। विश्व हिन्दू परिषद के अंतरराष्ट्रीय महामंत्री मिलिंद परांडे ने वर्ल्ड हिन्दू कांग्रेस को विश्व भर में हिन्दू शक्ति के जागरण का प्रमाण बताते हुए कहा है कि हिन्दुओं की शक्ति किसी को भयभीत करने के लिए नहीं है बल्कि यह विश्व भर में मानवता के कल्याण के लिए है। श्री परांडे ने यहां वर्ल्ड हिन्दू कांग्रेस के आयोजन को लेकर कहा कि तीन दिनों के दौरान यह साफ दिख रहा है कि विश्व भर का हिन्दू जागृत और संगठित हो रहा है। लेकिन यह भी समझा जाना चाहिए कि हिन्दुओं की यह शक्ति किसी को डराने या प्रभाव स्थापित करने के लिए लिए नहीं बल्कि विश्व कल्याण और मानवता के कल्याण के लिए है।

श्री परांडे ने कहा कि 61 देशों की प्रमुख हिन्दू शख़्सियतों ने अलग अलग विषयों पर संगठित हो कर सोचने और विश्व कल्याण की रूपरेखा बनाने के बारे में चर्चा की। सनातन का यश, ऐश्वर्य, वैभव कैसे बढ़े और इसके माध्यम से मानवता का कैसे कल्याण हो, इस उद्देश्य से यह हिन्दू चिंतन किया गया है। अलग अलग ढंग से कार्य करने वाले हिन्दू व्यक्ति और संगठन, एक हो कर संपूर्ण हिन्दू समाज के उत्थान के लिए समन्वित प्रयत्न किस प्रकार से करें, वर्ल्ड हिन्दू कांग्रेस इसी का मंच है।

विहिप महामंत्री ने कहा कि यहां जिस वृद्धि, शक्ति, यश, विजय की बात की गयी है और उद्घाटन सत्र में भी जो कहा गया। उस बारे में वह स्पष्ट करना चाहते है कि हमारी शक्ति किसी के विरोध में या किसी को पराजित करने के लिए नहीं है। यह सबके कल्याण के लिए है। अतः हिन्दू शक्ति से किसी को भयभीत होने की जरूरत नहीं है। लेकिन इसके साथ ही यह शक्ति इतनी बड़ी अवश्य होगी कि कोई हम पर टेढ़ी नजर नहीं डाल पाएगा।

उन्होंने कहा कि हमारी शक्ति ऐसी होगी कि विश्व में जो भी कमजोर होगा, वह अपनी रक्षा एवं कल्याण के लिए हमारे पास आएगा। उन्होंने कहा कि हमारा विचार 'सक्षम का अस्तित्व रक्षण' यानी (सरवाइवल ऑफ दि फिटेस्ट) का नहीं है क्योंकि यह जंगल या प्रकृति का नियम हो सकता है। लेकिन हमारा विचार 'दुर्बल का अस्तित्व रक्षण' यानी (सरवाइवल ऑफ दि वीकेस्ट) का है जो हमारी संस्कृति है। श्री परांडे ने कहा, "हम विकृति की दिशा में नहीं, संस्कृति और सदकृति के मार्ग पर जा रहे है। वर्ल्ड हिन्दू कांग्रेस उसी का चिंतन और विजन है।"तीसरी वर्ल्ड हिन्दू कांग्रेस यहां 24 से 26 नवम्बर के दौरान आयोजित की गयी और विश्व के 61 देशों के करीब 2200 प्रतिनिधियों ने इसमें भाग लिया। सम्मेलन में अर्थव्यवस्था, शिक्षा, अकादमिक, मीडिया और राजनीतिक क्षेत्र तथा युवा और महिला सहित सात वर्गों पर फोकस के साथ करीब 50 सत्र समानांतर ढंग से आयोजित किये गये।

सेल्फी के लिए 20-30 लाख रु मिलने पर

ओरी ने कहा, बढ़ा-चढ़ाकर बताया

मुंबई (आईएएनएस)। बी-टाउन सेलेब्स के बेस्टी ओरी, जिनका असली नाम ओरहान अवत्रमणि है, ने बिग बॉस के सेट पर खुलासा किया कि उन्हें सेल्फी के लिए 20-30 लाख रुपये मिलने की बात सच नहीं है। उन्होंने कहा कि अगर उन्हें पिक्चर्स के लिए सच में इतनी रकम मिलती तो वह किसी आईलैंड पर जिंदगी बिताते हुए मिलते। बिग बॉस 17 में ओरी ने एक ऐसा बयान दिया जिससे होस्ट सलमान खान भी हैरान रह गए और सुर्खियां भी बटोरीं। उन्होंने लफ्फाजी में कहा कि वह सेलेब्स के साथ तस्वीरें क्लिक करने के लिए 20-30 लाख रुपये की मोटी रकम कमाते हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या वह वास्तव में सेल्फी के जरिए इतनी कमाई करते हैं, ओरी ने बताया, सेल्फी के बारे में मैंने जो बताया है, वह मुझे पसंद है। मैंनें बढ़ा-चढ़ाकर बताया था और इस बात ने कितनी सुर्खियां बटोरीं हैं। उन्होंने कहा कि अगर उन्होंने पिक्चर्स के जरिए इतना पैसा कमाया होता, तो वह किसी आईलैंड पर रह रहे होते और मेहनत नहीं कर रहे होते। उन्होंने अपने मनमोहक अंदाज में आगे कहा, मैं भाग्यशाली होता अगर मुझे सेल्फी के लिए 20-30 रुपये भी मिलते, यह सच्चाई है।

शाहिद कपूर के साथ काम को लेकर उत्साहित है

पूजा हेगड़े

मुंबई,(वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेत्री पूजा हेगड़े अपनी आने वाली फिल्म देवा में शाहिद कपूर के साथ काम करने को लेकर उत्साहित हैं। पूजा हेगड़े फिल्म देवा में शाहिद कपूर के साथ नजर आएंगी। इस फिल्म में शाहिद कपूर पुलिस आफिसर की भूमिका में होंगे। पूजा हेगड़े ने 'देवा' में काम करने को लेकर कहा कि फिल्म में उनका पात्र सशक्त लड़की का है। देवा एक अनूठी और आकर्षक कहानी है। फिल्म में एक्शन, ड्रामा और मनोरंजन सभी का तड़का होगा। फिल्म में दर्शकों को उनका नया अवतार देखने को मिलेगा। शाहिद कपूर असाधारण प्रतिभाशाली अभिनेता हैं। उनके साथ काम करने को लेकर जिस बात ने मुझे उत्साहित किया, वह है उनका समर्पण और अपने किरदारों में पूरी तरह से डूब जाने की उनकी क्षमता। मैं फिल्म को लेकर बहुत उत्साहित हूं।

आलिया को अपना 'रोल मॉडल' मानती हैं

सुहाना खान

मुंबई(वार्ता)। बॉलीवुड के किंग खान शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान ,आलिया भट्ट को अपना'रोल मॉडल'मानती है। सुहाना खान फिल्म 'द आर्चीज' से एक्टिंग के साथ सिंगिग डेब्यू भी करेंगी। सुहाना खान ने आलिया भट्ट की तारीफ करते हुए उन्हें अपना रोल मॉडल बताया है। 'द आर्चीज' फिल्म की कहानी कॉमिक बुक कैरेक्टर आर्ची एंड्रयूज और उसके दोस्तों पर आधारित है।'द आर्चीज' 7 दिसम्बर को ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। 'द आर्चीज' शरद देवराजन और रीमा कागती द्वारा टाइगर बेबी और ग्राफिक इंडिया के बैनर तले बनाई गयी है।

अरिजीत तनेजा के साथ काम करना खुशी का अहसास

सृति झा

नई दिल्ली (आईएएनएस)। शो 'कैसे मुझे तुम मिल गए' में अमृता के किरदार में नजर आने वाली एक्ट्रेस सृति झा ने अरिजीत तनेजा के साथ अपनी दोस्ती के बारे में खुलासा किया और कहा कि वे सिर्फ को-स्टार्स नहीं बल्कि बहुत अच्छे दोस्त हैं। उन्हें उम्मीद है कि उनकी दोस्ती और केमिस्ट्री स्क्रीन पर भी बेहतरीन दिखाई देगी। कैसे मुझे तुम मिल गए दो अलग-अलग किरदारों, अमृता और विराट के बीच की लव-स्टोरी है, जिन्हें क्रमशः सृति और अरिजीत ने निभाया है। सृति ने कहा, कैसे मुझे तुम मिल गए' का हिस्सा बनना एक रोमांचक अनुभव है और जी टीवी सबसे लंबे समय तक एक घर जैसा रहा है, चैनल पर वापस आना मेरे लिए घर वापसी जैसा है। उन्होंने कहा, अरिजीत के साथ काम करना शानदार है। हम सिर्फ को-स्टार नहीं हैं, बल्कि बहुत अच्छे दोस्त हैं और मुझे उम्मीद है कि हमारी दोस्ती और केमिस्ट्री स्क्रीन पर भी बेहतरीन दिखेगी।

तेज हवाओं से गिरा

व्हाइट हाउस में लगा नेशनल क्रिसमस ट्री

वाशिंगटन (आईएएनएस)। वाशिंगटन डी.सी. में चल रही तेज हवाओं ने व्हाइट हाउस में नेशनल क्रिसमस ट्री को गिरा दिया। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, मंगलवार शाम करीब 4.40 बजे पेड़ एक स्ट्रक्चर के ऊपर गिर गया। बाद में इसे ठीक कर लिया गया। बता दें कि नेशनल क्रिसमस ट्री लाइटिंग समारोह गुरुवार को होने वाला है। पूरे मंगलवार के दौरान, डी.सी. क्षेत्र में हवाएं 30 मील प्रति घंटे की रफ्तार से चली। रीगन राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सबसे ज्यादा 40 मील प्रति घंटे से अधिक की गति दर्ज की गई। राष्ट्रीय उद्यान सेवा (एनपीएस) के अनुसार, इस महीने की शुरुआत में एलीप्स पर 40 फुट का नॉर्वे स्प्रूस पेड़ लगाया गया था। एनपीएस ने कहा कि 30 अक्टूबर, 2021 को लगाए गए पिछले पेड़ को 11 नवम्बर को नीडल कास्ट फंगल बीमारी के चलते हटा दिया गया था। अमेरिका की राजधानी में हॉलीडे का जश्न पूरे जोरों पर है। प्रथम महिला जिल बाइडेन ने इस हफ्ते व्हाइट हाउस की हॉलीडे की सजावट का अनावरण किया है। सोमवार को सामने आई सजावट में 98 क्रिसमस पेड़, 72 पुष्पमालाएं, 2.8 मील रिबन लगाए गए। इस साल की थीम में मैजिक, वंडर और जॉय के अनुरूप बहुत कुछ शामिल है।

काशीराम स्पोर्ट्स स्टेडियम खलीलाबाद में नमो कबड्डी प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

प्रखर संतकबीरनगर। गांव की ओर चलने की दिशा में अग्रसर भाजपा सरकार गांव से लुप्त हो रहे युवाओं के प्रतिभा को परखने के लिए नमो कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन पूरे प्रदेश में जिला स्तर पर किया गया है। इसी क्रम में संत कबीर नगर जिले में किसान मोर्चा के द्वारा आयोजित जनपद स्तरीय नमो कबड्डी प्रतियोगिता 30 नवंबर बृहस्पतिवार को सुबह 9:00 बजे से प्रारंभ किया गया। जिले से सभी 9 ब्लॉक और स्टेडियम की टीम कुल 10 टीम में जिला क्रीड़ांगन खलीलाबाद प्रतियोगिता मे प्रतिभा किया। कार्यक्रम के आयोजक किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष विजय बहादुर सिंह जी मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथियों का स्वागत किसान मोर्चा के सभी पदाधिकारी को साथ लेकर किया। कार्यक्रम में मुख्य मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम प्रभारी बंधु उपेंद्रनाथ प्रदेश उपाध्यक्ष किसान मोर्चा रहे। कबड्डी प्रतियोगिता कार्यक्रम का उद्घाटन कार्यक्रम प्रभारी उपेंद्रनाथ प्रदेश उपाध्यक्ष किसान मोर्चा ने किया। टीमों के खिलाडियो से हाथ मिलवा कर

परिचय करते हुए शुरू कराया। सभी 10 टीम में अपनी जोर आजमाइश की जिसमें राउंड लीग के बाद सेमीफाइनल में बघौली और हैसर तथा दूसरे सेमीफाइनल में मेहदावल और स्टेडियम की टीम में लड़ी। फाइनल में स्टेडियम और हैसर की टीम खेली जिसमें स्टेडियम की टीम शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए विजेता बनी। विजेता टीम के सदस्य कप्तान रविंद्र चौधरी, कौशल चौधरी, आकाश चौहान, विवेक मौर्य, सत्येंद्र यादव, गोलू ,दीपक कुमार, दीपू और पंकज रहे। कार्यक्रम में पूर्ण रूप से सहयोग जिला युवा कल्याण अधिकारी अरुण कुमार पांडे और जिला उप अधिकारी दिलीप कुमार रहे। रेफरी की भूमिका में यादवेंद्र यादव आदि ने किए। कार्यक्रम में मुख्य रूप से बद्री प्रसाद यादव, आनंद त्रिपाठी ,हेमंत चतुर्वेदी किसान मोर्चा के संतोष पाल, संतोष सिंह, रविन्द्र नाथ दहीवाल, राम प्रवेश शुक्ला, करुणाकांत मिश्रा, दामोदर पांडे, दीपक मिश्रा, पीएन सिंह, अनिल कुमार, श्यामू मिश्रा आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम के आयोजन किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष विजय बहादुर सिंह ने सरकार के नीतियों को खिलाड़ियों के माध्यम से जागरूक करके ग्रामीण क्षेत्र से युवाओं के रूप में प्रतिभा का पहचान करने पर सरकार को धन्यवाद दिए। विजेता और उपविजेता टीम को ट्रॉफी प्रमाण पत्र और माला पहना करके विदा किया गया श्री सिंह ने कहा भविष्य में इस तरह की पूरे जिले में अभियान चलाकर ग्रामीण क्षेत्र से युवाओं के प्रतिभा को पहचान के लिए कार्यक्रम व्यापक रूप से कराए जाएंगे और कुश्ती और कबड्डी जो ग्रामीण और भारत दोनों की बहुत बड़ी पहचान है इसको हम हर संभव प्रयास करके निखारने का और आगे बढ़ने का प्रयत्न करेंगे। कार्यक्रम के दौरान जिला खेल अधिकारी दिलीप कुमार भी मौजूद रहे।

एनडीआरएफ ने वाराणसी और चंदौली में छात्रों को दिया आपदा प्रबंधन का बृहद प्रशिक्षण

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। आपदा जोखिम न्यूनीकरण और प्रबंधन योजना के तहत श्री मनोज कुमार शर्मा, उप महानिरीक्षक के दिशा- निर्देशन में 11 एनडीआरएफ वाराणसी की टीमें क्षमता निर्माण कार्यक्रम, जन जागरुकता के अभियान चला रही है तथा शिक्षण संस्थानों में आपदा से बचाव हेतु स्कूल सुरक्षा एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम लगातार आयोजित कर रही है उसी कड़ी में 30 नवंबर 2023 गुरुवार को एनडीआरएफ के प्रशिक्षित एवं अनुभवी टीम द्वारा स्कूल सुरक्षा एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम को आयोजित कर राजकीय हाई स्कूल, चितईपुर जिला वाराणसी, आर एस कान्वेंट सैनिक स्कूल, जिला वाराणसी तथा जय बजरंग इंटर कालेज, तारापुर, जिला चंदौली में आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण दिया गया` एनडीआरएफ टीम ने भूकम्प तथा बांढ़ में बचाव के तरीके, बाढ़ की स्थिति में क्या करें और क्या न करें, सीपीआर, गले में फंसी बाहरी वस्तु के निकालने के तरीके, शारीरिक चोटों एवं सांप के काटने का अस्पताल पूर्व उपचार, तात्कालिक स्ट्रेचर बनाना, सड़क सुरक्षा, लिफ्टिंग और मूविंग के तरीके, इम्प्रोवाइज्ड फ्लोटिंग डिवाइस (राफ्ट) बनाना, अग्निशामक यंत्र का उपयोग आदि विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण प्रदान किया टीम ने जल संरक्षण, वृक्षारोपण का महत्व के बारे में भी जानकारी दी और इसके साथ ही गरजना वज्रपात से बचने के लिए दामिनी ऐप, भूकंप की जानकारी पाने की लिए भूकंप ऐप, विभिन आपदाओं और मौसम के अलर्ट पाने के लिए सचेत ऐप आदि के इंस्टॉलेशन और उपयोग का प्रशिक्षण प्रदान किया। सीपीआर हृदयघात होने पर व्यक्ति के जीवन को बचाने के लिए सीपीआर (कार्डियो-पल्मोनरी रिससिटेशन) की विशेष जानकारी दी गई और इंसान के डमी मॉडल का उपयोग करके छात्रों से सीपीआर का अभ्यास भी करवाया गया` स्कूल प्रशासन, प्रधानाचार्य एवं शिक्षकों ने एनडीआरएफ के प्रशिक्षण कार्यक्रम को बहुत प्रशंसनीय और शिक्षाप्रद बताया।

मनपसंद बाइक नहीं मिलने से भड़का दूल्हा, थाने में चला हाईवोल्टेज ड्रामा

प्रखर जौनपुर। जफराबाद थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम नाथूपुर अहमदपुर निवासी बसंतु सोनकर की पुत्री की बारात चंदौली जनपद के ग्राम ककरहटी निवासी दूल्हा सॉफ्टवेयर इंजीनियर जितेन्द्र सोनकर 29 नवम्बर 2023 को लेकर पहुंचा था। जिसकी विदाई 30 नवम्बर को सुबह ही होनी थी। बताते चलें कि दुल्हन के भाई अरविंद सोनकर ने बताया कि मेरी बहन की बरात बुधवार को हमारे दरवाजे आयी हुई थी सारा कार्यक्रम सकुशल सम्पन्न हो रहा था जायमाल के बाद ही दूल्हा मन पसंद बाइक ना मिलने पर जायमाल स्टेज पर भड़क गया और माला फूल तोड़ने लगा साथ ही हमारे रिश्तेदारों द्वारा दिए गए उपहार को फेकने लगा। उसके बाद स्टेज से नीचे उतर गया जब इसके सम्बन्ध में दूल्हे से पूछा

गया तो सॉफ्टवेयर इंजीनियर दूल्हे ने बोला कि कौन सी बाइक मुझे दिया जा रहा हैं मुझे दिखाया जाए तभी हम शादी करेंगे नहीं तो हम शादी नहीं करेंगे। इस पर दुल्हन के भाई ने कहा कि एक बाइक देने की बात हुई थी तो हम लोगों ने एक लाख रुपये तक की बाइक खरीदे है यह नही तय हुआ था कि कौन सी और कितने रुपये की बाइक देना है। बताते चलें कि लड़की पक्ष और लड़के पक्ष में मामला इतना उलझ गया कि लड़की पक्ष द्वारा स्थानीय थाना पुलिस को सूचित किया। सूचना पर मौके से पहुँची पुलिस ने रात में ही सॉफ्टवेयर इंजीनियर दूल्हे सहित उसके पिता को थाने लेकर गई। उक्त प्रकरण के सम्बन्ध में थाना प्रभारी जफराबाद के०के० चौबे ने बताया कि लड़की और लड़के पक्ष के लोगों में सुलह समझौता हो गया।

निर्मल मन से करें कथा का श्रवण : पद्मेश जी महाराज

प्रखर पटहेरवा, कुशीनगर। आज के दौर में यज्ञ, जप, तप, व्रत व पूजा-पाठ विधि विधान से नहीं कर पाते हैं, लेकिन निर्मल मन से श्रीराम कथा सुनने से सारे अनुष्ठानों का लाभ मिल जाता है। उक्त बातें रजवटिया में आयोजित श्री महाविष्णु महायज्ञ कार्यक्रम के दूसरे दिन श्रीराम कथा का श्रवण कराते हुए कथावाचक पद्मेश जी महाराज ने कही। उन्होंने कहा कि परमात्मा रंग, रूप व धन नहीं देखता है। उसकी नजरों में केवल मन सर्वश्रेष्ठ है। इसलिए निर्मल मन से कथा का श्रवण करना चाहिए। समाज में बढ़ती भौतिकतावादी प्रवृति के कारण नैतिक मूल्यों में कमी हो रही है। मनुष्य की पहचान वेशभूषा व पद-प्रतिष्ठा से नहीं, बल्कि आचरण से होती है। आज सात्विकता की कमी के कारण लोगों में अहंकार बढ़ रहा है, जो परमेश्वर से दूर कर रहा है। कहा कि, राजा मनु धर्मपूर्वक राज्य करते हैं। काफी समय बाद उनके हृदय में वैराग्य उत्पन्न होता है और वे निर्णय लेते

हैं कि वे अपना मन भगवान राम में ही लगाएंगे। वैराग्य का सदुपयोग ज्ञान के माध्यम से मुक्ति प्राप्त करना है तथा राम का सदुपयोग करने पर भक्ति की प्राप्ति होती है। राजा मनु ने पुत्र मोह के कारण भगवान को अपना पुत्र बनाकर ईश्वर सुख की प्राप्ति की, क्योंकि मोह में फंसकर जीव पतन की ओर बढ़ने लगता है। मोह यदि परमात्मा के प्रति होता है तो वह जीवन में वात्सल्य सुख भी दे सकता है। पुराणों में भी दो पात्र ऐसे हैं, जिनमें पुत्र के प्रति घोर ममता है। एक महाराज दशरथ तथा दूसरे धृतराष्ट्र हैं। एक ने पुत्र मोह में प्राण त्याग दिए तथा दूसरे ने महाभारत करा दी। उन्होंने मा की ममता, गणेश जी लेखनी आदि प्रसंगों की चर्चा की। इस दौरान बंता राव, रमाशंकर सिंह, राजेन्द्र सिंह, मनोज राय, शिवजी राय, मैनेजर सिंह, भूपनरायन राव, बशिष्ठ सिंह, मनोज सिंह, सत्यदेव राय, अशोक सिंह, विजय सिंह, अरविंद सिंह, रविन्द्र सिंह आदि श्रद्धालु मुन्ना राय ,मौजूद रहे।

लघु उद्योग भारती काशी प्रांत की हुई बैठक, उद्योग में आ रही समस्याओं पर चर्चा

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। लघु उद्योग भारती काशी प्रांत की बैठक कबीरचौरा स्थित कार्यालय पर आयोजित हुई उद्योग में आ रही समस्याओं पर चर्चा हुई इस दौरान उद्यमियों ने बताया कि सरकार ने जीएसटी लागू करते समय व्यापारियों को आश्वासन दिया था की इसके लागू होने से व्यापार बहुत आसान हो जाएगा` व्यापारियों को एक देश एक कानून से पुर्व की कई जटिल कर प्रणाली से राहत मिलेगी परंतु अस्थिर जीएसटी कानून एवं अधिकारियो की हठधर्मिता से पूरे देश में उद्यमियों व्यापारियों में आक्रोश पनप रहा है बैठक के मुख्य अतिथि भरत थ्रेड प्रदेश महामंत्री लघु उद्योग भारती ने बताया कि पिछले सप्ताह वाराणसी सहित कई जिलों में संगठन की बैठक मे उद्यमियों के आक्रोशित होने की खबर प्रदेश के सम्मानित समाचार पत्रों में प्रकाशित हुआ था जिसके पश्चात मनोज कुमार सिंह अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त उत्तर प्रदेश सरकार ने लघु उद्योग भारती के पदाधिकारियों के साथ बैठक की मुख्य मुद्दा प्रदूषण और जीएसटी की नोटिस का था` मनोज कुमार सिंह ने प्रदेश में एसजीएसटी विभाग द्वारा व्यापारियों को भेजी जा रही नोटिस को गंभीरता से लेते हुए तत्काल जांच का आश्वासन दिया साथ ही पदाधिकारियों को कार्यवाही का आश्वासन भी दिया `राजेश कुमार सिंह अध्यक्ष काशी प्रांत ने बताया की जिन उद्योगों को नोटिस आए है और वह तर्क संगत नहीं है उन्हें शासन को सूचना के रूप में उपलब्ध करवाया जाएगा जिससे सरकार उचित कार्यवाही के लिए निर्णय ले सके` अध्यक्ष ने उद्यमियों से आह्वाहन किया की इस तरह की नोटिस संगठन को तत्काल उपलब्ध करवाए जिसे शासन को भेजा जा सके` कार्यक्रम में दिनेश गुप्ता, ज्योति शंकर मिश्रा, सर्वेश श्रीवास्तव,अरुण सिंह, शरद गुप्ता, प्रमोद थरड़, मनीष चौबे ने भाग लिया।

भ्रमण कर गिनाई भाजपा सरकार की उपलब्धियां

प्रखर कुशीनगर। पीएम मोदी व सीएम योगी के नेतृत्व में न सिर्फ विदेशों में भारत का सम्मान बढ़ा है, बल्कि देश के भीतर भी गरीब वंचित किसान महिला समेत सभी वर्गों का समेकित विकास हुआ है। उक्त बातें क्षेत्रीय भ्रमण के दौरान देवरिया संसदीय क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी के लिए दावेदार डा. सत्यप्रकाश मणि त्रिपाठी ने कही। उन्होंने कहा कि पहले समस्याओं के समाधान के लिए टुकड़ों में कदम उठाए जाते थे, लेकिन मोदी व योगी सरकार ने पहली बार समस्याओं के संपूर्ण समाधान की योजनाएं बनाई और उन्हें सफलतापूर्वक लागू करने का भी काम किया। उन्होंने कहा कि शौचालय, पक्का मकान, बिजली कनेक्शन, गैस सिलेंडर, नल से जल जैसी योजनाएं इसका प्रमाण हैं। 2014 की तुलना में 2023 में सभी फसलों के समर्थन मूल्य में लगभग दोगुना वृद्धि की गई है। जबकि लागत मूल्य के रूप में खाद स्थिर है। इसके अलावा करोड़ों किसानों को छह हजार सालाना के मानदेय से उनके बीज खरीदने के लिए कर्ज नहीं लेना पड़ रहा है। इसके अलावा दुध, बागवानी आदि के उत्पादन में हुई बढ़ोतरी से किसानों की स्थिति 2014 की तुलना में निश्चित रूप से बेहतर हुई है। उन्होंने डीबीटी, जीएसटी, निर्यात, मोबाइल मैच्युफैक्चरिंग, फिनटेक, यूपीआई ट्रांजेक्शन का आंकड़ा पेश करते हुए कहा कि व्यक्ति यह नहीं कह सकता कि उन्हें योजना का लाभ नहीं मिला है। वैक्सीनेशन, घर-घर विद्युत कनेक्शन, हर घर शौचालय, फ्री राशन, रसोई गैस, किसान सम्मान निधि, हर घर नल, प्रधानमंत्री आवास की सुविधा से बिना भेदभाव के आमजन को लाभान्वित किया गया है। भाजपा

दुनिया के कई देश मंदी में जा रहे हैं, वहीं भारत सर्वाधिक तेज गति से विकास करने वाला देश है। भाजपा सरकार ने हर वर्ग का ख्याल रखा है। मोदी व योगी सरकार की योजनाएं प्रत्येक लाभार्थी तक पहुंचाई गई है। कोई नेता व लोकसभा क्षेत्र देवरिया भाजपा प्रत्याशी के दावेदार पूर्व विधायक डा. सत्यप्रकाश मणि त्रिपाठी ने लोगों को मोदी सरकार की उपलब्धियों से अवगत कराते हुए 2024 में फिर से भाजपा सरकार बनाने का आह्वान किया ।

दहशत भरी खामोशी में डूबा खेतासराय कस्बा

पोस्टमार्टम के बाद शव घर पहुंचते ही महिलाओं की मची चीख पुकार, दो सगे भाइयों की दुस्साहसिक तरीके से हुई हत्या से कस्बे में भारी आक्रोश

मोहम्मद अरशद

प्रखर खेतासराय। कस्बा के मुख्य चौराहे पर पुलिस बूथ से चंद कदम दूर दो सगे भाइयों की मंगलवार की रात बेखौफ अपराधियों द्वारा दुस्सहिक तरीके से चाकू घोप कर की गई हत्या से पूरे खेतासराय कस्बा में सन्नाटा पसरा है। सुरक्षा के मद्देनजर चार थानों की पुलिस फोर्स, डिप्टी एसपी शाहगंज शुभम तोदी एक प्लाटून पीएसी के साथ मौके पर कैंप कर रहे हैं। जिला मुख्यालय पर पोस्टमार्टम के बाद बुधवार की शाम छह बजे दोनों युवकों का शव पुलिस के भारी चौकसी के बीच जैसे ही घर पहुंचा । इस दौरान महिलाओं की चीख पुकार से पूरे इलाके में जबरदस्त मातम छा गया। हर कोई इस घटना से बेहद दुखी था। पुलिस के उच्च अधिकारियों ने पड़ोस के प्रबुद्ध जनों और अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ चुके भाजपा नेता रूपेश गुप्ता उर्फ मोनू की मदद से शव का क्रिया कर्म पूर्ण कराते हुए अंतिम संस्कार करवाने के लिए खुटहन के पिलकिछा घाट रवाना करवाया। बताते चले कि

कस्बा के खुटहन मार्ग पर दुर्गा मंदिर के निकट सुपर चायनीज एंड कोल्ड ड्रिंक सेंटर के नाम से खुले इस दुकान का संचालन फूलचंद प्रजापति के दोनों बेटे अजय और अंकित करते थे । एकमात्र बेटी विनीता जिसकी डेढ़ वर्ष पहले ही शादी हुई थी। रिहायशी मकान के नाम पर फूलचंद प्रजापति की पत्नी मनभावती देवी को प्रधानमंत्री आवास से मिली मदद ही एकमात्र घर ही सहारा है। सुबह से शाम तक पूरे दिन इस दुकान पर हाड़तोड़ मेहनत करने के बाद दोनों बेटे कस्बे के हर सामाजिक कार्यों में बढ़कर हिस्सा लेते थे। चाऊमीन बेचकर परिवार की जीविका चलाने वाले बेहद ही मृदभाषी इन दोंनो नौजवानों की किसी से कोई अदावत भी नहीं थी। मृतक दोनों भाईयों के पिता फूलचंद प्रजापति दो भाई की मौत पहले ही हो चुकी । बाकी बचे तीन भाइयों में फूलचंद ही सबसे छोटे हैं। रोजी-रोटी और घर की कुल जमा पूंजी के नाम पर यही दोनों बेटों की दिन भर की मेहनत परिवार का एक मात्र सहारा था। दो बेटों की मौत से अपना सुधबुध खो चुकी मनभावती देवी के ऊपर अब गमों का पहाड़ इस कदर टूटा है कि लोग उन्हें हर संभव भरोसा दिला रहे हैं लेकिन वह अपने बेटों की मौत का गम नहीं भुला पा रही हैं। घटना स्थल पर सुरक्षा के मद्देनजर शाहगंज के डिप्टी एसपी शुभम तोदी, प्रभारी निरीक्षक शाहगंज आदेश त्यागी, खेतासराय थानाध्यक्ष चंदन राय, खुटहन थानाध्यक्ष अरविंद सिंह, सरपतहा थानाध्यक्ष विनोद कुमार सिंह भारी पुलिस फोर्स साथ देर रात तक मौके पर मुस्तैद रहे।

देश के राशन डीलर के 1 जनवरी से अनिश्चितकालीन हड़ताल

प्रखर वाराणसी। आल इंडिया फेयर प्राइज शाप डीलर्स फेडरेशन के राष्ट्रीय सचिव गिरीश तिवारी ने मण्डल के कोटेदार को सम्बोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय महासचिव विशम्बर बासु के नेतृत्व में 1 जनवरी से देश के 5 लाख 38 हजार राशन डीलर अनिश्चितकालीन हड़ताल करेंगे। जब तक उनका कमीशन नहीं बढ़ाया जाता है। राष्ट्रीय सचिव ने बताया कि कल प्रधानमंत्री जीने कैबिनेट की बैठक में यह निर्णय लिया कि देश के 80करोड जनता को 5साल के लिए फ्री राशन दिया जायेगा। अपने वोट के लिए राशन फ्री कर रहे हैं। लेकिन जो लोग इसको जनता तक वितरण करेंगे उनके बारे में नही सोचा। कि इनका परिवार कैसे चलेगा। इसलिए प्रदेश अध्यक्ष राजेश तिवारी के अगुवाई में उत्तर प्रदेश 80000 राशन डीलर अनिश्चितकालीन हड़ताल करेंगे। ताकि प्रदेश के मुख्यमंत्री को पता चले कि कोटेदार कितने परेशान हैं।अगर सरकार हमलोगो का कमीशन नहीं बढाया तो आगामी लोकसभा चुनाव में अपने प्रत्याशी खड़े

रहेंगे। और चुनाव के जरिये सरकार को अपनी ताकत बतायेगे। बैठक में प्रदेश सचिव अजय जायसवाल राजेन्द्र जायसवाल महानगर उपाध्यक्ष सुनील कुमार जिला उपाध्यक्ष लक्ष्मी पाण्डेय जिला सचिव अशोक कुमार चिर ईगांव अनन्त कुमार सुनील गुप्ता आदि लोग उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

चोरी का गहना खरीदने का आरोपी बीती रात खुद हुआ लूट का शिकार

प्रखर जौनपुर। चोरी का गहना खरीदने का आरोपी बीती रात खुद लूट का शिकार हो गया । दो अज्ञात बाइक सवार बदमाशों ने उसका सोने चांदी के गहने और रुपये से भरा बैग छीनकर फरार हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पहुंचकर जांच पड़ताल शुरू कर दी है। हालांकि पुलिस घटना को संदिग्ध मान रही है। क्षेत्राधिकारी मछलीशहर अतर सिंह ने बताया कि रात्रि में थाना मुंगराबादशाहपुर पर रामधनी पुत्र राज नारायण द्वारा सुजानगंज रोड कस्बा मुंगराबादशाहपुर से दो अज्ञात मोटरसाइकिल सवार द्वारा बैग जिसमें आभूषण व नगदी था छीन कर भागने की सूचना दी गई। साक्ष्य संकलन व आवश्यक कार्यवाही की जा रही हैं। रामधनी के विरुद्ध पूर्व में चोरी के आभूषण खरीदने का अभियोग पंजीकृत है। प्रथम दृष्टया घटना संदिग्ध प्रतीत हो रही है।

भाकियू (अ) के कार्यकर्ताओं ने उपजिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

प्रखर कुशीनगर। भारतीय किसान यूनियन (अ) की जिला इकाई, कुशीनगर के जिलाध्यक्ष रामचन्द्र सिंह के नेतृत्व में जिला मुख्यालय पर यूनियन के कार्यकताओं ने राजेश बर्नवाल, उपजिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपते हुए अवगत कराया है कि, जनपद कुशीनगर में वर्तमान समय में चीनी मिलों में पेराई शुरू हो चुका है। चीनी मिलों द्वारा क्रय केन्द्रों से चीनी मिल गेट तक गन्ना ढुलाई करने में ट्रक के जगह पर अवैध ट्रालों का उपयोग धडकल्ले से किया जा रहा है। यह ट्रालें ट्रकों के आकार से बड़े और लम्बें चौड़े भी है जो ट्रेक्टर से संचालित हो रहे हैं। ट्राला चलाने वाले ड्राईवरों के पास हैवी ड्राइविंग लाइसेन्स भी नही है। इन अवैध ट्रालों के ऊपर जरूरत से ज्यादा गन्ने की लोडिंग किया जा रहा है जिसके वजह से कोई बड़ी दुर्घटना कभी भी घटित हो सकती है और साथ ही साथ ओवर लोडिंग होने के वजह से सड़कें भी टूट रही है और जगह जगह पर जाम लग जाने के वजह से राहगीरों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है और सम्बन्धित विभाग मौन धारण किए हुए है। आगे यूनियन के जिलाध्यक्ष रामचन्द्र सिंह ने उपजिलाधिकारी से माँग किया है कि, इन अवैध ट्रालों को जल्द से जल्द प्रतिबन्धित किया जाय ताकि आने वाले समय में दुर्घटनाओं को रोका जा सके जो जनहित में होगा। इस मौके पर यूनियन के जिला सचिव चेतई प्रसाद, अंकित कुशवाहा, शैलेश कुशवाहा, बिरेन्द्र शर्मा, जवाहर प्रसाद, रामा, जनार्दन सिंह, गणेश गुप्ता के साथ साथ अन्य कार्यकर्त्ता उपस्थित रहे।

बीजेपी पिछड़ा वर्ग मोर्चा द्वारा वोटर चेतना महाअभियान के अन्तर्गत घर घर जा कर जनसंपर्क कर लोगों को किया गया जागरूक

प्रखर संतकबीरनगर। भारतीय जनता पार्टी द्वारा वोटर चेतना महाअभियान के अन्तर्गत जनपद सन्त कबीर नगर उत्तर प्रदेश मंडल बघौली सेक्टर भगवानपुर के मतदेय स्थल संख्या 425 एवं 426 भगवानपुर में बूथ अध्यक्षों के साथ क्षेत्रीय संयोजक/क्षेत्रीय उपाध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी पिछड़ा वर्ग मोर्चा गोरखपुर क्षेत्र राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिल भारतीय जल सत्याग्रह आन्दोलन राष्ट्रीय महासचिव अखिल भारतीय राजभर संगठन शैलेश कुमार राजभर ने मतदेय स्थल भगवानपुर में घर घर जाकर छूटे हुए मतदाताओं एवं नये वोटरों का नाम मतदाता सूची में शामिल करने हेतु घर घर जाकर फार्म 6 का वितरण करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी पिछड़ा वर्ग मोर्चा द्वारा वोटर चेतना महाअभियान के अन्तर्गत 30 नवम्बर एवं 1 दिसम्बर को पिछड़ा

वर्ग मोर्चा के कार्यकर्ता प्रदेश के हर बूथ के सभी गांवों में घर घर जाकर अभियान को सफल करना हैं आगे कहा कि भारतीय जनता पार्टी के नीतियों को देवतुल्य महान कार्यकर्ता नये वोटरों व छूटे हुए मतदाताओं का नाम मतदाता सूची में शामिल करने हेतु घर घर जाकर मतदाता सूची की जांच कर छूटे हुए मतदाताओं और नये वोटरों का नाम मतदाता सूची में शामिल करने हेतु फार्म 6 भरकर दिनांक 2 - 3 दिसम्बर को मतदेय स्थलों पर बी एल ओ के पास जमा कर रसीद प्राप्त कर ले जिससे नये वोटरों एवं छूटे हुए वोटरों का नाम मतदाता सूची में शामिल हो सके कार्यकताओं द्वारा किया जा रहा वोटर चेतना महाअभियान का यह पावन पवित्र पुण्य कार्य का जितना प्रशंसा किया जाय वो कम हैं क्योंकि यही नये मतदाता 2024 के चुनाव में निर्णायक भूमिका में होंगे और देवतुल्य उजार्वान कार्यकताओं के उत्साह के बल पर पुनः 2024 में प्रचण्ड बहुमत से तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी बनेंगे और राष्ट्र विश्व गुरु और परम वैभव को प्राप्त करते हुए विकसित राष्ट्र होगा इस अवसर पर बूथ अध्यक्ष कमलेश शर्मा, हरिशंकर चौधरी, राकेश निषाद, दिनेश गुप्ता, महेश गोंड,विजय प्रजापति, रामकरन राजभर, जगदीश चौधरी आदि लोग अभियान में शामिल रहें।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं